जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, रविवार 19 अप्रैल, 2026

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

8 मिनट की दूरी पर 8000/- Sq. Ft. का फायदा

₹4000/- Sq Ft में फ्लैट! ₹5000/- Sq Ft में कोठी!

REAL VALUE • REAL GROWTH

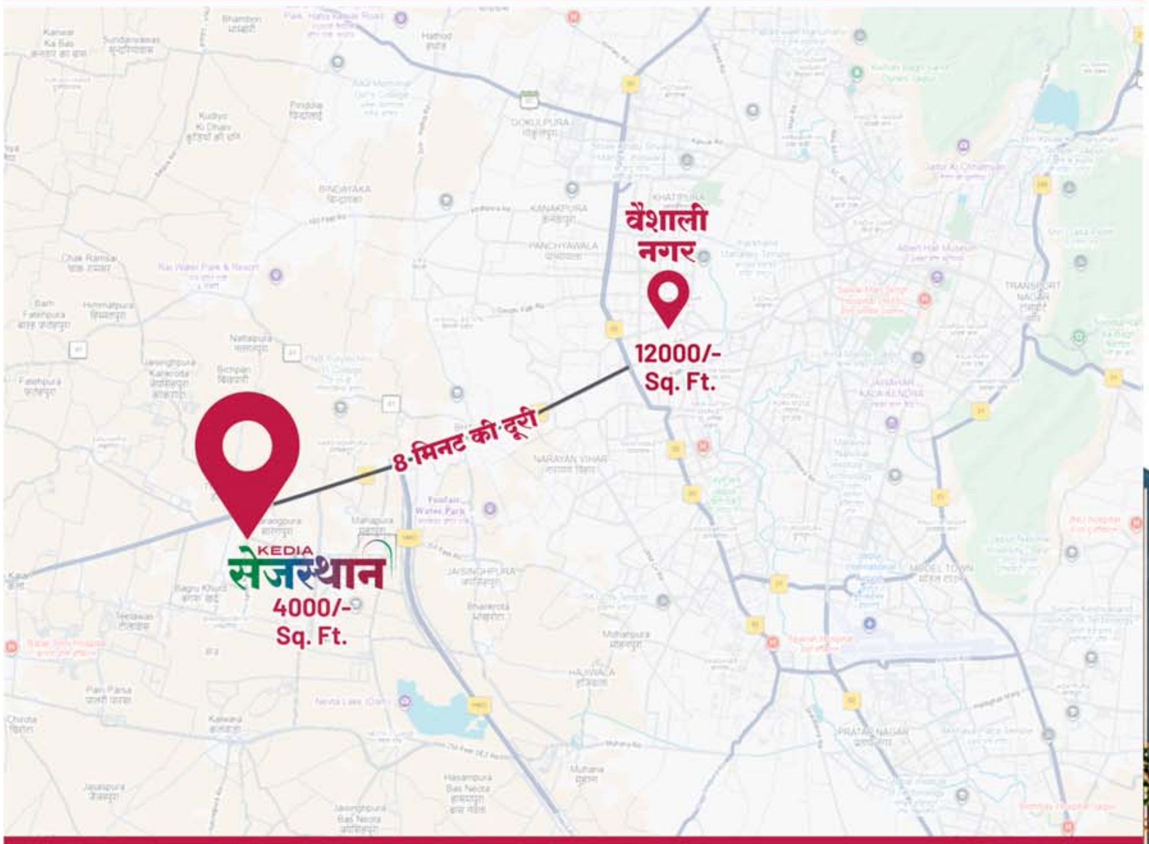

उतने ही पैसे में तीन गुना बड़ा फ्लैट

FIXED PRICE

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.25 CRORE
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.55 CRORE

NO MIDDLE MEN

अब हर महीने रेट बढ़ेगी !

FIXED PRICE

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड, जयपुर
बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

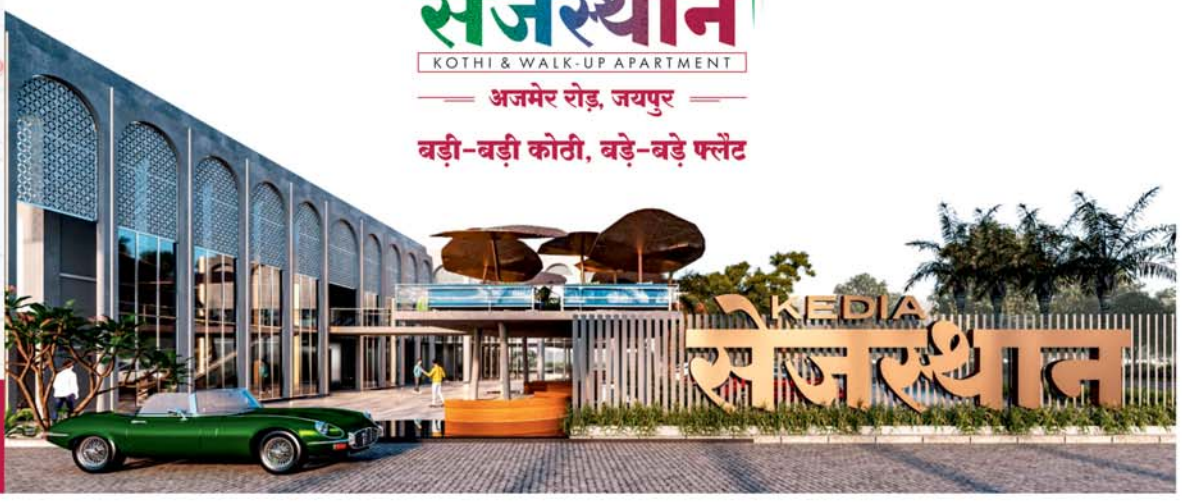

KEDIA®
1800-120-2323
78770-72737

घर के लिए

info@kedia.com
www.kedia.com

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

घर के खाने के लिए

आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™
Pavitra

मिलावट में इस्तेमाल होने वाले खतरनाक तत्व और उनसे होने वाले नुकसान

ब्रिक पाउडर
- दिमागी विकास में कमी
- सांस लेने में दिक्कत
- बच्चों की ग्रोथ पर असर

मेटानिल येलो
- एलर्जी और स्किन रिएक्शन
- इम्युनिटी कमजोर होना
- फूड पॉइज़निंग का खतरा

सिंथेटिक डाई
- लीवर डैमेज
- किडनी पर बुरा असर
- पाचन संबंधी समस्याएं

सेहत से समझौता नहीं पवित्र मसाले ही सही!

CRYOGENIC GRINDING प्रोसेस से बने

लाकाडोंग हल्दी पाउडर
7-12% करक्यूमिन
विश्व में सर्वाधिक करक्यूमिन वाली हल्दी

लाल मिर्च पाउडर
50,000+ SHU (तीखापन)
तेजा, बेड़गी और लोंगी मिर्च का यूनिक मिश्रण

धनिया पाउडर
डबल पैरेट धनिया
एक्सपोर्ट क्वालिटी
हाईएस्ट ग्रेड

Masala Combo Only for ₹500

FIXED PRICE

रिटेलर हो या कस्टमर: कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727
सभी जिला मुख्यालयों पर Market Development Officer (MDO) हेतु आवेदन करें।
Email ID : hr@kedia.com | Call : +91 76888 44466

54000 + RETAILERS | SUPERMARKETS | ZEPTO | WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply

विचार बिन्दु

एकता का किला सबसे सुरक्षित होता है। न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुःखी होता है। –अज्ञात

प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी का सिद्धांत आयुर्वेद के महर्षि–वैज्ञानिकों की देन है

वर्ष 2018 में भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों द्वारा प्रकाशित साझा शोध के अनुसार वर्ष 1990 से 2016 के मध्य के 26 वर्षों में भारत में हृदय रोग सेहोने वाली मौतोंमें34 प्रतिशत बढ़तहुई है, जबकि अमेरिका में यह दर 40 प्रतिशत कम हुई है।जर्नलऑफ़ दि अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (72.1:79–95, 2018) में प्रकाशित इस अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 2016 में भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रमशः इन बीमारियों के कारण अनुमानित 62.5 और 12.7 मिलियन वर्ष का जीवनकाल नष्ट हुआ।इनमें इस्चेमिक हार्ट डिजीज और स्ट्रोक 15 से 20 प्रतिशत मृत्यु के लिये जिम्मेवार हैं।भारत में प्रत्येक एक लाख जनसंख्या में 5,681 लोग कार्डियोवैस्कुलर बीमारी से पीड़ित हैं। कुल संख्या के रूप में देखें तो भारत में 54.6 मिलियन लोग कार्डियोवैस्कुलर बीमारी से पीड़ित हैं, जो अमेरिका के 33.6 मिलियन लोगों की तुलना में 70 प्रतिशत ज्यादा है।

ऐसी दशा में हम यह सोचनेके लिये मजबूर हो रहे हैं कि क्या भारत में एलोपैथी को दीर्घकाल से 97 प्रतिशत बजट देने के बावजूद भारत की यह दुर्दशा रोकी जा सकती है? इसका उत्तर केवल आयुर्वेद में उपलब्ध है।दरअसल,प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी का विश्व में सबसे प्राचीन सिद्धांत आयुर्वेदमें उपलब्ध है।यह सिद्धांत भारत को इस समस्या से निजात दिला सकने में तीस शताब्दियों बाद आजभी यथावत समीचीन और उपयोगी है।आज की संक्षिप्त चर्चा इसी पर आधारित है।

आश्चर्य की बात यह है कि प्राचीन भारत के महर्षि–वैज्ञानिक आचार्य चरक ने,महर्षि–वैज्ञानिक भगवान आत्रेय द्वारा अपने शिष्य महर्षि–वैज्ञानिक आचार्य अग्निवेश के बताये गये जिन पांचतरीकोंसेहृदय रोग सेबचने का सिद्धांत चरकसंहिता में दिया,उनमें कमसे कम 3000 साल गुजर जाने और पिछले 150 साल सेबायोमेडिकल साइंस की भारी शोध के बावजूद कोई बड़ापरिवर्तन नहीं आया (च.सू.30.13–14): तन्महत् ता महामूलास्तच्चोजः परिरक्षता।परिहार्या विशेषेण मनसो दुःखहेतवः।।हृद्यं यत् स्याद्यदौजस्यं स्त्रोतसां यत् प्रसादनम्।तत्तत् सेव्यं प्रयत्नेन प्रशमो ज्ञानमेव च।।ध्यान दीजिये, ये दो सूत्र भारत में उन 54.6 मिलियन लोगोंकोकार्डियोवैस्कुलर बीमारी में फंसने से बचा सकते थे, जो आज इस रोग से पीड़ित हैं। उपरोक्त सूत्र यह स्पष्ट करते हैं कि हृदय, उससेनिकालने वाली धमनियों,और हृदय में स्थित ओज की भली प्रकाररक्षा करनेकेलिये प्रतिबद्ध व्यक्ति को मानसिक दुखों के कारणों कोविशेष रूप से छोड़ देना चाहिये। जो हृदय के लिये हितकारी, जो ओज के लिये हितकर हो, जो स्त्रोतस को अवरुद्ध होने से बचाने वाला हो,ऐसे सब आहार–विहार के साथ–साथ शांति एवं यथार्थज्ञान का प्रयत्नपूर्वकसेवन करना चाहिये।

इनसूत्रोंके अर्थ, अर्थार्थ और व्याख्या बहुत विस्तृत है। फिर भी,पक्की तौर पर प्राणों को बढ़ाने वालों में सबसे बढ़िया एक, बल को बढ़ाने वालों में एक, शरीर का वर्धनकरने वालों में एक, समृद्धि करनेवालों में एक, मन को हर्षित करने वालों में एक और अयनों में एककारकसर्वश्रेष्ठ होता है। इनमेंप्राणियों के प्राणों को बढ़ाने वालेकारकोंमें सर्वश्रेष्ठ अहिंसा, बल को बढ़ाने वालों में वीर्य अर्थात शुक्र,शरीर का वर्धनकरने वालेकारकों में विद्या, समृद्धि करने वाले कारकों में इन्द्रियजय अर्थात इन्द्रियों को कब्जे में रखना,हर्षदेने वाले कारकों में तत्वज्ञान,औरमार्गों में ब्रम्हचर्य को आयुर्वेद के विद्वान सबसे श्रेष्ठ मानते हैं (च.सू.30.15):अथ खल्वेकं प्राणवर्धनानामुत्कृष्टतममेकं बलवर्धनानामेकं बृंहणानामेकं नन्दनानामेकं हर्षणानामेकमयनानामिति । तत्राहिंसा प्राणिनां प्राणवर्धनानामुत्कृष्टतमं, वीर्यं बलवर्धनानां, विद्या बृंहणानाम्, इन्द्रियजयो नन्दनानां, तत्त्वावबोधोहर्षणानां, ब्रह्मचर्यमयनानामिति; एवमायुर्वेदविदो मन्यन्ते।।

आश्चर्य की बात यह है कि भाषा तो भिन्न है,किन्तुइनको यदि आप एक–एक करके देखें तो आधुनिक हृदयरोग–विज्ञानियों द्वारा प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी की जो सलाहदी जाती है,उनमें और इन प्राचीन सिद्धांतों में कोई अंतर नहीं है। उदाहरण के लिये,परिहार्या विशेषेण मनसो दुःखहेतवः की सलाह से यह साफ़ हो जाता है कि मन को दुखी करने वाले तमाम कारकों से अपने आप की रक्षा करनी चाहिये। आज स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है कि निरंतर या बार–बार गुस्सा, लालच, चिंता, हबड़–दबड़, स्ट्रेस, एंग्जाइटीया इसी तरह की मानसिक समस्याओं के कारण या मानसिक दबाव के कारण हृदय रोग कीपैथोजेनेसिस हो सकतीहै।दूसरा उदाहरण हृदय को बल देने वाली औषधियों व आहार के सेवन की सलाह के सन्दर्भ में है।यहां पर बल वर्धन के सम्बन्ध में सभीछः रसों से युक्त भोजन करना बलवर्धक होता है और इस प्रकारके लोगों के बीमार होने की गुंजाइश कम होतीहै। आधुनिक विज्ञान भीयही कहता है कि आपके भोजन में कम से कम तीन या चार सर्विंग्सफलों और एक–दो मुट्ठीड्राई फ्रूट्स या सूखे मेवे होने चाहिये।सब रसों से युक्त भोजन में प्रोटीन,कार्बोहाइड्रेट्स,विटामिन्स, फैट, मिनरल्स, फाइबर्स, जल आदि सब मिल जाते हैं।

आश्चर्य की बात यह है कि प्राचीन भारत के महर्षि-वैज्ञानिक आचार्य चरक ने,महर्षि-वैज्ञानिक भगवान आत्रेय द्वारा अपने शिष्य महर्षि-वैज्ञानिक आचार्य अग्निवेश के बताये गये जिन पांचतरीकोंसेहृदय रोग सेबचने का सिद्धांत चरकसंहिता में दिया,उनमें कमसे कम 3000 साल गुजर जाने और पिछले 150 साल सेबायोमेडिकल साइंस की भारी शोध के बावजूद कोई बड़ापरिवर्तन नहीं आया (च.सू.30.13-14): तन्महत् ता महामूलास्तच्चोजः परिरक्षता।परिहार्या विशेषेण मनसो दुःखहेतवः।।हृद्यं यत् स्याद्यदौजस्यं स्त्रोतसां यत् प्रसादनम्।तत्तत् सेव्यं प्रयत्नेन प्रशमो ज्ञानमेव च।।ध्यान दीजिये, ये दो सूत्र भारत में उन 54.6 मिलियन लोगोंकोकार्डियोवैस्कुलर बीमारी में फंसने से बचा सकते थे, जो आज इस रोग से पीड़ित हैं।

बढ़ती उम्र में कौन से खाद्य पदार्थ हृदय को रोगरहित रख सकते हैं? इस सन्दर्भ में आपको अपने आयुर्वेदाचार्यों से सलाह लेना उपयोगी रहेगा। पर सामान्यतया ऐसी गायों का दूध व घी जो वनों में चराई से अपना आहार प्राप्त करती हैं, उत्तम होता है।गुड–हरीतकी या घी में भुनेहुये लहसुन का नित्य भीसेवन उपयोगी हो सकता है। बहुत अधिक दारू पीने से दिल का रोग होता है (च.सू.17.32): उष्णाम्ललवणक्षारकटुकाजीर्णभोजनैः। मद्यक्रोधातपैश्चाशु हृदि पित्तं प्रकुप्यति।।क्लिनिकल ट्रायल में पाया गया है कि मोटे लोगों में भी आँवला दिल की बीमारी का खतरा कम कर देता है।वयोवृद्ध लोगों में योग शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक स्थित में बेहतरी एवं ओज में वृद्धि करताहै। इसी प्रकार आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा पर क्लिनिकल ट्रायल के परिणाम बताते है कियहहृदय रोग को ठीक करता है और स्वस्थ व्यक्तियों को बीमार होने से बचाता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें सात रक्षा कवचों के सिद्धांत को नहीं भूलना चाहिये जो हमारे स्वास्थ्य और रुग्णता के बीच मौजूद हैं। ये सात दीवारें आहार, विहार या जीवनशैली, स्वस्थवृत्त या व्यक्तिगत स्वास्थ्य से जुड़े आचरण, सद्वृत्त या व्यक्तिगत सदाचरण, रसायन या उम्र–आधारित रोगजनन को रोकने हेतु कायाकल्प उपाय, पंचकर्म या शारीरिक विषाक्तता को बाहर करने के लिये आयुर्वेद की पांच प्रक्रियायें और औषधि या चिकित्सा हैं।

दरअसल तीन कारक हैं जो सभी बीमारियों को जन्म देते हैं–जीवन में हमारे द्वारा की जाने वाली बौद्धिक त्रुटियां, इन्द्रियों का असंतुलित उपयोग और समय का प्रभाव–ये तीनों सभी प्रकार के विकारों का कारण हैं। यदि हम त्रुटियाँ न करें, बुद्धि, इंद्रियों और समय का संतुलित उपयोग करें तो तमाम तरह की बीमारियों से बचाव संभव है। त्रिदोष (मूल सिद्धांत जो शरीर की फिजियोलोजी को सम्हालते हैं), अग्नि (चयापचय और पाचन तंत्र), धातुयें (शरीर के ऊतक), मलक्रिया (अपशिष्ट उत्पादों का उत्सर्जन) बराबर काम करते हैं, औरआत्मा, मन और इन्द्रियाँ प्रसन्न रहती हैं, तो हम मान सकते हैं कि हम स्वस्थ हैं। हृदयरोगकोरोकने के लिये उपयुक्त आहार, विहार (जीवनशैली, व्यायाम, नींद इत्यादि), सद्वृत्त (व्यक्तिगत आचरण का कोड), स्वस्थ्यवृत (व्यक्तिगत स्वास्थ्य का कोड), रसायन (वयःस्थापक और कायाकल्प), पंचकर्म (शारीरिक विषाक्तता को बाहर करने के लिये आयुर्वेद की पांच प्रक्रियायें) और औषधि (चिकित्सा) उपयोगीहैं।

आहार याभोजन और पेय पदार्थ के संबंध में एक सलाह यह है कि हमारे कुल आहार का एक तिहाई फलों के रूप में होना चाहिये। सभी फलों को भोजन के आरंभ में खाया जाना चाहिए, भोजन के तुरंत बाद नहीं। केवल एक ही प्रकार का फल भी सदैव नहीं होना चाहिये, हालांकि अनार, मुनक्का और आमला सदैव खाये जा सकते हैं। आयुर्वेदिक खाद्य पदार्थों में से कई बहुआयामी हैं: उदाहरण के लिए खजूर, अंगूर, किशमिश, बादाम, तिल, आमलकी, लहसुन, अदरक, काली मिर्च, हल्दी, केसर, जीरा, धनिया, शहद, गाय का दूध, गाय का घी, गुड़ और त्रिफला आदि। यदि इन्हें उचित तरीके से लिया जाता है, तो वे फ्री–रेडिकल्स की सफाई और ऑक्सीडेटिव–तनाव में कमी में लाने में सहायता करते हैं। ये दर्द को कम करते हैं। ये भोजन, रसायन और औषधिसब कुछ एक में हैं। ये सुपर–फ़ूड हैं तथा स्वास्थ्यकर हैं। भोजन तब ही लिया जाना चाहिये जब भूख लगी हो अर्थात जब पहले खाया हुआ खाना पूरी तरह से पच गया हो।

निद्रा अच्छे स्वास्थ्य के तीन स्तंभों में से एक है। रात के दौरान न्यूनतम 7 घंटे नींद लें। लेकिन 8 घंटे से अधिक समय तक नहीं सोना चाहिये। दिन के दौरान सोना हानिकारक है। किसी कारण से थक जाने या बीमार होने पर दिन में सोया जा सकता है।स्वस्थ आयु के लियेआयुर्वेद स्वयं की देखभाल करने हेतु दिनचर्या सुझाता है। हमें योग–आसन, प्राणायाम और ध्यान–में भी प्रतिदिन निवेश करना चाहिये। सप्ताह में कम से कम 150 मिनट व्यायाम में भी निवेश करना चाहिये। ऊतकों या धातुओं के पोषण व शक्ति के लिये पंचकर्म या शुद्धि और कायाकल्प बहुत उपयोगी है। इसी तरहरसायन भी आयुर्वेद के चमत्कार हैं जो दीर्घायु, स्मृति, बुद्धिमत्ता, बीमारी से लड़ने की क्षमता, शरीर की चमक, रंग और आवाज, शक्ति, वाणी, आदि तमाम लाभ प्रदान करते हैं। रसायन शरीर की कोशिकाएं और ऊतकों को उत्कृष्ट स्थिति में रखते हैं। रसायन आज तक ज्ञात सर्वोत्तम और सुरक्षित एंटीऑक्सीडेंट हैं।

हृदय की रक्षा कीजिये, क्योंकि प्राणों की रक्षा हृदय की रक्षा के बिनासंभव नहीं है। यहाँ तक किसी को दिल देने के लिये भीदिल का स्वस्थ होना जरूरी है। आयुर्वेद की मदद से दिल को स्वस्थ रखिये। इस पर अगले सप्ताह चर्चा को आगे बढ़ायेंगे।

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

भगवान, अल्लाह, अहुर मजदा, गॉड आदि हैं क्या?

न किसी के पास, उनके होने का कोई पुख्ता प्रमाण है और न, उनके न होने का कोई पुख्ता प्रमाण किसी के पास हैं

महावीर सिंह

भगवान को मानने वाले धर्मों में इसके अस्तित्व की कल्पना की गई है। मंदिरों, चर्चों, मस्जिदों आदि के जरिए जनता को बताया जाता कि वह है। वहां जाने वाले या वहां जाने वालों को सुनने वाले और ऐसे लोगों के परिवार वाले भी सामान्यत कोई प्रशन उठाए बिना ही उनकी बात मानते है। इस प्रकार सदियों से जन मानस में यह विचार बहुत सारी जनसंख्या मानती आई है कि हां, वह अल्लाह, गोड, भगवान आदि आदि हैं।

बस यह इतनी सी हो कहानी है इन नामों की।

आओ, ईश्वर के अस्तित्व वाली बात पर कुछ महान दार्शनिकों, वैज्ञानिकों के विचार देखें ::--

महात्मा गांधी के लिए सत्य ही भगवान है। लेकिन फिर प्रश्न उठता है सत्य सापेक्ष है या निरापेक्ष? एक सर्व स्वीकार्य सत्य क्या है, है भी या नहीं? स्वामी विवेकानंद ने व्यक्ति के अंदर की चेतना को ही गोड बताया है। प्रश्न तो फिर भी है? आदमी के अंदर की चेतना तो प्राण, श्वास पर टिकी है। श्वास है तो सोच-विचार, तर्क-वितर्क और सापेक्ष, निरपेक्ष रूप से सही या गलत या पूर्ण या अपूर्ण का निर्णय है क्या? फिर इसमें भगवान कहा, कौन? मैं तो यह समझा हूं कि विवेकानन्द का भगवान मानव सेवा है, गांधी का भगवान मनसा वाचा कर्मणा सत्य, अहिंसा, प्रेम, सहअस्तित्व है।

प्लेटो के अनुसार सर्वोच्च, परिपूर्ण अर्थात हर प्रकार से पूर्ण सत्ता ही भगवान है।

भारतीय दर्शन में ईश्वर को वैसे ही माना है जैसा जीव जगत दिखता है अर्थात हर जीव में भगवान है किंतु भगवान क्या है, इसका क्या सटीक उतर है, शायद ही कोई जाने? जैसा मैं वैसा ही भगवान, कण कण में भगवान किंतु फिर भी, क्या है भगवान???

आओ, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सामग्री के आधार पर, इस संबंध में कुछ धर्मों की मुख्य कुछ बातों पर थोड़ी चर्चा कर लें ::---

करीब 2000 साल पुराने ईसाई धर्म में गॉड एक सर्वोच्च, सर्वप्रिय, सृष्टि रचयिता व संचालक, सर्व व्यापी, सर्वज्ञ सत्ता है। यह एकेश्वर वादी धर्म है लेकिन इसमें पिता अर्थात सृष्टि रचयिता, पुत्र अर्थात यशु मसीह (गॉड का देहधारी रूप) और पवित्र आत्मा अर्थात व्यक्ति के अंदर उसका मार्ग दर्शन करने वाली शक्ति, की एक साथ, एक ही होने की कल्पना है। यीशु मसीह को मानवजाति का उद्धारकर्ता बताया है जो प्रेम, दया और पवित्रता का प्रतीक है। ईसाई धर्म का मानना है कि गॉड हर व्यक्ति के साथ व्यक्तिगत प्रेम, दया, मार्ग दर्शक के संबंध चाहता है।

अनुमानतः 4000 साल से अधिक पुराने वैदिक धर्म के वेदों, उपनिषदों आदि में अनेक बार आत्मा और परमात्मा शब्द आते है। परमात्मा के संबंध में कुछ सारांश वाक्य निम्नानुसार है::-- न तस्य प्रतिमा अस्ति अर्थात मूर्ति नहीं बनाई जा सकती, निराकार। ईश्वर एक ही है (एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति), जो निराकार, निर्विकार, और अनंत परमेश्वर (ब्रह्म) के रूप में सर्वव्यापी है। वैदिक साहित्य में एक ओर सारांश वाक्य आता है.... 'अहं ब्रह्मास्मि' अर्थात मैं जीव ब्रह्म हूं।

उपनिषदों में कहा है ब्रह्म ही एकमात्र परम सत्य है। वह आत्मा के रूप में हर जीव में निवास करता है। छान्दोग्य उपनिषद के अनुसार ब्रह्म सर्वत्र व्याप्त है (सर्वं खल्विदं ब्रह्म) अर्थात चारों ओर ईश्वर, ब्रह्म ही है। इसका साक्षात्कार मोक्ष है। ईश्वर और आत्मा ही ब्रह्म है,आत्मा ईश्वर का ही अंश है। ब्रह्म उपनिषद के अनुसार आत्मा और परमात्मा मूलतः एक ही है 'अयम आत्मा'। आत्मा अविनाशी है "न जायते म्रियते वा विपश्चित्" न जन्म लेती है, न मरती है। यजुर्वेद में ईश्वर को सर्वव्यापी बताया है 'ईशावास्यमिदं सर्वं' (यजुर्वेद 40.1) अर्थात कण-कण में ईश्वर व्याप्त है। जीव और ईश्वर का संबंध ऋग्वेद में बताया है "द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया" (ऋग्वेद) अर्थात जीव और ईश्वर दो मित्र पक्षियों की तरह एक ही वृक्ष (शरीर) पर हैं। मुण्डक उपनिषद के अनुसार आत्मा अहंकार से परे है "नायमात्मा प्रवचनेन लभ्यो" आत्मा को केवल ज्ञान से नहीं, बल्कि आत्म-साक्षात्कार से पाया जा सकता है।

यह आत्मा शब्द हिन्दू धर्म में महत्वपूर्ण अवधारणा है और इसे अमर, अजर, अविनाशी, नित्य, अच्युत, अनन्त आदि गुणों से सम्पन्न माना गया है। वेदों के अनुसार यह आत्मा, शरीर से अलग है और सब कुछ जानने और अनुभव करने की क्षमता रखती है। आत्मा जीवन के चक्र में जन्म, मृत्यु और पुनर्जन्म को पार करता है। ध्यान, तप, और साधना के माध्यम से इसको जाना जा सकता है और इनके माध्यम से मोक्ष (मुक्ति) प्राप्त किया जा सकता है। मोक्ष अर्थात आत्मा का ब्रह्म के साथ एक बन जाना।

3 से 4 हजार साल पुराने यहूदी धर्म में ईश्वर केवल एक और केवल एक है अर्थात इसाई धर्म के अनुसार पिता, पुत्र और सृष्टि कर्ता के साथ होने की कल्पना नहीं है। ईश्वर केवल व केवल एक, निराकार, अनंत और अविभाज्य, सर्व शक्तिमान, सर्व व्यापी ब्रह्मांड रचयिता है। ईश्वर का कोई रूप या अवतार नहीं है और वह समय और स्थान से परे हैं। ईश्वर को किसी मूर्ति में नहीं दर्शाया जा सकता है।

3 से 4 हजार साल पुराने पारसी धर्म (जरथुस्त्र धर्म) में भी ईश्वर की अवधारणा एकेश्वरवादी है, जिसमें अहुरा मज़्दा (Ahura Mazda) अर्थात बुद्धिमान प्रभु को सत्य, प्रकाश, न्याय और ब्रह्मांड के रचयिता और सर्वशक्तिमान, सर्वज्ञ, कल्याणकारी, बुद्धिमान और सर्वोच्च ईश्वर माना जाता है। अग्नि को अहुरा मज़्दा की ऊर्जा और प्रकाश का प्रतीक माना जाता है। अहुरा मज़्दा द्वारा स्थापित जो सत्य, धर्म और ब्रह्मांडीय व्यवस्था है उस को आशा कहा गया है। ईश्वर (अहुरा मज़्दा) के साथ साथ एक दुष्ट शक्ति, अंग्रा मैन्यु (झूठ) है, लेकिन अंततः जीत सत्य की ही होती है। नैतिकता अर्थात हुमत, हुख्त, हुवरश्त (अच्छे विचार, अच्छे शब्द, अच्छे कर्म) के माध्यम से ईश्वर की सेवा की जाती है। पारसी अग्नि को ईश्वर की पवित्रता और प्रकाश के प्रतीक के रूप में पूजते हैं। यह धर्म आशा (सत्य) के मार्ग पर चलने और द्रुज (झूठ/अंधकार) का त्याग करने पर जोर देता है।

1400 साल पुराने मुस्लिम धर्म (इस्लाम) में ईश्वर (अल्लाह) की अवधारणा पूर्णतः एकेश्वरवादी (Tawhid) है, जिसके अनुसार अल्लाह ही एकमात्र सृष्टिकर्ता, अविभाज्य,पालनकर्ता और मानने के योग्य है। वह निराकार है अर्थात अल्लाह की कोई मूर्ति नहीं बन सकती अर्थात वह किसी की भी कल्पना, तुलना से परे है, अद्वितीय, शाश्वत और सर्वशक्तिमान है, जिसके समान कोई नहीं है। इस्लाम के अनुसार, अल्लाह का न कोई पुत्र है, न पुत्री, न ही वह किसी के द्वारा जन्मा है। सर्वज्ञ और सर्वव्यापी है, वह हर चीज़ का ज्ञान रखता है। वह जन्म मरण से मुक्त अंतिम सत्ता है। पैगंबरों के माध्यम से संदेश द्वारा अल्लाह की इच्छा मनुष्य पर प्रकट होती है। कुरान के माध्यम से पैगंबर मुहम्मद (अंतिम पैगंबर) पर यह प्रकट की गई। अल्लाह के साथ किसी को शरीक (साझेदार) करना सबसे बड़ा पाप माना जाता है।

जैन और बौद्ध धर्म दोनों ही ईश्वर-केंद्रित धर्म नहीं हैं और सृष्टि के निर्माता के रूप में किसी एक ईश्वर (Creator God) को नहीं मानते। जैन धर्म आत्मा की पवित्रता (अनेक तीर्थंकर) को परमात्मा मानता है, जबकि बौद्ध धर्म कर्म और प्रज्ञा (ज्ञान) पर जोर देता है, न कि किसी सर्वोच्च शक्ति पर। बौद्ध धर्म में ईश्वर की अवधारणा अनीश्वरवादी है। बौद्ध धर्म ने ईश्वर के अस्तित्व को न तो पूरी तरह नकारा है, न ही स्वीकार किया है; यह इसे अप्रासंगिक मानता है। बुद्ध ने स्वयं को ईश्वर नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक बताया। वे 'अप्प दीपो भव' (अपने दीपक स्वयं बनो) की शिक्षा देते हैं। मोक्ष (निर्वाण) किसी ईश्वर की कृपा से नहीं, बल्कि कर्मों और अष्टांगिक मार्ग का पालन करके ही प्राप्त हो सकता है।

चलिए, अब आते हैं सबसे पहले वाले प्रश्न पर कि भगवान या जिस भी नाम से पुकारें वह है या नहीं और है तो कैसा है, कहां है???

ऊपर दुनिया में सर्वाधिक प्रचलित धर्मों की संक्षिप्त मोटी-मोटी बातें हमने देखी। क्या आप को स्पष्ट हुआ कि भगवान से संबंधित प्रश्न का उतर उनमें है कि वह है या नहीं?? मुझे तो सटीक, सही उतर नहीं मिला, आपकी आप जानें। किंतु फिर भी यदि वह है तो सभी धर्मों से विचार, आवाज यही निकलती है कि:::::----

वह ऐसा है–

1. जिसकी मूर्ति नहीं बनाई जा सकती, किसी एक जगह में प्रतिष्ठित नहीं किया है जा सकता

2. यदि है तो, वह केवल अकेला है, सर्वशक्तिमान है, सब जगह है व्याप्त है, सर्वद्रष्टा, सर्वज्ञ, सर्वप्रेमी, दयालु है

3. यदि है तो फिर, उसने ही समस्त जीव- निर्जीव जगत, सृष्टि बनाई है। वही इसे चला रहा है और वही विनाश करने वाला, पुनर्निर्माण करने वाला है और फिर से चलाने वाला नियंत्रक है।

4. शायद ही कभी किसी जीवित प्राणी ने यह कहा हो कि उसने अल्लाह, गोड, ईश्वर आदि को अपने नेत्रों से देखा है। अधिक से अधिक यह कहा जाएगा कि यह समझने, महसूस करने की बात है, आस्था की बात है। तप, तपस्या, लग्न से लगे रहो कभी न कभी जरूर ईश्वर दर्शन देंगे। कब?? जब उनकी इच्छा होगी, आप की भक्ति से संतुष्ट हो जाएंगे तब,बस आप तो लगे रहो!!!! इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में ऐसा होगा, बिना प्रश्न पूछे लगे रहो!!!!! है कोई तार्किक निचोड़, किसी के भी पास, ऐसी बातों का?????

सभी धर्मों में सत्य, प्रेम, दया, क्षमा की बात समान रूप से कही गई है।

फिर भी, यह भी वास्तविकता है कि आदिकाल से मनुष्य के सामने अनेक समस्याएं आती रही है। उनमें प्रमुख रही है स्वयं की, परिवार की, कबीलों की सुरक्षा, भोजन, रोग-व्याधियां। प्राचीन कल से ही, मनुष्य प्रकृति के रहस्यों पर भी कुछ न कुछ सोचता आया है। इसी कड़ी में जब जब जो जो उसे समझ में नहीं आया उसने उसे किसी ऐसी अदृश्य अथवा काल्पनिक शक्ति का काम मानना आसान लगा जो सर्वशक्तिमान हो। अपने दुख, दर्द, अभाव, व्याधियों जिनका वह समाधान नहीं कर पाया, उसने किसी अदृश्य शक्ति की कल्पना कर सहायता मांगी। यही विभिन्न प्रकारों से मूर्ति पूजा का प्रारंभ और चलन है। ज्ञात इतिहास में यह रोम, ग्रीस, मिश्र, मध्य एशिया, भारत, चीन, दक्षिणपूर्व एशिया के सभी देशों में प्रचलित रही है और अब भी है। मनुष्य की व्याधियां खत्म नहीं होगी और कल्पनाओं के आधार पर विभिन्न आकृतियां बनाकर उनसे सहायता मांगने का यह काम चलता रहेगा अर्थात एकेशवरवाद व मूर्तियों की उपासना के बीच यह द्वंद्व भी चलता रहेगा।

बीच बीच में, सभी धर्मों में, मूल धार्मिक किताबों (बाइबल, कुरान, वेद आदि) से हट कर जो कुरीतिया, अंधविश्वास, पूजा पाठ के नाम पर पाखंड आ गए उनके विरुद्ध सुधार की आवाज उठाने वाले भी आते रहें है। लिखित धर्मों की किताबों में लिखी बातों की नई व्याख्याएं भी देते रहेंगे। वैदिक धर्मों में सुधार के लिए विवेकानंद, महर्षि दयानंद, ईश्वर चंद्र विद्या सागर, ज्योतिबा फुले, कबीर, नानक आदि अनेकानेक महामानवों ने प्रयास किए। ऐसे प्रयासों से ही सती प्रथा समाप्त हुई, विधवा विवाह की मान्यता मिली, स्त्री शिक्षा का प्रचलन बढ़ा, छुआछूत कम हुई।

इसाई धर्म में भी कैथोलिक चर्च में व्याप्त पाखंड, भ्रष्टाचार जैसे पाप विमोचन पत्रों की बिक्री के खिलाफ आवाज उठी, बाइबल का अनेक भाषाओं में मुद्रण हुआ। इनमें जर्मनी के मार्टिन लूथर, फ्रांस के कैल्विन, जॉन नोक्स आदि प्रमुख नाम है। यहूदी धर्म में भी पुरातन परम्पराओं व आधुनिक आवश्यकताओं के बीच तालमेल बैठने के लिए बहुत लोगों ने प्रयास किए। इनमें जर्मनी के अब्राहम जिगर, अमरीका के इशहाक मेयर वाईज, डेविड आइन हारन के प्रमुख नाम है। इनके प्रयास महिला, पुरुष समानता, पारंपरिक कानूनों में बदलाव, उनकी व्याख्याओं में तर्कसंगतता लाने की दिशा में थे।

इस्लाम धर्म में भी बालिका, स्त्री शिक्षा, पारंपरिक धार्मिक शिक्षा के साथ आधुनिक शिक्षा, तलक जैसे कानूनों में सुधार के लिए आवाजें उठी। तुर्क के कमाल अता तुर्क, भारत के सर सैयद अहमद खान के नाम प्रमुख है। इंडोनेशिया जैसे प्रमुख इस्लामिक जनसंख्या वाले देश में इन दिशाओं में खूब काम हुआ है। इस्लामिक सुधारों में दो धाराएं समानांतर रही है। एक आधुनिक ढंग से तर्कसंगत सुधारों की सोच वाली और दूसरी कट्टरता पर आधारित व्याख्याओं वाली।

यह भी सही है कि कुछ धर्मों में नई समालोचनात्मक व्याख्याओं, सामाजिक, राजनीतिक सुधारों की गति काफी धीमी है। चहुं ओर उभरता कट्टरवाद एक प्रमुख समस्या है। लेकिन सुधार तो समाज को सहज स्वीकार्य हो तभी चल पाते है। हिंदू समाज में बालविवाह के विरुद्ध कानून 1925 में बना किंतु यह अभी भी होते है।

धर्म कहते है प्रश्न नहीं आस्था रखो किंतु प्रश्न नहीं होते तो गैलीलियो बाइबल से भिन्न नहीं सोचते, आइंस्टीन न्यूटन के सिद्धांतों के आगे सोचते ही नहीं।

समय समय पर, गैलीलियो, आर्यभट्ट, वराहमिहिर, ब्रह्म गुप्त, न्यूटन, आइंस्टीन, सी वी रमन, मार्टिन लूथर किंग, गांधी, विवेकानंद, कबीर आदि जैसे महामानव आते रहेंगे जो पुरातन विचारों, परम्पराओं, आस्थाओं से कुछ हट कर, प्रश्न करेंगे और मानव समाज को नई, तार्किक, वैज्ञानिक दिशाएं देते रहेंगे।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

ग्रामीण विकास की नई मिसाल

संतोष कुमावत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब, श्रमिक और जरूरतमंद वर्ग को राहत देने के लिए लगातार जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कर रही है। इसी दिशा में श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना (ग्रामीण) एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभरी है, जो सस्ती दर पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती दर पर पौष्टिक भोजन- 6 जनवरी 2024 से संचालित इस योजना के तहत प्रदेश के ग्रामीण कस्बों में स्थानीय स्वाद के अनुसार पौष्टिक एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए राहत लेकर आई है, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण भोजन प्राप्त नहीं कर पाते।

महिला सशक्तीकरण के साथ रोजगार के अवसर- राज्य सरकार ने इस योजना का संचालन राजस्थान ग्रामीण आजीविका परिषद (राजीविका) के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों को सौंपा है। इससे न केवल ग्रामीण महिलाओं को रोजगार मिला है, बल्कि वे आत्मनिर्भर भी बन रही हैं। यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी एक मजबूत कदम है।

प्रतिदिन हजारों लोगों को लाभ- वर्तमान में प्रदेश के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में 810 रसोइयों के माध्यम से योजना का सफल संचालन किया जा रहा है। योजना के तहत एक थाली में चपाती, दाल, सब्जी, चावल/मिलेट्स (श्री अन्न), खिचड़ी एवं अचार शामिल हैं, जिसका कुल वजन लगभग 600 ग्राम निर्धारित किया गया है।

इस योजना में लाभार्थी से मात्र 8 रुपये प्रति थाली लिए जाते हैं, जबकि राज्य सरकार प्रति थाली 22 रुपये का अनुदान प्रदान करती है। इस प्रकार बेहद कम कीमत पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता है।

भजन लाल सरकार द्वारा योजना के सुचारू संचालन के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं। अनियमितता पाई जाने वाली रसोइयों को बंद कर नए संचालकों को जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। साथ ही अधिकारियों को नियमित निरीक्षण और भोजन की गुणवत्ता की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि लाभार्थियों को बेहतर सेवा मिल सके।

करोड़ों थालियों का वितरण- योजना की सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2023-24 में लगभग 1 करोड़ 68 लाख थालियां परोसी गईं।

वर्ष 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 2 करोड़ 60 लाख तक पहुंच गई। वहीं 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक 2 करोड़ 40 लाख से अधिक थालियां परोसी जा चुकी हैं। इस प्रकार श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना (ग्रामीण) भजन लाल सरकार की गरीब कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण है। यह योजना न केवल भूख मिटाने का कार्य कर रही है, बल्कि रोजगार सृजन, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा को भी मजबूती दे रही है। आने वाले समय में यह योजना ग्रामीण विकास की दिशा में और अधिक प्रभावी साबित होगी।

–संतोष कुमावत, सहायक निदेशक, डीआईपीआर

राशिफल रविवार 19 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, भरणी नक्षत्र प्रातः 7:10 तक, आयुष्मान योग रात्रि 8:02 तक, कौलव करण दिन 10:50 तक, चन्द्रमा आज दिन 21:31 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह आज राजयोग सूर्योदय से प्रातः 7:10 तक है। त्रिपुष्कर योग प्रातः 7:10 से दिन 12:50 तक है। आज शुक्र वृष में दिन 3:47 पर प्रवेश करेगा। आज श्री शिवाजी जयन्ती, परशुराम जयन्ती, अक्षया तृतीया, आखातीज, त्रेता युगादि, कल्पादि है। आज वर्षीतप (जैन) समापन होगा। आज से जिल्काद मु. मास आरम्भ होगा। श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:34 से 9:15 तक, लाभ-अमृत 9:15 से 12:26 तक, शुभ 2:02 से 3:37 तक। राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:49

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है।

मिथुन
अपने आर्थिक मामलों को दिन के मध्यान्ह पूर्व करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। धन हानि का भय बना रहेगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आय में वृद्धि होगी।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

तुला
परिवार में अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृश्चिक
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

फोन:-4103333, 2362400 फैक्स:-0141-2373513 वर्ष: 76 संख्या: 255 प्रभात जयपुर, रविवार 19 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

She Stuck It Out And Bore The Kings Of England

John set her up with income, estates, a comfortable life. But she wasn't his wife, she was his mistress. Openly. Everyone knew. And everyone was scandalized

Kedali Transformed Idli

India Braces for Intense Heatwave

'प्र.मंत्री मोदी ने "राष्ट्र के नाम संदेश" प्रसारित करने की परम्परा का दुरुपयोग किया'

विपक्ष का आरोप है कि प्र.मंत्री मोदी ने इस प्रसारण की सुविधा का बहाना पकड़कर एक पूर्णतया राजनीतिक भाषण दिया और विपक्ष को, विशेषकर कांग्रेस को बुरी तरह कोसा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। दो महत्वपूर्ण राज्य विधानसभाओं के चुनावों की पूर्व संध्या पर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लोगों से सीधे बात करने और अपने राजनीतिक विरोधियों पर हमला करने का अवसर मिला, जिन्होंने बिल को असफल कर दिया।

- **विपक्ष के अनुसार, प्र.मंत्री ने राष्ट्र के नाम संदेश, सरकारी खर्च से प्र.मंत्री मोदी का पूरा भाषण देश भर में प्रसारित किया, यह चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है और अगर प्र.मंत्री को पूरे देश को संबोधित करने का मौका दिया गया है तो यह मौका विपक्ष को भी मिलना चाहिए, मोदी जी द्वारा लगाए गये आरोपों का जवाब देने के लिए।**
- **विपक्ष के आरोपों के अनुसार, प्र.मंत्री मोदी का पूरा भाषण राजनीतिक था तथा उन्होंने सरकार खर्च से प.बंगाल व तमिलनाडु की जनता को संबोधित किया। पर क्या ऐसा मौका विपक्ष को भी दिया जाएगा।**

यह भाषण प्रधानमंत्री पद की गरिमा के अनुकूल बिल्कुल नहीं था। इसमें मॉडल आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए विपक्षी पार्टियों पर हमला किया गया।

राष्ट्र के नाम संबोधन आमतौर पर गंभीर मामलों के लिए आरक्षित होता है, जैसे युद्ध, कोई आपात स्थिति, बड़े नीतिगत फैसले आदि। शायद यह पहला अवसर है, जब इसका इस्तेमाल विपक्षी दलों पर व्यक्तिगत हमले करने के लिए किया गया।

इस प्रकार, वे हमारी सबसे खराब अपेक्षाओं को पूरा कर रहे हैं!! उन्होंने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के लिए चुनावी प्रचार भाषण दिया, और एयर-वेव्स (प्रसारण) का दुरुपयोग किया। सभी सभ्य समाजों में एयर-वेव्स के निष्पक्ष आवंटन के नियम होते हैं, ताकि सभी राजनीतिक विचारों को बराबर समय मिले। इस मामले में प्रधानमंत्री को भी विशेषाधिकार प्राप्त नहीं होता। यदि वे विपक्षी पार्टियों पर हमला करने के लिए एयर-वेव्स का उपयोग करते हैं, तो विपक्ष को भी ठीक उसी समय अवसर मिलना चाहिए, ताकि वे जवाब दे सकें।

प्रधानमंत्री का संबोधन महिला आरक्षण बिल से संबंधित था, लेकिन परिसीमन और लोकतंत्र को दरकिनार करने और संघीय ढांचे पर हमला करने के उनके प्रयास का उसमें कोई उल्लेख नहीं था।

यह प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन नहीं था, बल्कि एक राजनीतिक नेता का राजनीतिक भाषण था, जिसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोकसभा का सातवां सत्र समाप्त

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने शनिवार को अठारहवीं लोकसभा के सातवें सत्र का समापन करते हुए बताया कि सत्र की उत्पादकता लगभग 93 प्रतिशत रही।

उन्होंने कहा कि 31 बैठकें हुईं, जिनका कुल समय 151 घंटे 42 मिनट था। केन्द्रीय बजट पर सामान्य चर्चा लगभग 13 घंटे चली, जिसमें 63 सांसदों ने भाग लिया।

संविधान (131वाँ संशोधन) बिल, केन्द्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल और परिसीमन बिल

- **लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने बताया कि इस सत्र की प्रोडक्टिविटी 93 प्रतिशत रही।**

पर 16 अप्रैल से आहूत विशेष सत्र में 21 घंटे 27 मिनट तक चर्चा हुई, जिसमें 131 सांसदों ने भाग लिया। बिड़ला ने कहा कि संविधान संशोधन बिल पारित नहीं हो सका।

सत्र के दौरान 12 सरकारी बिल पेश किए गए और 9 बिल पारित हुए, जबकि कुल 326 सार्वजनिक महत्व के मुद्दे उठाए गए।

बिड़ला ने जानकारी दी कि भारत की राष्ट्रपति ने 28 जनवरी, 2026 को दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान में भी नेतृत्व में "पावर स्ट्रगल" (सत्ता के संघर्ष) साफ दिखने लगा है!

एक तरफ हैं, विदेश मंत्री अब्बास अराघची व राष्ट्रपति पेजेश्कियन, जो व्यवहारिक नर्म रुख के हिमायती हैं, दूसरी ओर हैं कट्टरपंथी, जो सुप्रीम कमांडर मोजतबा खामनेई और संसद के स्पीकर के समर्थक हैं, जिन्हें इरानियन रिवोल्यूशनरी गार्डस कोर की पूरी बैकिंग भी प्राप्त है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। ईरान में कड़ा रुख अपनाने वालों और अधिक सूक्ष्म वार्ता रणनीति व संभावित सामान्यीकरण के पक्षधर नेताओं के बीच विभाजन है। ईरान की राज्य संरचना के विभिन्न स्तरों पर नेताओं के अलग-अलग रुख हैं। विदेश मंत्री अब्बास अराघची और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेस्कियन नरम रुख के पक्षधर माने जाते हैं।

दूसरी ओर है, सर्वोच्च नेता मोज़तबा खामनेई जो अभी अनुपस्थित हैं, और संसद के अध्यक्ष के समर्थक हैं, जो कट्टरपंथी हैं, संसद के स्पीकर ने पहले युद्धविराम वार्ता का नेतृत्व किया था। उन्हें ईरानी क्रांतिकारी गाड्र्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) का समर्थन प्राप्त है, जिसका आंतरिक सुरक्षा पर कड़ा नियंत्रण है।

- **इस "पावर स्ट्रगल" के कारण ही एक बार तो घोषणा हुई की स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ सभी जहाजों के आवागमन के लिए खोल दी गई है। पर, शाम तक दूसरी घोषणा आई की स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को पुनः आवागमन के लिए बंद कर दिया गया है, अमेरिका के ब्लॉकेड के कारण।**
- **यह स्थिति और जटिल हो गई क्योंकि ट्रंप भी अपनी किसी बात पर दृढ़ता से नहीं टिकते।**
- **इसके अलावा ईरान में जमीनी संगठन की इकाइयों को अपने स्तर पर काफी निर्णय लेने की स्वतंत्रता है।**
- **इसीलिए भारत के जहाज, जो तेल लेकर भारत आ रहे थे, पर, फायरिंग हुई और उन्हें बीच रास्ते में अपने जहाजों को रोक कर पीछे लौटने को मजबूर किया गया। ऐसा तो कभी नहीं हुआ था, तब भी नहीं जबकि ईरान व अमेरिका के बीच लड़ाई चरम पर थी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'करौली जिला क्रिकेट संघ के चुनाव को लेकर खेल सचिव का फैसला तर्कसंगत नहीं'

हाईकोर्ट ने आदेश दिए हैं कि खेल सचिव 60 दिन के भीतर पुनः सुनवाई करके न्यायसंगत फैसला सुनाएं

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 18 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट में करौली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के अवैध और असंवैधानिक तरीके से चुनाव आयोजित कराए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई हुई। न्यायधीश समीर जैन ने आदेश पारित किया है कि इस मामले में युवा मामलात और खेल विभाग के सचिव द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश तर्कसंगत नहीं हैं। उन्होंने सचिव को पुनः सभी संबंधित पार्टी/क्रिकेट एसोसिएशंस की ओर से चुनाव आयोजित करने से संबंधित शिकायतों और आपत्तियों की सुनवाई करते हुए 60 दिन के भीतर नए आदेश पारित करने को कहा है। इस मामले में याचिकाकर्ता करौली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ता

- **याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में कहा गया कि, एडहॉक कमेटी ने चुनाव के नोटिस अवैध तरीके से जारी किए थे, क्योंकि उस समय खेल सचिव के समक्ष अपील दायर की हुई थी।**
- **परंतु तत्कालीन खेल सचिव ने करौली जिला क्रिकेट संघ के सदस्यों के पक्ष को भी सुनना उचित नहीं समझा। बाद में खेल सचिव के फैसले पर 11 जून 2025 को हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगाई थी।**

एस.एस.होरा और उनके सहायक अधिवक्ता अर्पित गुप्ता पैरवी के लिए पेश हुए थे।

यह मामला करौली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव आयोजित करने से संबंधित है। एसोसिएशन को 22 मई 2025 को एडहॉक कमेटी द्वारा चुनाव आयोजित करने के लिए नोटिस जारी किया गया था। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह नोटिस गैरकानूनी इसलिए है, क्योंकि राजस्थान स्पोर्ट्स एक्ट 2005 के तहत एसोसिएशन की कार्यकारिणी के चुनाव से सम्बंधित अपील युवा मामलात और खेल विभाग के सचिव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई भर्ती 21 के चयनित अभ्यार्थी सुप्रीम कोर्ट पहुँचे

जयपुर, 18 अप्रैल। हाईकोर्ट की खंडपीठ के 859 पदों की एसआई भर्ती: 2021 को रद्द करने के 4 अप्रैल 2026 के फैसले के खिलाफ चयनित एसआई अजीत सिंह राजपूत व अन्य ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर कर दी है। एसएलपी में चयनित एसआई ने

- **उन्होंने हाई कोर्ट की खंडपीठ के फैसले को निरस्त करने का आग्रह किया।**

एसआई भर्ती: 2021 को बरकरार रखते हुए खंडपीठ के आदेश को निरस्त करने का आग्रह किया है। चयनित एसआई का कहना है कि पूरी भर्ती को ही रद्द करना गलत है और जिन अभ्यर्थियों का चयन वैध तरीके से हुआ है, उन्हें नौकरी में बरकरार रखा जाए। लेकिन जिन्होंने नकल और पेपरलीक के जरिए गड़बड़ी से परीक्षा पास की है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। ऐसे में कुछ लोगों की गलती की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डीएमके ने अपने सांसद से राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल पेश करवाया

महिला आरक्षण बिल रोकने के लिए विपक्ष को दोषी ठहराने की कोशिश का जवाब देने के लिए डीएमके ने यह पहल की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। जहाँ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में यह रेखांकित करने की कोशिश की कि विपक्षी पार्टियों ने महिला आरक्षण को रोक रखा है, वहीं द्रमुक ने सरकार की इस नैरेटिव का मुकाबला करने की पहल की है।

भाजपा नेतृत्व वाली संविधान के 131वें संशोधन बिल के संसद परीक्षण में विफल होने के कुछ समय बाद, द्रमुक के सांसद विल्सन ने राज्यसभा में एक निजी सदस्य बिल पेश किया, जिसमें प्रस्ताव किया गया कि लोकसभा की वर्तमान 543 सीटों के आधार पर अगले चुनाव से महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाए, बिना किसी सीट वृद्धि, परिसीमन या नए या पुराने जनगणना डेटा के।

- **डीएमके सांसद विल्सन ने राज्यसभा में एक प्राइवेट मैम्बर बिल पेश किया और अगले आम चुनाव में सीटों की संख्या में वृद्धि किए बिना महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव रखा। यह विधेयक महिला आरक्षण पर विपक्षी पार्टियों की स्थिति को सामने लाने वाला पहला विधायी कदम है। हालांकि, सत्रावसान के कारण इस पर चर्चा नहीं हो पाई।**
- **यह विधेयक संविधान संशोधन का प्रस्ताव करता है तथा सरकार के 2023 के नारी शक्ति वंदन विधेयक के विपरीत इसमें महिला आरक्षण पर 15 साल की सीमा का प्रावधान भी नहीं है।**
- **विपक्षी दलों, खासकर डीएमके का तर्क है कि परिसीमन राजनैतिक मानचित्र को बदल देगा और इससे दक्षिणी राज्य नुकसान में रहेंगे।**

विपक्ष के नेताओं ने जोर दिया कि वे महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं थे, बल्कि सरकार की जल्दबाजी में परिसीमन के सवाल को जोड़कर पुराने 2011 के जनगणना डेटा के आधार पर बिल पास कराने की चाल के खिलाफ थे, बिना सीटों के क्षेत्रीय वितरण, जातियों और उपजातियों के बड़े सवालों को हल किए।

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कल कहा कि यदि सरकार इसे बिना परिसीमन लिंक के वापस लाती है, तो विपक्ष 2023 के मूल महिला आरक्षण बिल का 100 प्रतिशत समर्थन करेगा।

द्रमुक सांसद द्वारा पेश किया गया यह बिल विपक्षी पार्टियों की इस सूक्ष्म स्थिति को सामने लाने वाला पहला विधायी कदम है। द्रमुक का बिल संविधान में संशोधन का प्रस्ताव करता है ताकि 2023 का महिला आरक्षण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कैसे कराई जा रही है निर्धारित क्षेत्र के बाहर हाथी की सवारी'

जयपुर, 18 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने आमेर इलाके में अवैध रूप से हाथी सवारी के मामले में प्रमुख पुरातत्व सचिव, निदेशक, पर्यटन निदेशक, उप निदेशक पर्यटन और उप वन अधिकारी सहित, निजी पक्षकारों

- **हाई कोर्ट ने पुरातत्व, पर्यटन तथा वन विभाग से जवाब माँगा।**

को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश हाथी गांव विकास समिति की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में कहा गया कि हाथी गांव में वन मंत्रालय के निर्देश पर आश्रय स्थल बनाए गए हैं। आरंभ में यहां करीब सौ हाथी रखे गए थे। वहीं बाद में समय के साथ महावतों की संख्या बढ़ने से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बी-टू-बाईपास पर बसी श्रीराम कॉलोनी और 2200 करोड़ रु. की 42 बीघा जमीन का विवाद पुनः गर्माया

हाऊसिंग बोर्ड के पक्ष में हाईकोर्ट की एकलपीठ के फैसले के विरोध में श्रीराम कॉलोनी बी-विकास समिति ने खंडपीठ में अपील दायर की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 18 अप्रैल। राजधानी जयपुर में बी-टू- बाइपास से द्रव्यवती नदी तक 2200 करोड़ रुपए की बेशकीमती 42 बीघा जमीन का विवाद गर्माता जा रहा है। इस प्रकरण की सुनवाई अब कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा तथा जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ के समक्ष सोमवार को होगी। शनिवार को हुई सुनवाई में हाऊसिंग बोर्ड ने भी अदालत को आश्वस्त किया है कि, खंडपीठ के समक्ष सोमवार को सुनवाई होने तक उनकी ओर से पज़ेशन लेने की कार्रवाई नहीं की जाएगी।

ज्ञात रहे कि बी-टू-बाईपास रोड पर बसी श्रीराम कॉलोनी को जेडीए द्वारा 29 मई 1995 को दी गई योजना स्वीकृति और उसके बाद के आदेशों को अवैध मानते हुए राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ में जस्टिस गणेशराम मीणा ने गत 10 अप्रैल को राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड के पक्ष में फैसला सुनाया था। उन्होंने 31 जुलाई 1981 का समझौता विक्रय भी अवैध मानते हुए शून्य घोषित कर दिया था। इस आदेश के बाद गत 16 अप्रैल को राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड ने करीब 2200 करोड़ रुपए की इस बेशकीमती जमीन का कब्जा लेने के लिए तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू की थी।

शुक्रवार को इस प्रकरण में श्रीराम कॉलोनी-बी विकास समिति की ओर से दायर अपील पर न्यायाधीश इंद्रजीत सिंह और अशोक कुमार जैन की

- **हाईकोर्ट के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ में सोमवार को इस प्रकरण में सुनवाई होगी।**
- **आवासन मंडल ने भी आश्वस्त किया है कि, सोमवार को खंडपीठ में सुनवाई होने तक उनकी ओर से पज़ेशन लेने की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।**
- **गौरतलब है कि हाईकोर्ट में जस्टिस गणेशराम मीणा की एकलपीठ ने गत 10 अप्रैल को हाऊसिंग बोर्ड के पक्ष में फैसला सुनाते हुए जेडीए की ओर से 29 मई, 1995 को दी गई योजना स्वीकृति और उसके बाद के आदेशों को अवैध माना था। अदालत ने टिप्पणी की थी कि धोखाधड़ी से प्राप्त कोई भी आदेश अंतिम हो तो भी वह अवैध ही होता है।**

खंडपीठ ने सुनवाई की। श्रीराम कॉलोनी विकास समिति की ओर से अधिवक्ता आशीष शर्मा ने राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ के फैसले तथा इसके बाद राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड द्वारा की जा रही तोड़फोड़ की कार्रवाई का विरोध जताया। अब इस प्रकरण की सुनवाई अब कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा तथा जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ में सोमवार को होगी।

दूसरी ओर राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड की ओर से भी अदालत को आश्वस्त किया गया है कि जब तक कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और शुभा मेहता की खंडपीठ के समक्ष सोमवार को इस मामले की सुनवाई नहीं हो जाती, तब तक मौके पर पजेशन लेने की कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी।

गौरतलब है कि, राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड की ओर से दायर याचिकाओं पर राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस गणेशराम मीणा की एकलपीठ ने 10 अप्रैल को सुनवाई की थी। अदालत ने विवादित करीब 42 बीघा जमीन से जुडे मामले में जेडीए की ओर से 29 मई, 1995 को दी गई योजना स्वीकृति और उसके बाद के आदेशों को अवैध माना है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि, धोखाधड़ी से प्राप्त कोई भी आदेश अंतिम हो तो भी वह अवैध ही होता है। अदालत ने माना कि 12 फरवरी, 2002 को एकलपीठ से गलत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों का डीए 2 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। केन्द्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों के महंगाई राहत (डीआर) में 02 प्रतिशत की बढ़ोतरी को शनिवार को मंजूरी दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में इस

- **केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने इस बढ़ोतरी को मंजूरी दी।**

आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सरकार ने महंगाई के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए डीए और डीआर की अतिरिक्त किस्त जारी करने की मंजूरी दी है। इसमें मूल वेतन और पेंशन की मौजूदा दर 58

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

संक्षिप्त

सिमरन सारण का आरएएस में चयन

सांभरझील। होनहार बिरवान के होत चिकने पात। यानी जिसमें आगे चलकर महान बनने की क्षमता होती है, उसके गुण बचपन से ही दिखाई देने लग जाते हैं जिस प्रकार अच्छे पेड़ के पत्ते शुरू से ही चिकने और सुंदर होते हैं। इसी को सिद्ध कर दिखाया विधानसभा क्षेत्र फुलेरा के गांव खेड़ीराम की रहने वाली किसान परिवार की बेटी सिमरन सारण ने घर में रहकर रोजाना 15 घंटे लगातार तैयारी के बाद प्रथम प्रयास में ही राजस्थान प्रशासनिक सेवा में सफलता हासिल कर गांव का नाम ही नहीं बल्कि संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र को भी गोरवान्वित किया है। राजस्थान प्रशासनिक सेवा के एग्जाम में पहले प्रयास में ही उसने सफलता हासिल कर दिखा दिया कि यदि सच्ची लगन हो तो फिर मंजिल दूर नहीं होती है। उसके पिता पोखरमल सारण व्यवसाय करते हैं और माता ग्रहणी है। चाचा रामजीलाल बताते हैं कि सिमरन को गाने सुनने व डांस करने का भी शौक है। सिमरन बताती है कि संगीत सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है, नृत्य और योग आपको शारीरिक दृष्टि से फिट रखता है। फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक विद्याधर सिंह चौधरी ने भी बेटी की सफलता पर बधाई देते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी कर उसको शुभकामनाएं दी।

प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

बौंली -बामनवास। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बड़ागांव सरवर मे 12वीं 10वीं आठवी एवं पांचवी कक्षा में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करनेवाले छात्र-छात्राओं को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया। भामाशाह सुवालाल मीणा एवं डॉक्टर सुरेश कुमार मीणा द्वारा खुशबू बैरवा, सानिया बानो, विकास वर्मा, ज्योति यादव, प्रिया वैष्णव, चायना मीणा एवं कमल गुर्जर को माल्यार्पण कर प्रशस्ति पत्र स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह मे प्रधानाचार्य गणेशमीणा एवं भामाशाहों ने छात्र-छात्राओं को शिक्षा के महत्व केबारे में बताया। सम्मान समारोह में विद्यालय में पढ़ी बालिका सुश्री प्रियंका मीणा को अंग्रेजी प्राध्यापक के रूप में चयनित होने पर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में विद्यालय के हेमराज दीक्षित, गीता पाटीदार सहित अन्य स्टाफ एवं गणमान्य,सजय यादव, जुगलकशोर मीणा और अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

अवैध बजरी से भरा कैंटर जब्त

निवाई। दतवास पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन पर कार्रवाई करते हुए एक कैंटर जब्त करके चालक को गिरफ्तार किया है। दतवास थानाधिकारी हीरालाल वर्मा ने बताया कि पुलिस ने अवैध खनन व भंडारण के खिलाफ जारी संयुक्त अभियान के तहत गश्त के दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए तंवरों की ढाणी के पास तन दहलोद से अवैध बजरी से भरे एक कैंटर को जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

अक्षय तृतीया महोत्सव आज

निवाई। नाटेश्वर नगरी नटवाड़ा श्री बद्री नाथ धाम में श्री बद्री नाथ धाम प्रबंध एवं विकास समिति (ट्रस्ट) द्वारा रविवार को अक्षय तृतीया महोत्सव 2026 का आयोजन किया जाएगा। जिसको लेकर दिव्यता एवं श्रद्धा के साथ व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

खोया पाया

मै निखिल कुमार गोयल निवासी जयपुर 4/4/2026 को स्कूटी से मकान नंबर 63/15 सेक्टर 06 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर के नाम ट्रांसफर के लिए पुराने मूल कागजात लेकर गया था, मूल कागजात गिर गए ।किसी को मिले तो मोबाइल 9829052736 पर सूचित करें

मेरे मकान संख्या 84/77 मानसरोवर, जयपुर के मूल कब्जा देने के संबंध में क्रमांक नं.- 1422 दिनांक 15/12/1994 कही खो गया है। मिलने पर सूचित करें - सुप्रिया सिंह- 9950311114

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कलेक्टर ने सफाई व पेयजल को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिये

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने शनिवार को अलवर शहर में स्वच्छता से जुड़े कार्यों का सघन मोका देख निरीक्षण किया। जिले के उमरैण क्षेत्र में दौरा कर जल जीवन मिशन के कार्यों का जायजा लेकर मौके पर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये है।

जिला कलेक्टर ने अलवर शहर में रूपबास स्थित जगन्नाथ मंदिर के पास बने शौचालय का निरीक्षण कर नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि स्वच्छता सर्वेक्षण के मापदण्डों के अनुरूप शहर के सभी शौचालयों की साफ-सफाई व रख-रखाव किया जाना सुनिश्चित करावे। इसके पश्चात उन्होंने भवानी तोप सर्किल, ईटाराणा चौराहा, हनुमान चौराहा, अग्रसेन चौराहा से भगतसिंह चौराहा होते हुए परशुराम चौराहे से अखैपुरा के सरकारी स्कूल

जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला ने अलवर शहर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर मौके पर अधिकारी को निर्देशित किया।

तक साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लेकर नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया कि जिन खाली भूखण्डों में कचरा है उनके मालिकों पर शास्ति लगाने की कार्रवाई करें।

इसी प्रकार जिन दुकानों के सामने कचरा फैला हुआ मिले उनके उपर पर शास्ति लगाए। उन्होंने निर्देश दिये कि एनकेप फण्ड से कराए जा रहे रोड सोल्डरिंग कार्य व पौधारोपण के कार्य गुणवत्ता के साथ करावे। उन्होंने अखैपुरा मौहल्ले में सरकारी विद्यालय

■ **अलवर शहर में कलेक्टर ने देखी सफाई व्यवस्था और उमरैण व भूगोर में पेयजल योजना का निरीक्षण किया**

के खाली भवन का निरीक्षण कर नगर निगम आयुक्त को भवन की मरम्मत कराने एवं जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक को भवन का उपयोग स्किल डवलपमेंट ट्रेनिंग के कार्यों आदि में करने के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये।

जिला कलेक्टर ने उमरैण में जल जीवन मिशन के तहत कराए गए उच्च जलाशय एवं स्वच्छ जलाशय का निरीक्षण कर पेयजल सप्लाई व्यवस्था का अवलोकन किया। जहां पेयजल सप्लाई सुचारू रूप से मिली। इसके पश्चात उन्होंने भूगोर में जल जीवन मिशन के तहत कराए जा रहे उच्च जलाशय कार्य एवं प्रगतिरत पाइपलाइन कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया।

उन्होंने निर्देश दिये कि जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों के पूर्ण होने तक सभी कनेक्शन करना सुनिश्चित किया जावे।

इस दौरान नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता रमेश चंद सैनी, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक देवेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियन्ता एनसीआर किशनलाल सत्यवाल, नगर निगम के सहायक अभियन्ता दिनेश वर्मा, सहायक अभियन्ता जलदाय उमरैण भगवान सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव आज

फुलेरा। जोबनेर रोड स्थित भगवान परशुराम भवन विप्र वाटिका पर रविवार को अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान परशुराम का जन्मोत्सव राजस्थान विप्र महासभा शाखा फुलेरा के तत्वावधान में शाखा अध्यक्ष राजू दाधीच की अध्यक्षता में मनाया जाएगा। महामंत्री शैलेंद्र शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन दिनेश सुरोलिया व कमलेश शर्मा के नेतृत्व में किया जाएगा। युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. सुमित शर्मा ने बताया कि महासभा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों का सामाजिक प्रतिभा सम्मान किया जाएगा। इसके अलावा 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ महिला-पुरुष विप्रजनों को सम्मानित किया जाएगा तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को विशिष्ट सेवा सम्मान प्रदान किया जाएगा।

भरतपुर में भाजपा ने राहुल गांधी का पुतला दहन किया

भरतपुर। भारतीय जनता पार्टी के नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 में संशोधन कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लोकसभा में विधेयक पेश किया गया जिसको कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने विपक्ष में वोट डालकर इस विधेयक को पारित नहीं होने दिया। इससे देश की नारी शक्ति का बहुत बडा अपमान हुआ है। नारी शक्ति के सम्मान को लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा के नेतृत्व में बिजली घर चौराहे पर कांग्रेस के प्रमुख नेता राहुल गांधी एवं उसके सहयोगी दलों के प्रमुख नेताओं का पुतला दहन किया। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 2029 के चुनावों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए मोदी सरकार द्वारा 131 वां संविधान संशोधन नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक दो तिहाई बहुमत नहीं

जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा के नेतृत्व में कांग्रेस नेता राहुल गांधी व उसके सहयोगी दलों के प्रमुख नेताओं का पुतला दहन किया।

मिल पाने के कारण लोकसभा में गिर गया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा ने कहा कि विपक्ष के अडंगे के कारण दो तिहाई बहुमत से यह विधेयक पारित न हो सका। जिससे महिलाओं का नेतृत्व करने का सपना धरा की धरा रह गया। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल महिलाओं के अधिकारों को हमेशा दबाने का प्रयास करते रहे हैं चाहे वह सडक हो या संसद।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार नारी शक्ति को उसका अधिकार हर हालत में दिलाकर रहेगी।

जिला मीडिया प्रभारी डॉ वीरेन्द्र पचौरी ने बताया कि इस अवसर पर पूर्व प्रदेश मंत्री गिरधारी तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र गोयल, पूर्व जिला उपाध्यक्ष गिरधारी गुप्ता, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री हंसिका गुर्जर, महिला मोर्चा जिला संयोजक कविता गोयल, षहर अध्यक्ष अनामिका चौधरी, जिला उपाध्यक्ष बृजेश अग्रवाल एवं श्याम सुन्दर गौड, जिला महामंत्री भगवान दास शर्मा, अन्नू फौजदार, विभा गर्ग, मण्डल अध्यक्ष चन्द्रवीर जघीना, संजीव शर्मा, मोनू काजलवाला, नेताराम जाटव, दिनेश लवांनिया, मीनेश उवार, आकाश हथैनी, योगा सहनावली, नरेश जाटव, कुलदीप जघीना, डॉ. कुलदीप तिवारी, हरदीप सिंह, राजेश, चिरौंजा चाची, कपिल खोंकर, गौरव चरोंरा, कन्हैया जादौं, अभय गुर्जर मलाह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सार-समाचार

820 ग्राम गांजा सहित युवक गिरफ्तार

जयपुर। चौमूं थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 820 ग्राम गांजा बरामद कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गांजा परिवहन में उपयोग की जा रही बिना नंबर प्लेट की बाइक भी जब्त की है। थाना प्रभारी हरबेन्द्र सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त प्रशांत किरण के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष 'ए' श्रेणी नाकाबंदी अभियान के तहत की गई। टांटियावास टोल प्लाजा के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट की एक बाइक को रुकवाया गया। जहां तलाशी लेने पर चालक के पास काले रंग की थैली में 820 ग्राम गांजा मिला। जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुल्तान सांसी उर्फ लाला (23) निवासी सांसियों की ढाणी, गौरी का बास, गोविंदगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस अब आरोपी से गांजा सप्लाई नेटवर्क और उससे जुड़े अन्य लोगों के बारे में गहन पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई को थानाधिकारी हरबेन्द्र सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक लेखराम, हेड कांस्टेबल अमीचंद सहित अन्य पुलिसकर्मियों की टीम ने अंजाम दिया।

पौधारोपण कर जन्मदिन मनाया

पावटा। कस्बे में युवाओं ने जन्मदिन को खास अंदाज में मनाते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। फुटबॉलर हर्षवर्धन शर्मा एवं यशवर्धन शर्मा जुड़वां भाइयों ने अपने जन्मदिन पर पौधारोपण कर समाज को प्रेरित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पौधारोपण करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि पौधारोपण को आदत बनाया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके। कार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापक गिरिराज शास्त्री ने कहा कि केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी नियमित देखभाल करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक पौधा वृक्ष का रूप न ले ले, तब तक उसकी सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर दीपेश नारायण शर्मा, राजकुमार योगी, प्रिंस शर्मा, यशस्वी, ओम, पियूष, नैतिक और सोनू सहित कई युवा मौजूद रहे। सभी ने संकल्प लिया कि वे अपने जीवन के विशेष अवसरों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देंगे।

जाम में फंसी एसडीएम व पुलिस, व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

पावटा। कस्बे में अव्यवस्थित यातायात के चलते फ्लाईओवर शनिवार को फ्लाईओवर के नीचे व सर्विस रोड पर लंबा जाम लग गया, जिसमें पावटा उपखंड अधिकारी और पुलिस की गाडी भी फंस गईं। मुख्य मार्ग पर लगे इस जाम के कारण आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डंफर व भारी वाहनों की अत्यधिक आवाजाही और सड़क पर अव्यवस्थित पार्किंग के चलते स्थिति बिगड़ गई। देखते ही देखते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा। इसी दौरान मौके से गुजर रही एसडीएम की गाड़ी और पुलिस वाहन भी जाम में फंस गए। जाम की सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद यातायात को सुचारू कराया। इस दौरान कई बार लोगों से वाहनों को हटाने और नियमों का पालन करने की अपील भी की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में आए दिन इस तरह की स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं होने से परेशानी बनी रहती है। वही एक बैठक में प्रशासन द्वारा डंफर व भारी वाहनों की आवाजाही के लिए एक अलग वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया था लेकिन फिर भी भारी वाहनों की आवाजाही पावटा कस्बे के मध्य से हो रही है ।

एसपी ने नशे के खिलाफ सख्त अभियान चलाने के निर्देश दिए

फुलेरा। जयपुर ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने शनिवार को फुलेरा थाने का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं, सुरक्षा इंतजामों और कार्यप्रणाली का गहन जायजा लिया। थाना परिसर में पहुंचने पर पुलिस जवानों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जहां अनुशासन और परेड की गुणवत्ता भी प्रदर्शित हुई।

निरीक्षण के दौरान एडिशनल एसपी

■ **निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि क्षेत्र में अपराध और असामाजिक गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।**

दूदू शिवलाल बैरवा, वृताधिकारी सांभरलेक अनुपम मिश्रा तथा फुलेरा थानाधिकारी राजेन्द्र यादव ने पुष्पगुच्छ देकर एसपी हनुमान प्रसाद का स्वागत किया। इसके बाद एसपी ने पुलिसकर्मियों से परिचय प्राप्त कर उनकी जिम्मेदारियों और कार्यप्रणाली की जानकारी ली।

जयपुर ग्रामीण एसपी का स्वागत करते फुलेरा थानाधिकारी व अन्य।

एसपी ने बैरक, मालखाना, रिकॉर्ड रजिस्टर, हथियारों की स्थिति, ड्यूटी व्यवस्था और साफ-सफाई सहित सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखने, अनुशासन बनाए रखने और लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि क्षेत्र में अपराध और असामाजिक गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिसकर्मियों को जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार रखने, त्वरित कार्रवाई करने और गश्त बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने कहा कि फुलेरा क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। एसपी ने रात्रि गश्त बढ़ाने और नशे के खिलाफ सख्त अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही कस्बे में साफ-सफाई की सराहना करते हुए नागरिकों से घरों और प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील की, ताकि सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत हो सके। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों व कर्मियों की मौजूदगी में यह निरीक्षण पुलिस प्रशासन की सक्रियता और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा।

चिकित्सकों ने बालिकाओं को स्वास्थ्य सम्बंधी जानकारी दी

कोटपूतली। निकटवर्ती ग्राम पवाना अहीर के सेठ मूलचंद प्रभुदयाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका छात्रावास टाईप-4 में शनिवार को डॉ. मीनाक्षी चौधरी व एएनएम शौभा योगी ने प्राचार्य भागीरथ सिंह मीणा एवं वरिष्ठ व्याख्याता प्रवक्ता डॉ. रामकरण यादव के साथ बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा बालिकाओं से संवाद कर छात्रावास भवन का अवलोकन किया।

प्राचार्य भागीरथ सिंह मीणा ने बताया कि अबकी बार नया सत्र 01 अप्रैल से शुरू हो जाने के साथ ही छात्रावास में भी कक्षा 09 से 12 तक की बालिकाओं का प्रवेश प्रारंभ हो गया है। 100 सीटों वाले छात्रावास में अब तक 80 प्रतिशत से अधिक सीटें फुल हो चुकी हैं। प्रवक्ता डॉ. रामकरण यादव ने कहा कि विभागीय दिशा निर्देश अनुसार एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक, बीपीएल, अनाथ, बेघर, एकल माता पिता, दिव्यांग, घुमन्तू परिवारों व जरूरतमंद बालिकाओं को छात्रावास प्रवेश में प्राथमिकता दी जाती है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के चुनिंदा विद्यालयों में शुमार राष्ट्रीय व

■ **बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा बालिकाओं से संवाद कर छात्रावास भवन का अवलोकन किया**

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान एवं राज्य स्तरीय व जिला स्तरीय भामाशाह सम्मान प्राप्त विद्यालय में श्रेष्ठ स्तरीय बोर्ड परीक्षा परिणाम, अनुशासन, भौतिक विकास, 33 बीघा पक्की भूमि वाला विशाल कैम्पस, खेल मैदान सहित सम्पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध हैं। छात्रावास में रहने वाली बालिकाओं को सरकार द्वारा निशुल्क रहने, खाने, पीने, फीस, ट्रैक सूट, स्कूल ड्रेस, स्टेशनरी व प्रति माह स्टाइपेंड राशि उपलब्ध कराने सहित अनेकों सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है।

सीसीटीवी कैमरे युक्त छात्रावास भवन में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। सरकारी शिक्षिका महिला वार्डन नीतू कुमारी, सहायक वार्डन प्रियंका यादव, अकाउंटेट ममता आर्य सहित 06 महिला कार्मिकों के अलावा गार्ड मूलचंद की डयूटी 24 घंटे रहती है।

डीएम व एडीएम ने हैंडपंपों व जल स्त्रोतों का निरीक्षण किया

पावटा। गर्मी के मद्देनजर जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता और अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण ने शनिवार को फील्ड में उतरकर हैंडपंपों और जल स्त्रोतों का निरीक्षण किया एवं पीएचईडी विभाग की टीम के साथ विभिन्न स्थानों का दौरा कर जमीनी हालात का जायजा लिया।

■ **पीएचईडी अपनी मशीनरी को एक्टिव मोड में रखते हुए पेयजल संबंधी समस्याओं को तुरंत निपटायें : जिला कलेक्टर**

जिला कलेक्टर अर्पणा गुप्ता एवं एडीएम ओमप्रकाश सहारण ने पावटा उपखण्ड के ग्राम दादाकाबास में जेजेएम के तहत बने उच्च जलाशय, ग्राम जोधपुरा में जेजेएम के तहत बने नलकूप और नगरपालिका पावटा में

कलेक्टर अपर्णा गुप्ता और अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण ने फील्ड में उतरकर जल स्त्रोतों का निरीक्षण किया।

पाइपलाइन लीकेज मरम्मत कार्यों का निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर ने कहा कि यह कदम गर्मी के मौसम में आमजन के लिए पेयजल संकट को रोकने के लिए उठाए जा रहे हैं।

कलेक्टर ने पीएचईडी अधिकारियों को बिजली विभाग के साथ बेहतर समन्वय बनाकर जल आपूर्ति निर्बाध बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने जल जीवन मिशन और समर कंटिंजेंसी के तहत कार्यों को समयबद्ध गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने, समस्याग्रस्त क्षेत्रों में पानी टैंकर आपूर्ति सुनिश्चित रखने, पेटजल वनस्थली सुचारू रखने, लीकेज और ख़राब पाइपलाइन को दुरस्त करने, संपर्क पर पेयजल के प्राप्त प्रकरण एवं शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने को कहा।

मिष्ठान भंडार का फूड लाइसेंस कर सभी प्रकार की खाद्य कारोबार पर रोक लगाई

टोंक। आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाये जाने हेतु विशेष अभियान "शुद्ध आहार- मिलावट पर वार" के तहत जिले में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सख्त कार्यवाही की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शैलेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि शहर में छावनी चौराहा पर स्थित मैसर्स दीपक मिष्ठान भंडार का फूड लाइसेंस आगामी आदेशों तक सस्पेंड कर सभी प्रकार की खाद्य कारोबार पर रोक लगाई गई है । यहां पर बेची जा रही मिठाई लड्डू में तय मानको से अधिक कलर की मात्रा मिलाकर आमजन को विक्रय की जा रही थी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी केसरी नन्दन शर्मा ने बताया कि पूर्व में तत्कालीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी सत्य नारायण गुर्जर द्वारा उक्त फर्म से लडडू (बेसन, वनस्पति व रिफाइंड सोयाबीन तेल से निर्मित) का नमूना लिया गया था जो कि जांच रिपोर्ट में अनसेफ और सबस्टैंडर्ड पाया गया ।

उक्त दुकान का पहले सैंपल फेल होने के कारण इंप्रूवमेंट नोटिस दिया गया एवं पहले सैंपल में कमियां मिलने के कारण पुनः दिनांक 27-02-26 को लडडू (बेसन, रिफाइंड सोयाबीन तेल से निर्मित) की पुनः सैंपलिंग की गई। जिसमें भी उक्त नमूना जांच रिपोर्ट में अनसेफ स्तर का पाया गया। जोकि की खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधनियमों का स्पष्ट उल्लघन श्रेणी में आता है ।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी केसरी नन्दन शर्मा ने बताया कि गर्मी के मौसम और शादी के सीजन को देखते हुए बाजार में मिलावटी घी, मिलावटी दूध एवं दूध से निर्मित खाद्य पदार्थ (मावा, पनीर इत्यादि) मिलावटी मसाले, अन्य पेय पदार्थ, कोल्ड ड्रिंक्स इत्यादि तथा खुले में खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोकथाम विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। सभी अपने दुकान पर फ़ूड लाइसेंस रजिस्ट्रेशन डिस्प्ले करके रखें । साफ़ सफाई का विशेष ध्यान रखें दूषित सामग्री विक्रय ना करे अन्यथा कमी पाये जाने पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जायेगी।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक:138 जाहिर आम-सूचना दिनांक:09.04.2026

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास / फ्लैट संख्या MB-1/707 (7-F) (MIG-B) प्रताप अपार्टमेन्ट प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का आवंटन श्रीमती किरण देवी माता शहीद श्री राहुल सिंह को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4767 दिनांक 15-11-2018 को जारी किया गया था। जिसका भौतिक कब्जा दिनांक 18.01.2019 को प्राप्त किया गया। इनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 02.05.2025 को कर दिया गया। श्रीमती किरण देवी की मृत्यु दिनांक 22.10.2025 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री भूपेन्द्र सिंह पुत्र स्व. श्री कंचन सिंह द्वारा आवासन मण्डल में पंजीकृत हक त्याग के आधार पर उक्त फ्लैट पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास / फ्लैट के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री भूपेन्द्र सिंह पुत्र स्व. श्री कंचन सिंह का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

क्रमांक:-DHC-II/76 जाहिर आम सूचना दिनांक:-17/4/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 119/284, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 143.25 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आंवटन कैप्टन श्री बुद्धि प्रकाश विनायक पुत्र स्व. श्री केसर दास को किया गया था। जिसका आंवटन पत्र कमांक 4934 दिनांक 19.01.1990 को जारी किया गया था। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 09.02.1990 को प्राप्त कर लिया गया था। राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 515 दिनांक 20.05.1997 के द्वारा श्रीमति ईसर देवी पत्नी स्व. श्री प्रीतम दास के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। तत्पश्चात् राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र कमांक 1098 दिनांक 21.06.2005 के द्वारा श्री राकेश बवेजा पुत्र स्व. श्री प्रीतम दास के नाम हस्तान्तरण कर दिया गया। इसके पश्चात् श्री राकेश बवेजा की मृत्यु दिनांकः- 15.10.2025 को हो जाने के कारण इनकी बहिने श्रीमती सुरेंद रानी जुनेजा पत्नी श्री रमेश कुमार जुनेजा एवं श्रीमती मीनू अरोड़ा पत्नि श्री अशोक अरोड़ा ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम को हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रुप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/ आवेदक श्रीमती सुरेंद्र रानी जुनेजा एवं श्रीमती मीनू अरोड़ा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। सम्पदा प्रबन्धक वृत्त द्वितीय, जयपुर

सम्मन बनाम कायम मुकाम

(आर्डर 22 रूल 4 जाप्ता दीवानी)

अज अदालत अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-1 जयपुर महानगर प्रथम

आनन्दी लाल बनाम राजेन्द्र प्रसाद व अन्य

दावा बाबत आज्ञात्मक स्थायी निषेधाज्ञा

मुकदमा नम्बर-सीएस 19/2021

CIS No.-89/2021

बनाम-1. मुसम्मी अनिरूद्ध वल्द सत्येन्द्र कौम कुमावत साकिन यादव हॉस्पिटल के पीछे, अल्कापुरी कॉलोनी, बाईपास रोड, बानसूर, जिला कोटपूतली, राज.

2. मुसम्मी कार्तिक वर्मा वल्द सत्येन्द्र कौम कुमावत साकिन यादव हॉस्पिटल के पीछे, अल्कापुरी कॉलोनी, बाईपास रोड, बानसूर, जिला कोटपूतली, राज.

3. मुसम्मी आरती पुत्री श्री सत्येन्द्र कौम कुमावत साकिन यादव हॉस्पिटल के पीछे, अल्कापुरी कॉलोनी, बाईपास रोड, बानसूर, जिला कोटपूतली. राज.

चूंकि ए.डी.जे. क्रम-1 जयपुर महानगर-प्रथम ने इस अदालत में तारीख... माह... सन्... को आनन्दी लाल बनाम राजेन्द्र दायर की जो कि बात मे होत हो गया और चूंकि दीपक वर्मा स्व. आनन्दीलाल वर्मा मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी श्रीमती सीमा वर्मा मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप अनिरुद्ध, कार्तिक, आरती बनाये जावे।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाब देही अनिरूद्ध, कार्तिक वर्मा, आरती 23 माह 04 सन् 26 को 7.30 ए.एम. को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजरी मे सुना व फैसला किया जावेगा।

बसख्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 16 माह 04 सन् 26 को जारी किया गया है।

मोहर अदालत

अपर जिला एवं सैशन न्यायालय संख्या-1 जयपुर महानगर प्रथम

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री नरेंद्र कुमार अग्रवाल पुत्र श्री नन्दलाल अग्रवाल निवासी प्लॉट नंबर 796, गणेश नगर, निवारु रोड, झोटवाड़ा एवं श्री प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री मदन अग्रवाल प्लॉट नंबर 02, मातृ-छाया हाउस, जयपुर के प्लॉट नंबर 5, हरचन्दपुरा डेयरी योजना जयपुर के संबंधित निम्न असल दस्तावेज दिनांक 06.04.2026 को निवारु रोड, झोटवाड़ा पर खो गए है: आंवटन पत्र नम्बर 5684 दिनांक 24.04.2006, संशोधित कब्जा पत्र 4161 दिनांक 22.10.2011 व Exchange Letter No 1368 issued by JDA in Fav श्री बाबूलाल गुर्जर पुत्र श्री नरसी लाल गुर्जर निवासी 2145, जाट के कुए का रास्ता, जयपुर जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट नम्बर LR No: 3118639/2026 दिनांक 17.04.2026 को दर्ज है। यदि उक्त दस्तावेज किसी को मिले या किसी व्यक्ति / संस्था का इस संपति पर कोई हक, दावा, आपति, ऋण, बंधक आदि हो तो इस सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस में मय दस्तावेज सम्पर्क करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद सभी आपत्तियां शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।

दिनांक 17.04.2026 रामकिशोर कुमावत, एडवोकेट, 46, मुरली विहार, गजसिंहपुरा, जयपुर मो० 8233216872

Rajasthan Regional Office Jaipur (Jaipur-North)

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल

RAJASTHAN STATE POLLUTION CONTROL BOARD

OPP. ROAD NO.5, VKIA, SIKAR ROAD, JAIPUR

Phone: 0141-2850100 e-mail rorpcb.jaipur@gmail.com

Website: http://www.environment.rajasthan.gov.in

पर्यावरण स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई के लिए आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना क्रमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14/09/2006 के प्रावधानों के अंतर्गत **M/s Hemlata Granite and Stone Crusher** के प्रस्तावित परियोजना **Public hearing for proposed project "Masonry Stone (Minor Mineral) Mining Project" (M.L. No. 05/2024) over an area of 1.5017 Hectares with proposed production capacity- 2,20,000 TPA (ROM) located Near Village - Sikri, Tehsil - Sikrai, District - Dausa (Rajasthan) by M/s Hemlata Granite and Stone Crusher falling in the cluster having total area 6.9 Hectares.** के लिये पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्रस्ताव राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल (यहां तथा बाद में मण्डल के नाम से अभिलिखित) के समक्ष प्रस्तुत किये गये है। चूंकि मण्डल को उपरोक्त परियोजना हेतु वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसार लोक सुनवाई हेतु इस आषय की सूचना जारी कर 30 दिवस का नोटिस दिया जाना आवश्यक है। अतः समस्त सबंधित को इस नोटिस के माध्यम से एतद्वारा सूचित किया जाता है कि वे उक्त परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति से संबंधित **लोक सुनवाई हेतु दिनांक 20.05.2026 समय प्रातः 11:00 बजे कार्यालय उपखण्ड अधिकारी सिकराय, तहसील-सिकराय, जिला-दौसा में उपस्थित होकर सुझाव/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है।** इस सम्बन्ध मे लिखित सुझाव/आक्षेप इस सूचना के प्रकाषन तिथि से 30 दिवस की अवधि मे राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर (उत्तर) रोड नं. 05 के सामने, विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र, सीकर रोड, जयपुर **(ईमेल:-rorpcb.jaipur@gmail.com)** के साथ-साथ मुख्यालय, 04-संस्थानिक क्षेत्र, झालाना डूंगरी, जयपुर में भी प्रस्तुत किये जा सकते है।

उक्त परियोजना से संबंधित संक्षिप्त अभिलेख (कार्यपालक सार) निम्नांकित कार्यालयो मे उपलब्ध है- (1) जिला कलेक्टर, दौसा (2) क्षेत्रीय कार्यालय, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, जयपुर (उत्तर) (3) राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, 04-संस्थानिक क्षेत्र, झालाना डूंगरी, जयपुर (4) पर्यावरण विभाग, राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय, जयपुर (5) जिला उद्योग केन्द्र, दौसा (6) अतिरिक्त जिला कलेक्टर, दौसा, (7) सदस्य सचिव एसईआईएए राजस्थान 10 भवानी सिंह लेन सहकार मार्ग जयपुर (8) उपखण्ड अधिकारी, तहसील- सिकराय, जिला-दौसा (9) नगर पालिका सिकराय, दौसा (10) पंचायत समिति कार्यालय सिकरी, तहसील सिकराय, जिला- दौसा (11) सचिव, ग्राम पंचायत ग्राम-सिकरी, तहसील सिकराय, जिला-दौसा।

क्षेत्रीय अधिकारी

कार्यालय ग्राम पंचायत डाबला पं.स. पाटन (सीकर)

क्रमांक : 367 दिनांक : 16/04/2026

ई-निविदा/खुली बोली सूचना- 01/2026-27

ग्राम पंचायत के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तिय वर्ष 2026-27 में घर-घर कचरा एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानो से कचरा संग्रहण एवं परिवहन, गांवो की सडक एवं नाली सफाई कार्य की सेवाओं हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 व ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग (अनुभाग-5) की गाईडलाईन अनुसार इच्छुक बोलीदाता / संवेदक / फर्म जो कि वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत हो, से दिनांक 24.04.2026 को दोपहर 1.00 बजे तक खुली बोली/ई निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचनाएं एवं शर्ते वेबसाइट https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. PKP2627WSRC00024

प्रशासक ग्राम पंचायत डाबला पं.स. पाटन (सीकर)

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पचायत डाबला पं.स. पाटन (सीकर)

सफाई सेवा मैराथन : निगम कमिश्नर सड़कों पर उतरे तो एक दिन में उठा 6000 टन कचरा

करीब 9000 अधिकारी-कर्मचारियों की टीम ने दिनभर जयपुर शहर की सफाई में झोंकी ताकत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर को स्वच्छता के शिखर पर पहुंचाने के लिए शनिवार को जयपुर नगर निगम ने अब तक का सबसे बड़ा सफाई अभियान ''सफाई सेवा मैराथन-2026'' शुरू किया। सुबह 7 बजे निगम कमिश्नर ओम कसेरा अपनी टीम के साथ सड़कों पर उतरे।

अभियान की शुरुआत में सफाई योद्धाओं ने जयपुर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की सामूहिक शपथ ली। देर शाम तक शहर से 6000 टन कचरा उठाकर डंपिंग यार्ड पहुंचाया। करीब 9000 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी मैदान में उतरे, जबकि 1500 गाड़ियों से 7000 ट्रिप्स में कचरे का निस्तारण किया।

- कलेक्टर संदेश नायक ने भी निगम आयुक्त ओम कसेरा के प्रयास सराहे
- जलमहल की पाल पर एयरफोर्स और पुलिस के जवान भी साफ-सफाई में जुटे, आमजन का भी सहयोग मिला

नगर निगम के सफाई कर्मचारियों की टीम ने शनिवार को जयपुर साफ करने की मुहिम छेड़ी। आयुक्त डॉ. ओम कसेरा ने स्वयं दिनभर फील्ड में घूमकर निरीक्षण किया।

खास बात यह रही कि कमिश्नर केवल निरीक्षण तक सीमित नहीं रहे, किशनपोल बाजार में गंदगी देख उन्होंने खुद कूड़ा उठाया। कचरा उठाकर डस्टबिन में डाला। दोपहर होते-होते निगम कमिश्नर को जयपुर कलेक्टर संदेश नायक का साथ मिला। इसके बाद दोनों अधिकारी फील्ड में डटे रहे। दोपहर करीब 1:30 बजे कलेक्टर संदेश नायक और कमिश्नर ओम कसेरा आरयूएसएच स्थित अन्नपूर्णा रसोई पहुंचे।

अधिकारियों ने वहां न केवल खाने की गुणवत्ता और साफ-सफाई की जांच की, बल्कि आम जनता के साथ बैठकर भोजन भी किया। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से खाने के स्वाद और सुविधाओं का फीडबैक लिया। जलमहल की पाल पर इंडियन एयर फोर्स के 30 जवान और राजस्थान ग्रामीण पुलिस लाइन के 30 जवानों ने निगम के कर्मचारियों के साथ मिलक सफाई की। आयुक्त ने सुबह 7 बजे से शाम तक लगातार फील्ड में रहकर करीब 200 किलोमीटर का रूट कवर किया, जिसमें से 15 किलोमीटर पैदल निरीक्षण किया गया। इस दौरान शहरभर के 60 से अधिक प्रमुख स्थानों का गहन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा गया और कई जगह स्वयं खड़े होकर ओपन कचरा डिपो हटवाए गए। इस अवसर पर जयपुर कलेक्टर संदेश नायक ने ऐलान किया कि यह अभियान केवल शहर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जिले के सभी नगर निकायों में इसी तर्ज पर सफाई मैराथन शुरू कराई जाएगी।

अभियान का असर पहले ही दिन धरातल पर नजर आया। ट्रांसफर स्टेशनों पर कचरा लेकर पहुंचने वाली गाड़ियों की संख्या सामान्य दिनों के मुकाबले दोगुनी दर्ज की गई। हालांकि, अजमेरी गेट और जलेब चौक पर पसरी गंदगी देख कमिश्नर ने नाराजगी भी जताई और अधिकारियों को फटकार लगाई।

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ओम कसेरा ने सीधे आम जनता से संवाद किया। उन्होंने राहगीरों और दुकानदारों से पूछा- क्या आपके इलाके में रोज इसी तरह सफाई होती है?

डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन वाली गाड़ी समय पर पहुंच रही है या नहीं?जयपुर के किशनपोल बाजार पहुंचे कमिश्नर ओम कसेरा खुद को रोक नहीं पाए। कर्मचारी के साथ साफ-सफाई में उन्होंने हाथ बंटाया।

निगम कमिश्नर ने बताया कि यह कोई सामान्य अभियान नहीं बल्कि एक मैराथन है। शहर के सभी 13 जोन और 150 वार्डों में 9000 कर्मचारी तैनात किए गए। यह विशेष अभियान सुबह 7 बजे से देर रात तक यानी लगातार 14-15 घंटे तक चला। यूं तो रोजाना शहर से करीब 2000 से 3000 टन कचरा उठता है, लेकिन शनिवार को संसाधनों की बढ़ोतरी के साथ इस आंकड़े को पार कर शहर के हर कोने को साफ करने का लक्ष्य रखाा गया। देर शाम तक बजे तक 6000 टन कचरा संग्रहण किया जा चुका था।

55-55 लाख रुपए और सरकारी नौकरी और डेयरी बूथ देने पर बनी सहमति

- सीवर लाइन में जहरीली गैस की चपेट में आए मृतक के परिजनों ने दिया धरना

जयपुर। झोटवाड़ा इलाके में शुक्रवार को बिना सुरक्षा उपकरणों के सीवर टैंक में उतरे दो सफाईकर्मियों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई थी। जिसके बाद मृतक के परिजनों ने संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ के बैनर तले शनिवार को विरोध - प्रदर्शन किया। जिसके बाद प्रशासन और सफाईकर्मी संगठनों के बीच मृतकों के परिवारों को मुआवजा, नौकरी और डेयरी बूथ देने पर सहमति बन गई।

गौरतलब है कि शुक्रवार को सीवर मैनहोल की सफाई के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में दो सफाईकर्मियों अजय और रामबाबू की मौत के बाद बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। इस घटना से नाराज सफाईकर्मियों ने काम बंद कर दिया। जिसके बाद शहर की सफाई व्यवस्था काफी प्रभावित हो गई। संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ, जयपुर शहर वाल्मीकि पंच कमेटी और नगर निगम प्रशासन के बीच लंबी बातचीत के बाद समाधान निकल आया है।

इस समझौते में मृतकों के परिवारों को 55 लाख 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया गया। यह राशि अजय की माता छोटी देवी और रामबाबू की पत्नी पूनम देवी को दी जाएगी। इस मुआवजे में विभिन्न विभागों का योगदान रहेगा। जिसमें स्वायत्त शासन विभाग 30 लाख रुपए, नगर निगम जयपुर 10 लाख रुपए, ठेकेदार 10 लाख रुपए, मुख्यमंत्री सहायता कोष 5 लाख और विधायक गोपाल शर्मा द्वारा 25 हजार रुपये दिए जाएंगे। समझौते के दिन ही दोनों परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये की पहली किश्त दे दी गई। इसके बाद 18 अप्रैल को 5 लाख रुपये और आने वाले सोमवार को नगर निगम की ओर से 10-10 लाख रुपये दिए जाएंगे। बाकी राशि भी जल्द ही जारी करने का आश्वासन दिया गया है। प्रशासन ने मृतकों के एक-एक आश्रित को संविदा पर नौकरी देने के साथ ही दोनों परिवारों को आजीविका के लिए एक-एक डेयरी बूथ भी दिया जाएगा। प्रशासन के सकारात्मक रुख के बाद यूनियन ने संतोष जताते हुए हड़ताल खत्म करने का ऐलान किया।

सार-समाचार

आमेरा सहित 55 सदस्य बेंगलुरु पहुंचे

बेंगलुरु। देश में बैंककर्मियों के पिछले 80 वर्ष से सक्रिय सबसे बड़े ट्रेड यूनियन संगठन ''ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन'' का 30वां राष्ट्रीय अधिवेशन 19 से 22 अप्रैल तक कर्नाटक राजधानी बेंगलुरु में होगा। एआईबीए राष्ट्रीय जनरल कौंसिल के सदस्य, राजस्थान प्रदेश बैंक एम्प्लाईज यूनियन के प्रान्तीय उप महासचिव सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा अधिवेशन में शामिल होने के लिए बेंगलूरु पहुँचे हैं। आमेरा ने बताया कि राजस्थान से आर.जी.शर्मा, महेश शर्मा, टी.सी.झालानी, रामावतार शर्मा, एम.एस.भटेजा, राहुल पांडे, रविकांत शर्मा, रवि वर्मा समेत बैंको के नेता व प्रतिनिधि अधिवेशन में भाग लेने पहुँचे है। अधिवेशन में पडौसी राष्ट्र नेपाल, बांग्लादेश, मलेशिया, श्रीलंका, साइप्रस और क्यूबा सहित कई देशों के वित्तीय जानकार भी शामिल होंगे। आमेरा ने बताया कि 20 अप्रैल को (1946-2026) एआईबीईए का 80वा स्थापना दिवस समारोह आयोजित होगा। इस दौरान संविधान एवं लोकतंत्र-ट्रेड यूनियन के सामने चुनौतिया विषय पर व्याख्यान आयोजित होगा। सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट और इंडियन एसोसिएशन ऑफ़ लॉयर्स के सचिव साथी अश्वनी कुमार बख्शी व्याख्यान देंगे। इसके बाद 21-22अप्रैल को प्रतिनिधि सत्र आयोजित होंगे, जिसमें देश के सभी राज्यो में सहकारी बैंकों, ग्रामीण बैंको, व्यावसायिक बैंकों और निजी बैंकों दशा और दिशा,चुनौतियों, आर्थिक समस्याओं, सरकार की रीति नीति, निजीकरण, सहकारी बैंकों का मर्जर, कृषि ऋण, आर्थिक जगत, बैंक कर्मियों की सेवा शर्ते,वेतन वृद्धि समझौते आदि मुद्दों पर सभी राज्य से डेलीगेट अपने विचार रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

''गुजरे जमाने'' के सुरों पर गूंजी तालियां

जयपुर। जयपुर में शनिवार को जैसे ही शाम ढली, महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम सुरों की रोशनी से जगमगा उठा और 'गुजरा हुआ जमाना-आता नहीं दुबारा' ने जयपुर को एक ऐसी संगीतमय यात्रा पर ले गया, जहाँ हर धुन में यादें थीं, हर गीत में एहसास। शहर के संगीत प्रेमियों से खचाखच भरे सभागार में तालियों, मुस्कुराहटों और गुनगुनाहट का सिलसिला देर रात तक चलता रहा। इस खास संध्या में ग्रैमी अवॉर्ड विजेता और पद्म भूषण से सम्मानित पंडित विश्वमोहन भट्ट की गरिमामयी उपस्थिति ने सुरों की इस शाम को और भी प्रतिष्ठा प्रदान की। डॉ. प्रकाश छबलानी की परिकल्पना में सजे इस आयोजन ने जयपुर की समृद्ध संगीत परंपरा को एक जीवंत उत्सव का रूप दे दिया। कार्यक्रम की शुरुआत हाल ही में हुए आशा भोंसले जी के निधन के शोक में एक भजन तुम्हारा मन दर्पण हो जाए के साथ हुई। मंच पर जब एक के बाद एक सदाबहार धुनें बिखरीं, तो श्रोताओं का दिल जैसे बीते दौर में लौट गया।

शिक्षकों मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

जयपुर। राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) जयपुर के तत्वावधान में शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट जयपुर के बाहर प्रदर्शन किया गया। इसके बाद कलेक्टर संदेश नायक को मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव एवं शिक्षा सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा गया। यह कार्यक्रम प्रदेश संगठन के आव्हान पर जिलाध्यक्ष शेर सिंह धाकड़ के नेतृत्व में आयोजित हुआ। प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने ग्रीष्मावकाश व अन्य अवकाशों में की गई कटौतियों का विरोध जताया तथा पुरानी पेंशन योजना को यथावत रखने की मांग उठाई। साथ ही, स्थायी एवं पारदर्शी स्थानान्तरण नीति लागू करने सहित 21 सूत्रीय मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग की गई। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश यादव एवं जिला मंत्री सुभाष विश्नोई ने बताया कि प्रदर्शन के माध्यम से राज्य सरकार का ध्यान शिक्षकों की समस्याओं की ओर आकर्षित किया गया। इस अवसर पर निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष गिरीश कुमार शर्मा, जिलाध्यक्ष शेर सिंह धाकड़, जिला सभाध्यक्ष बृजमोहन चौधरी, बुद्धाराम प्रजापति, सतीश कुमार यादव, दिनेश यादव, सुभाष विश्नोई, महेन्द्र प्रजापति सहित कई शिक्षक नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

19 शहरों का पारा 40 पार पहुंचा

जयपुर। पश्चिम विक्षोभ का असर समाप्त हो गया है। अब आगामी समय में प्रदेश के पारे में उछाल देखने को मिलेगा। शनिवार को प्रदेश के 19 शहरों का दिन का पारा 40 डिग्री के पार दर्ज किया गया। 43 के साथ चूरु का दिन और 30 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही। जयपुर का पारा भी 40 डिग्री के पार पहुंच गया। जयपुर रात के तापमान में 2 डिग्री की गिरावट के साथ 25 डिग्री दर्ज किया गया। श्रीगंगानगर में भी आंधी के कारण तापमान में गिरावट हुई।

फूड पॉइजनिंग की सूचना पर मावा-दूध के 10 नमूने लिए

खाद्य सुरक्षा टीम ने बस्सी क्षेत्र में कार्रवाई की

जयपुर (कासं)। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने फूड पॉइजनिंग की सूचना पर बस्सी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए मावा और दूध सहित 10 खाद्य नमूने जांच के लिए लिए।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देश पर सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल के नेतृत्व में टीम नई कोठी की ढाणी, इसरवाला (तहसील बस्सी) पहुंची। यहां बुद्धाराम सैनी के घर लगन टीका कार्यक्रम में करीब 800 लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई थी।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि कार्यक्रम में मिश्री मावा, बर्फ़, रसगुल्ला, दही, रायता, लड्डू, पूड़ी, नमकीन और आलू-मटर की सब्जी परोसी गई थी। भोजन करने के बाद कई लोगों की तबीयत खराब होने पर फूड पॉयजनिंग की आशंका जताई गई। जांच में सामने आया कि मावा चीथवाड़ी मंडी स्थित लालाराम शर्मा की मावा भट्टी से करीब 100 किलो मावा 240 रुपए प्रति किलो की दर से मंगवाया गया था। टीम ने मौके से मिश्री मावा, बर्फ़ सहित अन्य खाद्य सामग्री के नमूने लिए और बची हुई करीब 35 किलो बर्फ़, पूड़ी, ब्रेड पकोड़े, मिर्ची बड़े व रसगुल्ले को नष्ट करवाया। साथ ही संबंधित मावा सप्लायर की सूचना सीएमएचओ जयपुर प्रथम को भी दी गई।

आखा तीज के बड़े सावे को देखते हुए टीम ने बस्सी क्षेत्र में मावा भट्टियों का सघन निरीक्षण भी किया। इस दौरान अखेपुरा स्थित मैसर्स राधागोविंद मावा भंडार और मैसर्स गणेश मावा भंडार से मावा के नमूने लिए गए। मैसर्स राधा कृष्णा ब्रांड मावा उद्योग से मिश्री मावा और दूध के नमूने लिए गए। इसके अलावा बस्सी सामरिया रोड स्थित मैसर्स बालाजी मावा भंडार तथा हिंगोनिया स्थित मैसर्स नारायण मावा वाले से भी मावा और दूध के नमूने एकत्रित किए गए।

कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, विनोद थारवान और राजेश नागर शामिल रहे। विभाग ने स्पष्ट किया कि मिलावट के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लव जिहाद के विरोध में बजरंग दल का प्रदर्शन

जयपुर। विकृत जिहादी मानसिकता और लव जिहाद के विरुद्ध बजरंग दल के राष्ट्रव्यापी आव्हान पर दूसरे दिन शनिवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बड़ी चौपड़ पर शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया। महानगर संयोजक दीपक पलानहेडा ने कहा कि देश में समाज जीवन के लगभग हर क्षेत्र में बढ़ रही सुनियोजित जिहादी घटनाएं एक विकृत मानसिकता का परिचायक बन चुकी हैं। हाल ही में नासिक के टीसीएस में उजागर हुआ लव जिहाद का षड्यंत्र इसी श्रृंखला की एक कडी है। अनेक नगरों से लव जिहाद, वन भूमि, सार्वजनिक भूमि, सेना और रेलवे की भूमि पर अवैध कब्जा, खान-पान की वस्तुओं को अपवित्र करना, अधिक मुस्लिम आबादी वाले स्थानों पर हिंदू परिवारों का उत्पीडन और जनजाति की अवयस्क बालिकाओं का शोषण जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जो सीधे तौर पर राष्ट्र विरोधी, अवैध, आपराधिक और सामाजिक सद्भाव को भंग करने वाली हैं। दीपक पलानहेडा ने कहा कि इस मानसिकता के विरुद्ध जन जागरण करने और कड़ा विरोध दर्ज कराने के लिए बजरंग दल के कार्यकर्ता हाथों में तख्ती थामे प्रदर्शन में शामिल हुए और जोरदार नारेबाजी की। प्रांत संयोजक परमवीर सिंह चौहान ने कहा कि हाल के समय में सामने आ रही घटनाएं समाज के लिए चिंता का विषय हैं।

74 वर्षीय बुजुर्ग ने फंदा लगाकर आत्महत्या की

जयपुर (कासं)। हरमाड़ा क्षेत्र में 74 वर्षीय बुजुर्ग द्वारा शुक्रवार रात आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। बुजुर्ग अपने घर के एक कमरे में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची हरमाड़ा थाना पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटा कर जांच शुरू की।

जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल जगदीश प्रसाद ने बताया कि भूरा डिब्बा कच्ची बस्ती निवासी मंगल (74) पुत्र भूराराम अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में रहता था। जिसने घर के एक कमरे में चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर परिजनों ने कमरे में जाकर देखा तो वह फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया।

शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक लंबे समय से डायबिटीज (शुगर) की बीमारी से परेशान था, जिसके कारण वह मानसिक तनाव में था। हालांकि, पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

महंगाई-बेरोजगारी से ध्यान हटाने का प्रयास कर रही भाजपा : खाचरियावास

जयपुर। पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास ने महिला आरक्षण बिल को लेकर केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी असफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए इस मुद्दे को उछाल रही है। खाचरियावास ने कहा कि देश में महंगाई और बेरोजगारी गंभीर समस्या है, मनरेगा में काम प्रभावित है और युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा। ऐसे में इन मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए भाजपा महिला आरक्षण का मुद्दा उठा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में महिला आरक्षण बिल पारित हो चुका है, ऐसे में लोकसभा की 543 सीटों में से करीब 100 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जा सकती हैं, लेकिन भाजपा इसे लागू करने के बजाय राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रही है। खाचरियावास ने कांग्रेस कार्यकर्ता इन मुद्दों पर सड़कों पर उतरकर जवाब देंगे।

युवा महोत्सव के पोस्टर विमोचन

जयपुर। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर की ओर से इंटर-कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन 25 एवं 27 अप्रैल 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में किया जा रहा है। युवा महोत्सव के पोस्टर का औपचारिक विमोचन किया गया। कार्यक्रम संरक्षक कुलगुरु प्रो. अल्पना कटेजा ने आयोजन समिति को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम की आयोजक डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. प्रवीण शर्मा ने बताया कि इस महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों की सृजनात्मक एवं बहुआयामी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हुए सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं कलात्मक गतिविधियों को एक समग्र मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रस्तावित है।

''लड़की हूं, लड़ सकती हूं'' का नारा देने वाली प्रियंका गांधी का महिला आरक्षण के मुद्दे पर विरोध क्यों हैं?

- भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं सांसद सी.पी.जोशी ने प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों को घेरा

नई दिल्ली/जयपुर (कासं)। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि ''लड़की हूं, लड़ सकती हूं'' का नारा देने वाली प्रियंका गांधी का महिला आरक्षण के मुद्दे पर विरोध क्यों है? लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े मुद्दे पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जोशी ने कहा कि कांग्रेस की चाल, चरित्र और चेहरा हमेशा से ही महिला विरोधी रहा है। जब देश में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाने का अवसर आया, तब कांग्रेस और विपक्षी दलों ने उसका समर्थन नहीं करके देश की लगभग 50 प्रतिशत महिला आबादी की आकांक्षाओं के साथ अन्याय किया है।

सांसद सीपी जोशी ने कहा कि केंद्र की सरकार द्वारा लाया गया नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश की महिलाओं को राजनीति में समान भागीदारी देने की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरगामी निर्णय है। इस कानून के माध्यम से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया, जिससे देश की महिलाएं निर्णय प्रक्रिया में अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी को और मजबूत बना सकें।

सांसद सीपी जोशी ने राजस्थान में पूर्व की कांग्रेस सरकार के समय महिलाओं की स्थिति और कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए बताया कि कांग्रेस सरकार के राज में बेटियां असुरक्षित हुईं। राजस्थान महिलाओं के खिलाफ अपराध में लगातार टॉप राज्यों में रहा। अलवर, जोधपुर, भीलवाड़ा, उदयपुर में हुई घटनाओं ने प्रदेश को शर्मसार किया। हर बार सरकार ने सिर्फ जांच के वादे किए, अपराधियों में डर खत्म हो गया। महिला सुरक्षा के नाम पर घोषणाएं तो बहुत हुईं, लेकिन निर्भया फंड का इस्तेमाल, महिला गश्ती दल, सीसीटीवी कैमरे- जमीन पर काम आधा-अधूरा रहा। चुनाव से पहले प्रियंका गांधी ने 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' का नारा दिया, राजस्थान की बेटियों के लिए वो नारा कहां गया?

प्रिंटिंग प्रेस में करंट लगने से श्रमिक की मौत

जयपुर। महेश नगर इलाके में स्थित कतारपुरा में एक प्रिंटिंग प्रेस में काम करते वक्त करंट की चपेट में आने से एक श्रमिक की दर्दनाक मौत हो गई। जिसके बाद मृतक के भाई ने फैक्ट्री संचालक के खिलाफ लापरवाही से काम करवाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। हेड कॉन्स्टेबल विजय सिंह ने बताया कि करतारपुरा स्थित नेहा इंटर प्राईजेज प्रिंटिंग प्रेस में काम करते वक्त दिनेश (40) करतारपुरा निवासी करंट की चपेट में आ गया था। करंट लगने से वो उछल कर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से झुलस गया। पता चलने पर अन्य साथियों ने उसे गंभीर झुलसी हालत में सवाई मानसिंह हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

वाहनों के इंजन-चेचिस और नंबर प्लेट बदलने वाला गिरफ्तार

जयपुर। (कासं)। जयपुर में वाहन चोरी और फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए जालूपुरा थाना पुलिस ने दिल्ली से चोरी की गई स्कॉर्पियो को बरामद कर लिया है। पुलिस ने गाड़ी के इंजन, चेचिस और नंबर प्लेट बदलकर उसका अवैध उपयोग करने वाले शातिर गिरोह के सदस्य विक्रम जांगिड़ को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की गहनता से जांच में जुटी हुई है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी विक्रम जांगिड़ मूल रूप से जयपुर ग्रामीण क्षेत्र के नाथावाला का रहने वाला है और वर्तमान में वैशाली नगर में किराए के मकान में रह रहा था। आरोपी के कब्जे से हरियाणा नंबर की चोरी की स्कॉर्पियो बरामद की गई है, जिसे दिल्ली से चोरी करने के बाद फर्जी कागजात से चलाया जा रहा था।

ट्रैफिक पुलिस की जांच में खुलासा हुआ

मामले का खुलासा उस समय हुआ जब ट्रैफिक पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने के मामले में स्कॉर्पियो को रोका। पुलिस द्वारा दस्तावेजों की जांच के दौरान गाड़ी पर लगा हरियाणा नंबर संदिग्ध पाया गया। जब दस्तावेजों का सत्यापन किया गया तो पता चला कि यह स्कॉर्पियो दिल्ली से चोरी की गई थी।

इसके बाद ट्रैफिक पुलिस ने मामले की सूचना जालूपुरा थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब गाड़ी के चेचिस नंबर का मिलान किया तो वह भी किसी अन्य वाहन से मेल खाता पाया गया। विस्तृत जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को वाहन सहित हिरासत में ले लिया।

फर्जी नंबर प्लेट व चेचिस का खेल

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी और उसके साथी चोरी की गई गाड़ियों की पहचान छिपाने के लिए अन्य रजिस्टर्ड वाहनों की नंबर प्लेट का इस्तेमाल करते थे।

इसके अलावा इंजन और चेचिस नंबर भी बदलकर गाड़ियों को सड़कों पर चलाया जाता था ताकि किसी को शक न हो। शिकायतकर्ता ने भी पुलिस को बताया कि उसकी गाड़ी के नंबर का दुरुपयोग किया जा रहा था। जिसके बाद पूरे मामले की गंभीरता से जांच शुरू की गई।

गिरोह के बड़े नेटवर्क की आशंका, तलाश शुरू

पुलिस को आशंका है कि यह मामला किसी एक आरोपी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक संगठित वाहन चोरी गिरोह सक्रिय है, जिसके तार बड़े शहरों से जुड़े हो सकते हैं। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि चोरी की गाड़ियों को काटकर उनके पुर्जे अलग-अलग वाहनों में री-असेंबल कर बेचा जा रहा है। बरामद स्कॉर्पियो में लगे पुर्जे भी अलग-अलग कंपनियों के पाए गए हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वाहन को कई हिस्सों में जोड़कर तैयार किया गया था।

पुलिस का मानना है कि पूरे देश से चोरी की गई गाड़ियों को सस्ते दामों का झांसा देकर बेचा जा रहा है। बाद में इन वाहनों को काटकर कबाड़ियों को बेच दिया जाता है या उनके पार्ट्स अलग-अलग वाहनों में इस्तेमाल किए जाते हैं।

जांच में यह भी सामने आया है कि इस पूरे रैकेट में वाहन चोरी करने वाले, फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले दलाल और कबाड़ी शामिल हो सकते हैं। पुलिस अब इस सप्लाई नेटवर्क की गहराई से पड़ताल कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार शुरुआती गिरफ्तारी केवल एक कड़ी है और आने वाले दिनों में इस वाहन चोरी सिंडिकेट से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी संभव है। फिलहाल आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है ताकि पूरे गिरोह का पर्दाफाश हो सके।

National Garlic Day!

Observed on April 19, National Garlic Day honours one of the world's oldest and most versatile ingredients, often called the 'stinking rose.' A member of the lily family, garlic has been used for over 7,000 years across global cuisines. Beyond its strong flavour, it is valued for medicinal benefits, including boosting immunity, reducing blood pressure, and offering antibiotic properties. Steeped in folklore, garlic was once believed to ward off evil spirits and bring courage. Today, the day is best marked by cooking garlic-rich dishes, sharing recipes, or even planting it, celebrating both its culinary charm and health benefits.

#WEATHER

India Braces for Intense Heatwave

Dry winds sweeping across the subcontinent are contributing to the rapid rise in temperatures. These winds reduce moisture in the air, making conditions harsher

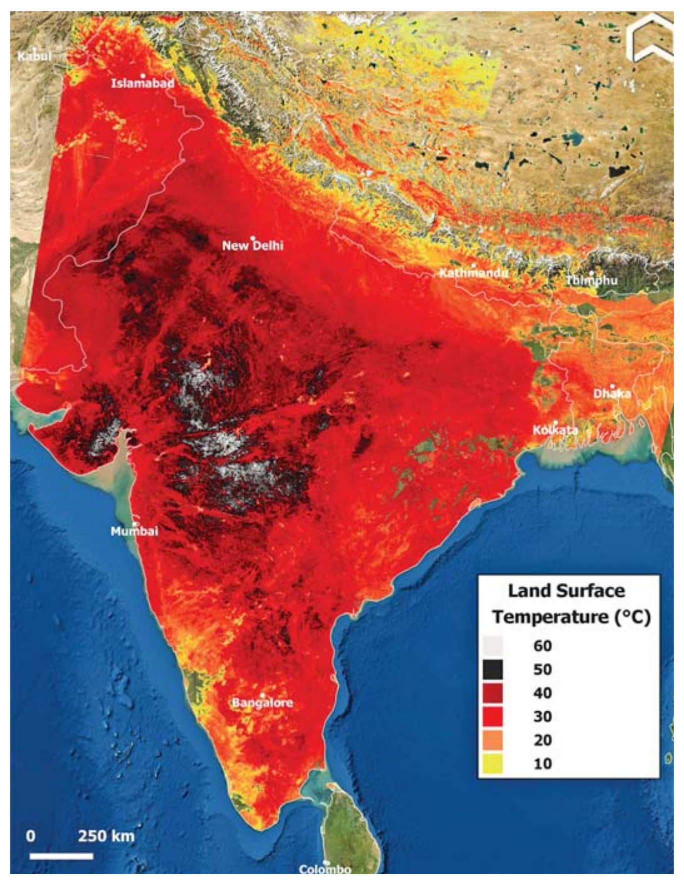

India is currently facing an intense and early heatwave, with temperatures soaring across large parts of the country and expected to remain extremely high over the next two weeks. In many regions, daytime temperatures have already crossed 40-43°C, and forecasts suggest that some areas could see further increases, reaching as high as 43-45°C in the coming days.

According to the India Meteorological Department (IMD), the unusual spike in temperature is being driven by multiple factors. One of the primary reasons is the absence of western disturbances, weather systems that typically bring clouds, rainfall, and cooler conditions to northern India during this time of year. Without these disturbances, skies have remained largely clear, allowing direct solar radiation to heat the land more intensely.

In addition, dry winds sweeping across the subcontinent are contributing to the rapid rise in temperatures. These winds reduce moisture in the air, making conditions harsher and accelerating heat buildup during the daytime. As a result, several regions are recording temperatures that are 4-8°C above normal for this period.

The impact is being felt most severely in states such as Maharashtra, Gujarat, Madhya Pradesh, Rajasthan, and parts of South India. Cities in these regions have already reported temperatures exceeding 42-43°C, prompting authorities to issue heatwave alerts and

advisories. These alerts warn residents of the potential health risks associated with prolonged exposure to extreme heat, including dehydration, heat exhaustion, and heatstroke.

Experts suggest that this pattern is an early indication of a hotter-than-normal summer ahead. Climate trends in recent years have shown an increase in both the frequency and intensity of heatwaves across India, and current conditions appear to align with those projections. The combination of rising baseline temperatures and persistent dry weather is expected to result in more frequent heatwave episodes in the weeks to come.

Authorities are urging people to take precautions, such as staying hydrated, avoiding outdoor activities during peak afternoon hours, and checking on vulnerable populations like the elderly and children. As the heatwave continues to intensify, preparedness and awareness will be key to minimizing its impact. Overall, the current situation highlights the growing challenge of extreme weather in India, with rising temperatures posing serious risks to public health, agriculture, and daily life.

She Stuck It Out And Bore The Kings Of England

John Beaufort became Earl of Somerset.

Henry Beaufort became a cardinal.

Thomas Beaufort became Duke of Exeter.

Medieval England could tolerate noblemen having mistresses, that was practically expected. But the way John and Katherine conducted their relationship was different. He didn't hide her. He brought her to court. He acknowledged their children, four of them, born between 1373 and 1379, all given the surname Beaufort after one of John's castles in France. Their names: John, Henry, Thomas, and Joan Beaufort. All illegitimate. All openly acknowledged by one of England's most powerful nobles. John Beaufort became Earl of Somerset. Henry Beaufort became a cardinal and one of the most powerful churchmen in England. Thomas Beaufort became Duke of Exeter. Joan Beaufort married into Scottish royalty. John Beaufort's granddaughter was Margaret Beaufort. In 1457, at age thirteen, Margaret gave birth to a son: Henry Tudor.

John of Gaunt and Katherine Swynford.

● Bulbul Joshi

She was his mistress for 25 years while he was married to someone else, bore him four illegitimate children, and then he married her anyway, making her a duchess and her children descendants of the Tudor dynasty.

England, 1396. John of Gaunt, Duke of Lancaster, the richest and most powerful nobleman in England, uncle to the king, stood before witnesses and married his mistress. Not a young mistress. Not a strategic alliance. His longtime lover, a woman he'd been sleeping with for over two decades while married to someone else.

Katherine Swynford was about 46 years old. She'd been John's mistress since her twenties. She'd borne him four children. She'd been publicly denounced, called a witch and a whore, blamed for corrupting one of England's most powerful men.

And now he was making her his wife. His duchess. One of the highest-ranking noblewomen in England.

It was one of the most scandalous marriages in medieval English history.

Katherine came to England as a child, probably around 1360, when her father Paon de Roet, a herald and minor knight from Hainault, followed Queen Philippa to the English court.

Katherine and her sister Philippa (who would later marry the poet Geoffrey Chaucer) were brought up in the queen's household. Good education for girls from knightly families, but nothing remarkable. They were expected to make decent marriages to minor nobles and live quiet, respectable lives. Katherine did exactly that. Around 1366, she married Hugh Swynford, a knight in the service of John of Gaunt, Duke of Lancaster. John of Gaunt was King Edward III's third surviving son, one of the most powerful men in England. He'd married Blanche of Lancaster in 1359, becoming Duke of Lancaster through that marriage. Blanche was lovely, well-born, wealthy. By all accounts, John loved her.

Katherine entered John's household as governess to his and Blanche's daughters. She was just one of many servants and attendants. Hugh was often away on military campaigns. Katherine managed the children, taught them, lived a quiet life in John's vast household.

Then, in 1368, Blanche died, probably of plague. John was devastated. Katherine was there. Grieving with him. Caring for his children who'd just lost their mother.

And something shifted.

By 1371, it was clear: Katherine Swynford and John of Gaunt were lovers.

But here's the complication: in 1371, John married again. His second marriage was pure politics. Constance of Castile, daughter of the deposed King of Castile. The marriage gave John a claim to the Castilian throne, a claim he'd spend years and fortunes trying to pursue.

He married Constance for power. But he didn't stop sleeping with Katherine. Katherine's husband Hugh died around 1372. She was now a widow with children to support. John set her up with income, estates, a comfortable life. But she wasn't his wife, she was his mistress. Openly. Everyone knew.

And everyone was scandalized.

Medieval England could tolerate noblemen having mistresses, that was practically expected. But the way John and Katherine conducted their relationship was different.

He didn't hide her. He brought her to court. He acknowledged their children, four of them, born between 1373 and 1379, all given the surname Beaufort after one of John's castles in France.

Their names: John, Henry, Thomas, and Joan Beaufort.

#HISTORY

Margaret Beaufort.

Henry Tudor.

All illegitimate. All openly acknowledged by one of England's most powerful nobles while he was married to someone else.

The church was furious. Moralists condemned them. Political enemies used the affair as ammunition, accusing John of being controlled by his mistress, calling Katherine a witch who'd enchanted him.

In 1381, during the Peasants' Revolt, rebels specifically targeted John of Gaunt's properties, and they called for Katherine Swynford to be burned as a witch and whore.

The political pressure became too intense. In 1381, John ended the affair. He sent Katherine away. For thirteen years, they stayed apart. During that time, John pursued his claim to Castile, traveling to Spain with his wife Constance, fighting campaigns, playing politics.

But he never forgot Katherine.

In 1394, Constance of Castile died. John was finally free. Within two years, he married Katherine. Think about what that meant in 1396. John of Gaunt could have married anyone. He was 56 years old, immensely wealthy, uncle to King Richard II, one of the most powerful men in Europe.

He could have made a strategic alliance with a foreign princess. He could have married a young noblewoman and tried for more legitimate heirs. Instead, he married his 46-year-old former mistress. A woman with no great family connections. A woman who'd been publicly denounced as a whore. A woman who'd already given him four illegitimate children.

He married her because he loved her. Because after 25 years, on and off, she was the person he wanted to spend the rest of his life with.

The marriage was shocking. But it was legal. And it transformed Katherine's life completely.

Overnight, Katherine Swynford went from scandal to respectability. From mistress to Duchess of Lancaster. One of the highest ranking women in England. Her four Beaufort children were still illegitimate, but John petitioned King Richard II to legitimize them. In 1397, Richard issued letters patent declaring the Beaufort children legitimate, with all rights of inheritance. Suddenly, John and Katherine's illegitimate children were legally noble. They could inherit. They could marry into aristocracy. They had status. There was one caveat: the legitimization specifically excluded them from the line of royal succession. They were legitimate, but they couldn't claim the throne. That restriction would become important later. John of Gaunt died in 1399. He'd been married to Katherine for only three years. But those three years changed everything. Katherine lived as Duchess of Lancaster until her death in 1403. She was buried in Lincoln Cathedral, not in scandal, but in honour.

Her children, the Beauforts, became major players in English politics. John Beaufort became Earl of Somerset. Henry Beaufort became a cardinal and one of the most powerful churchmen in England. Thomas Beaufort became Duke of Exeter. Joan Beaufort married into Scottish royalty.

And here's where it gets really interesting: John Beaufort's granddaughter was Margaret Beaufort. In 1457, at age thirteen, Margaret gave birth to a son: Henry Tudor.

That baby, descended from Katherine Swynford and John of Gaunt's illegitimate affair, would eventually become King Henry VII, founder of the Tudor dynasty.

Every English and British monarch from 1485 to 1603 was Katherine Swynford's descendant. Elizabeth I. Henry VIII. All of them traced their royal lineage through the Beaufort line, through the legitimized children of a medieval mistress.

Think about how wild that is.

Katherine Swynford started as a governess. Became a scandalous mistress. Was denounced as a whore and a witch. Bore four illegitimate children. And ended up as the ancestress of the Tudor dynasty. If John of Gaunt hadn't married her, the Beauforts wouldn't have been legitimized. If the Beauforts hadn't been legitimized, Margaret Beaufort wouldn't have had any claim to pass to her son. If Henry Tudor didn't have that Beaufort claim (however tenuous), he likely wouldn't have won support to challenge Richard III.

The entire Tudor dynasty, arguably England's most famous royal house, traces back to a medieval affair that scandalized England for decades. Katherine lived long enough to see her children established, respected, powerful. She died in 1403, buried with honours as Duchess of Lancaster. Not everyone gets a happy ending. Katherine did.

After 25 years as a mistress, enduring public condemnation, political attacks, accusations of witchcraft, she spent her final years as a respected duchess with legitimized children. Her story is remarkable not because it was typical (it absolutely wasn't), but because it shows how love, persistence, and sheer determination could occasionally crack open the rigid structures of medieval society. John of Gaunt had every political reason to abandon Katherine. He didn't. When he finally could marry her, he did, immediately.

Katherine had every reason to accept her position as mistress quietly. She didn't. She bore his children openly. She endured the scandal. And when he finally married her, she claimed her position as duchess without apology.

The next time you see a portrait of Henry VIII or Elizabeth I, remember: they existed because a medieval duke loved his mistress enough to marry her, and because that mistress was strong enough to endure decades of scandal without backing down.

rajeshsharma1049@gmail.com

#INNOVATION

Kedali Transformed Idli

Idlis From Dal-Based Origins to Protein-Packed South Indian Staple

Idli, the soft, fluffy steamed cake that is a breakfast favorite across South India, is often thought of as a simple rice-based dish. However, the origins of idli are far older and more surprising, they were originally made from lentils (dal), not rice. Tracing its journey from early Southeast Asia to India reveals a fascinating story of culinary evolution, nutrition, and cultural exchange.

Early Origins: Dal-Based Idlis in Indonesia

Historical accounts suggest that idli-like preparations existed in Indonesia and other parts of Southeast Asia long before rice became the dominant ingredient in South India. In these early versions, a batter made of fermented chickpeas, black gram, or other lentils was steamed to create a soft, protein-rich cake. In Indonesia, a similar dish called 'kedali' or 'kedelai' (meaning soybean or legume-based cake) was common among local communities. The fermentation process not only improved digestibility but also added a mild tang and preserved the dish for longer periods. The use of dal as the primary ingredient made these cakes nutritionally dense, especially in protein, which was vital for communities relying on vegetarian diets. The dish was portable, easy to cook over steam, and provided sustained energy for daily labourers and traders.

Introduction to India: The Chola Influence

It is believed that the Cholas, one of the great dynasties of South India (circa 9th-13th centuries), encountered these dal-based steamed cakes during their trade and military expeditions in Southeast Asia. They brought the idea back to the Indian subcontinent, where local ingredients and tastes began to influence the recipe.

Over time, rice was incorporated alongside dal to create a more balanced and voluminous batter. This adaptation made idlis lighter, fluffier, and easier to ferment. The combination of rice and lentils became standard in South Indian cuisine, and the classic idli, as we know it today, was born.

The Role of Soy and Lentils in Nutrition

Traditional idli batters use split black gram (urad dal) alongside rice. Some modern variations have experimented with soybeans, moong dal, or other legumes to further increase the protein content. Using more dal in the batter not only enhances nutrition but also improves fermentation, resulting in a slightly tangy flavour and soft, spongy texture. By adjusting the rice-to-dal ratio, contemporary cooks have created high-protein idlis suitable for vegetarians, athletes, and anyone seeking a nutritious, low-fat breakfast. The dal contributes essential amino acids, iron, and B vitamins, making the dish more than just comfort food, it becomes a balanced source of energy.

Cultural and Culinary Significance

Idlis are more than a breakfast dish; they are a reflection of historical trade, cross-cultural exchange, and agricultural adaptation. From dal-based cakes in Southeast Asia to rice-lentil blends in South India, the evolution of idli mirrors how cuisines adapt and innovate over time while preserving nutritional value. Steamed idlis also demonstrate an early understanding of fermentation, which improves digestibility, enhances flavours, and preserves food without refrigeration, a technique common across Southeast Asia and India.

Modern Innovation

Today, chefs and home cooks continue to experiment with dal-heavy idlis, incorporating soy, chickpeas, and moong dal to create protein-rich, gluten-free variants. Some even use millets along with dal to make healthy fusion idlis, retaining the traditional softness while boosting nutritional benefits.

THE WALL

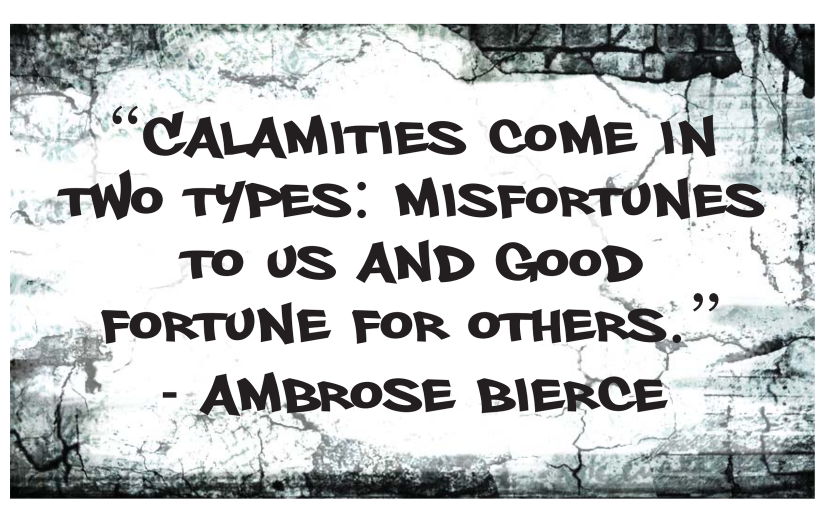

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

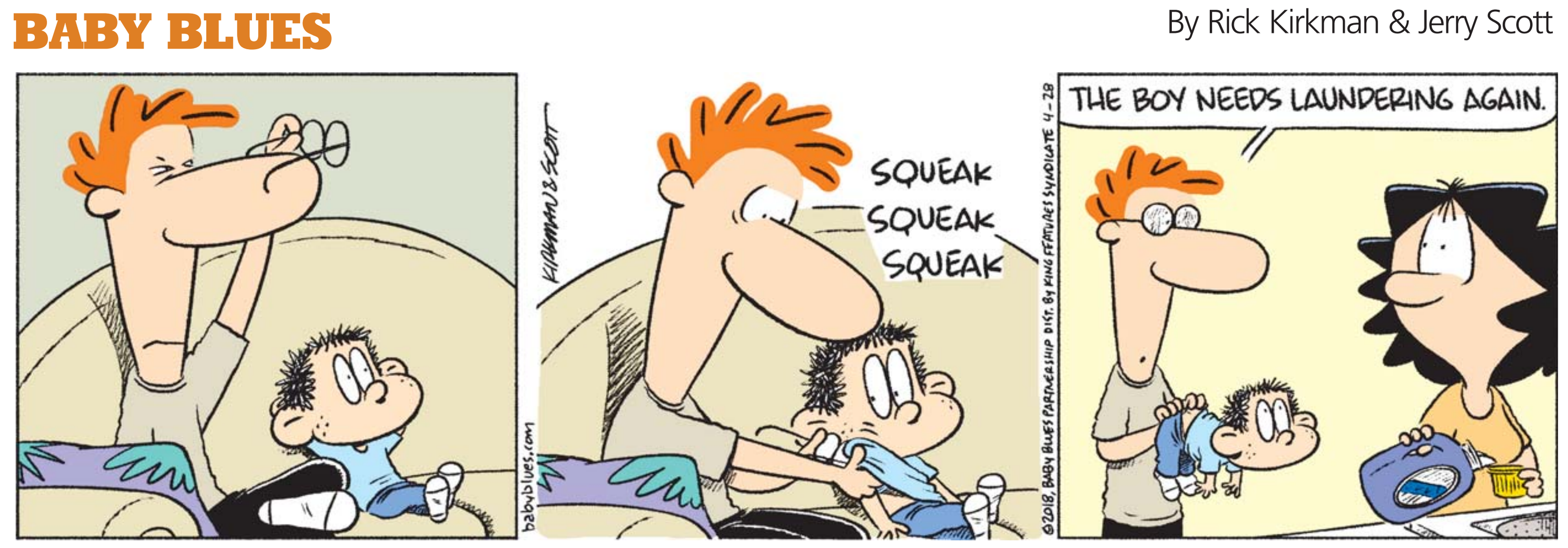

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

"विश्व धरोहर दिवस" पर जोधपुर में रियासती रेलवे विरासत की प्रदर्शनी लगाई

प्रदर्शनी में विशेष रूप से रियासतीकालीन रेलवे से जुड़े मॉडल्स को प्रदर्शित किया गया

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल कैरेज वर्कशॉप में शनिवार को "विश्व धरोहर दिवस" के अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी केवल मॉडल्स का प्रदर्शन भर नहीं रही, बल्कि यह भारतीय रेल के गौरवशाली अतीत की जीवंत झलक बनकर सामने आई।

■ **प्रदर्शनी में प्रदर्शित स्टीम इंजनों, पुरानी बोगियों और स्टेशन संरचनाओं के मॉडल्स ने उस युग की तकनीकी कुशलता और स्थापत्य कला को भी उजागर किया**

मुख्य कारखाना प्रबंधक रवि मीणा ने बताया कि जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रदर्शनी में विशेष रूप से रियासतीकालीन रेलवे से जुड़े मॉडल्स को प्रदर्शित किया गया। ये मॉडल उस दौर की कहानी कहते हैं, जब मारवाड़ क्षेत्र में रेल केवल परिवहन का साधन नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का माध्यम बनी थी।

इतिहास पर नजर डाले तो जोधपुर रियासत में रेलवे की शुरुआत 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में हुई, जब मारवाड़ राज्य ने अपने व्यापारिक हितों और सामरिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए रेल नेटवर्क का विकास शुरू किया। जोधपुर-बीकानेर रेलवे उस समय की प्रमुख रियासती रेल प्रणालियों में से एक थी, जिसने पश्चिमी राजस्थान को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऊंटों और बैलगाड़ियों पर निर्भर क्षेत्र में रेल के आगमन ने व्यापार, विशेषकर नमक, ऊन और मसालों के परिवहन को नई गति दी। प्रदर्शनी में प्रदर्शित स्टीम इंजनों, पुरानी बोगियों और स्टेशन संरचनाओं के मॉडल्स ने उस युग की तकनीकी कुशलता और स्थापत्य कला को भी उजागर किया। उस समय के लोकोमोटिव न केवल इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण थे, बल्कि वे उस युग की औद्योगिक क्रांति के प्रतीक भी माने जाते थे। प्रदर्शनी में बॉम्ब शैल विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। वर्ष 1942 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान कार्यशाला में आवश्यकता अनुसार बॉम्ब शैल और अन्य सैन्य उपकरणों का उत्पादन किया गया था, जो उस समय रेलवे की बहुआयामी भूमिका को दर्शाता है। इस ऐतिहासिक योगदान को दर्शाने वाला एक विस्तृत शिलालेख भी प्रदर्शनी में रखा गया, जिसने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इसके अलावा आईसीएफ स्लीपर कोच,कंटेनर वैगन, टैंक, वुडेन स्लीपर कोच, स्टीम लोकोमोटिव मॉडल तथा सेमी हाई स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस के मॉडल भी प्रदर्शनी में प्रमुख आकर्षण बने रहे, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और उन्होंने रेलवे के ऐतिहासिक से आधुनिक सफर को करीब से महसूस किया।

मुख्य कारखाना प्रबंधक के अनुसार प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को यह समझाना रहा कि आज की आधुनिक रेलवे जिन उन्नत तकनीकों और सुविधाओं के साथ कार्य कर रही है, उसकी नींव इन्हीं ऐतिहासिक प्रयासों पर आधारित है। यह आयोजन न केवल अतीत को संजोने का प्रयास था, बल्कि भविष्य के लिए प्रेरणा देने का भी माध्यम बना।

टोंक में कहासुनी के बाद लाठी व पत्थरबाजी में बुजुर्ग की मौत

टोंक, (निसं)। निवाई थाना क्षेत्र के गांव भांवता में दो पक्षों में विवाद ज्यादा बढ़ने के बाद लाठी व पत्थरबाजी में गंभीर चोट लगने से बुजुर्ग की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार निवाई थाना क्षेत्र के भांवता गांव में शुक्रवार देर रात्रि को दो पक्षों के बीच मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। इस दौरान लाठी व पत्थर चलने के बाद दोनों पक्षो में कई लोग घायल हो गए। घटना में बुजुर्ग प्रभु बैरवा पुत्र ग्यारसी बैरवा निवासी भांवता खेड़ा की ढाणी की उपचार के दौरान मौत हो गई। इस हिंसक झड़प में मृतक प्रभु बैरवा का बेटा निम्बू भी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरे पक्ष से कजोड़ बैरवा, सतू देवी और मूर्तियां देवी भी घायल हुए हैं। घटना की सूचना के बाद अस्पताल में वृताधिकारी निवाई रवि प्रकाश शर्मा और निवाई थाना प्रभारी घासीराम उपजिला अस्पताल निवाई घायलो से मिलने पहुंचे तथा वहां उन्होंने घायलों की स्थिति का जायजा लिया। घटना के बाद अस्पताल में सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे तनावपूर्ण स्थिति बन गई, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मृतक प्रभु बैरवा के शव को कब्जे में लेकर उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। थाना प्रभारी घासीराम ने बताया कि मृतक के परिजनों की शिकायत पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये विवाद मामूली कहासुनी से शुरू हुआ था, जो बाद में हिंसक संघर्ष में बदल गया। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

हनुमानगढ़ में सड़क निर्माण में गड़बड़ी पर हंगामा किया

हनुमानगढ़, (निसं)। जंक्शन क्षेत्र में राजीव चौक से बस स्टैंड रोड पर चल रहे सड़क निर्माण कार्य में अनियमितताओं को लेकर शनिवार को हंगामा हो गया। निर्माण में लेवल गड़बड़ी से नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीष मक्कासर के नेतृत्व में राजीव चौक के पास चक्काजाम कर दिया। इस प्रदर्शन के कारण कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा।

■ **कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर आंदोलन की चेतावनी दी**

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सड़क किनारे लगभग 20 फीट क्षेत्र में लगाए जा रहे सीमेंट निर्मित चौकों को एक समान लेवल में नहीं बिछाया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप सड़क कहीं ऊंची और कहीं नीची बन रही है, जिससे भविष्य में आमजन व व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता और तकनीकी मानकों की अनदेखी का आरोप लगाया।

जिलाध्यक्ष मनीष मक्कासर ने बताया कि हाल की बारिश में शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति सामने आई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बावजूद नगर परिषद और प्रशासन निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर गंभीर नहीं हैं और पुरानी गलतियों को दोहराया जा रहा है। मक्कासर ने यह भी बताया कि जंक्शन में राजीव चौक से बस स्टैंड तक 40 फीट चौड़ी सड़क का निर्माण हो रहा है। हालांकि, इसमें से लगभग 20 फीट हिस्से में सीमेंट चौके लगाकर जगह घेर ली गई है, जिससे सड़क की उपयोगिता कम हो रही है। कार्यकर्ताओं ने यह भी शिकायत की कि पिछले एक महीने से निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है और टूटी सड़क पर पत्थर डालकर छोड़ दिए गए हैं, जिससे आवागमन में बाधा आ रही है।

प्रदर्शनकारियों ने एक और आरोप लगाया कि सीमेंट चौकों का लेवल नालियों से नीचे रखा जा रहा है। इससे बरसात के दौरान पानी की निकासी प्रभावित होगी और दुकानों के सामने जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि निर्माण कार्य को तकनीकी मानकों के अनुसार ठीक नहीं किया गया, तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे।

टारगेट पूरा करने के दबाव में पोस्टमैन ने एक ही व्यक्ति के 20 आरडी खाते खोले

अलवर, (निसं)। प्रतापगढ़ में डाक विभाग से जुड़ा एक अजीब मामला सामने आया है, जहां एक पोस्टमैन ने टारगेट पूरा करने के लिए एक ही ग्राहक के नाम पर 20 आरडी खाते खोल दिए।

■ **पोस्टमैन कैलाश मीणा का कहना है कि मार्च महीने में उन्हें 101 आरडी खाते खोलने का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन लक्ष्य पूरा नहीं हो पाया**

पीड़ित मनोज के अनुसार, उसने 25 मार्च को पोस्ट ऑफिस में एक आरडी खाता खुलवाने के लिए पोस्टमैन कैलाश मीणा को दो हजार रुपए दिए थे। कैलाश मीणा प्रतापगढ़ पोस्ट ऑफिस में पोस्टमैन हैं। उसने 26 मार्च को एक ही फॉर्म पर साइन करवाकर 100-100 रुपए के 20 अलग-अलग खाते खोल दिए। मनोज ने कहा कि शुक्रवार को पोस्टमैन 20 पासबुक उसके पास छोड़ गया। जब उसने इस बारे में सवाल किया तो पोस्टमैन ने बताया कि उसके टारगेट पूरे नहीं हो रहे थे, इसलिए उसने ऐसा किया और आगे खुद ही पैसे जमा करवाने की बात कही। इस पर मनोज ने आपत्ति जताई और पोस्टमैन से कहा कि वह 20 खातों का क्या करेगा और इतनी सारी पर्चियां कैसे संभालेगा। मनोज ने खुद की किराने की दुकान पर सभी पासबुक रखकर लोगों को भी इस मामले की जानकारी दी।

पोस्टमैन कैलाश मीणा का कहना है कि मार्च महीने में उन्हें 101 आरडी खाते खोलने का लक्ष्य दिया गया था। 23 मार्च तक उन्होंने 81 खाते खोल लिए थे, लेकिन लक्ष्य पूरा नहीं हो पाया। उनके अनुसार, कार्यालय के अधिकारी लगातार दबाव बना रहे थे और किसी भी तरह टारगेट पूरा करने के निर्देश दे रहे थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पोस्टमास्टर संजीव यादव उन पर विशेष रूप से दबाव डाल रहे थे। इसी दबाव के चलते उन्होंने एक ही फॉर्म पर हस्ताक्षर करवाकर 20 खाते खोल दिए। कैलाश मीणा ने स्वीकार किया कि उससे गलती हुई है। कहा कि वह ग्राहक के 2 हजार रुपए दो दिन के अंदर वापस कर देगा।

पीड़ित जब इस मामले को लेकर पोस्टमास्टर संजीव यादव के पास पहुंचा तो संतोषजनक जवाब नहीं मिला और उसे पोस्टमैन से ही बात करने को कहा गया।

वहीं, डाक अधीक्षक जब्बार ने कहा है कि मामले की जांच की जाएगी और उसके बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

मां-बेटी के कब्जे से स्मैक जब्त

टोंक, (निसं)। देवली थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए एक मां-बेटी से 600 ग्राम स्मैक और 3 लाख 44 हजार रुपए से अधिक की नकदी जब्त की है।

देवली थानाधिकारी दौलत राम गुर्जर ने बताया कि टीम ने गश्त के दौरान संदिग्ध पाए जाने पर आरोपिया राजराणी देवी पत्नी सत सिंह सांसी और उकीस बेटी शिवानी मालावत को गिरफ्तार कर उसकी तलाशी के बाद राजराणी देवी के कब्जे से 304.4 ग्राम स्मैक और 2 लाख 67 हजार 300 रुपए नकद बरामद की है। वहीं शिवानी मालावत के कब्जे से 300.4 ग्राम शुद्ध स्मैक और 77 हजार 187 नकद मिले। पुलिस टीम ने मौके से अवैध मादक पदार्थ स्मैक और नकदी, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, जिपर पैक प्लास्टिक थैलियों का पैकेट मिला।

कोटा में चलती बस में सीएनजी लीक होने से आग लगी

कोटा, (निसं)। कोटा-अनंतपुरा फ्लाईओवर के नजदीक शुक्रवार देर रात्रि को लोक परिवहन की सीएनजी बस में आग लग गई।

जानकारी के अनुसार बस झालावाड़ जिले के अकलेरा से कोटा आ रही थी। अचानक सीएनजी लीक होने से बस ने आग पकड़ ली और चंद मिनट में आग पूरी बस में फैल गई और भयंकर धुआं फैल गया। गनीमत रही कि बस कोटा से 40 किलोमीटर पहले मंडाना में ही खराब हो गई थी। उस समय बस में सवार दो दर्जन यात्रीयों को मंडाना में दूसरी बस में शिफ्ट कर दिया था और आग लगने की घटना के समय बस में ड्राइवर और कंडक्टर थे, जो सकुशल उतर गए। अनंतपुरा थानाधिकारी रमेश कविया ने बताया कि इलाके में स्थित रियलांस पेट्रोल पंप के सामने शुक्रवार देर रात्रि को एक बस में आग लगी थी, बस में आग की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तत्काल दमकल बुलाई गई। दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया गया। थानाधिकारी ने बताया कि मंडाना में बस में खराब होने से यात्रियों को बस से पहले ही उतार दिया था। घटना के समय चालक व परिचालक बस में थे जो सहकुशल बस से पहले ही उतर गये। नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि बस झालावाड़ से कोटा की तरफ आ रही थी। आग लगने की सूचना मिलते ही तत्काल दो दमकल भेजी और आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन जब तक बस पूरी तरह से जल गई थी।

श्रीगंगानगर में धूल भरी आंधी चली

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से जिले का मौसम शनिवार को पूरी तरह बदल गया। सुबह से ही धूल भरी तेज आंधी के साथ हवाएं चल रही हैं, जिससे मौसम में ठंडक घुल गई है।

पड़ोसी जिले हनुमानगढ़ में शुक्रवार को हुई बारिश के बाद यहां भी मौसम सुहावना हो गया है और दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 23.9 डिग्री और अधिकतम तापमान 41.0 डिग्री रहा, जबकि गुरुवार को न्यूनतम 22.6 डिग्री और अधिकतम 42.4 डिग्री दर्ज किया गया था। इस मौसम बदलाव से गर्मी की चुभन कम हुई है।

डोडा तस्करी के आरोपी को दो साल की सजा सुनाई

जोधपुर, (कासं)। एनडीपीएस न्यायालय जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने 12 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी को 2 वर्ष का कठोर कारावास और बीस हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

गोविन्द जोशी विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर ने बताया कि 17 जून 2014 को बेरू रोड बिश्नोईयों की ढाणियों के पास गोरधनराम कंधे पर एक प्लास्टिक का कट्टा रखे आ रहा था। उसी दौरान राजीव गांधी नगर पुलिस थाना के तत्कालीन थानाधिकारी कपूराराम मय पुलिस जाब्ता के गश्त पर थे। पुलिस को देखकर को देखकर वह दोनों कट्टे लेकर भागने लगा। पुलिस द्वारा पीछा कर पकड़ा गया। दस्तयाब कर कट्टे की तलाशी लेने पर उसमें से 5.250 किलोग्राम डोडा-पोस्त का चूरा बरामद हुआ। इस पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर गोविन्द जोशी अपना पक्ष रखते कहा कि वर्तमान में अवैध मादक पदार्थों के मामलों में उत्तरोत्तर वृद्धि होने, अवैध मादक पदार्थों से युवाओं का भविष्य बर्बाद होने से यह अपराध गंभीर किस्म की प्रकृति का है। उसका समाज में प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए आरोपी को कठोरतम सजा दी जानी चाहिए। जबकि आरोपी ने नरमी बरतने का आग्रह किया।

विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत 10 गवाह, 23 दस्तावेजी साक्ष्य और 3 आर्टिकल के आधार पर अभियुक्त गोरधनराम पुत्र जगरूप राम विश्नोई निवासी बिश्नोईयों की ढाणिया, बेरू पुलिस थाना राजीव गांधी नगर, जोधपुर को अवैध मादक पदार्थ डोड-पोस्त रखने के आरोप में दोषी ठहराते हुए दो वर्ष का कठोर कारावास व बीस हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई।

कोटा में अफीम सहित दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। मादक पदार्थ विरोधी अभियान को जारी रखते हुए केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) जयपुर सेल के अधिकारियों की टीम ने जिला भीलवाड़ा के गांव अरणिया घोड़ा शाहपुर रोड कृषि विज्ञान केन्द्र के पास कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ 4.275 किलोग्राम अफीम सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से जिला भीलवाड़ा के गांव अरणिया घोड़ा शाहपुर रोड से अवैध मादक पदार्थ अफीम ले जा रहे हैं। इस सूचना पर सीबीएन जयपुर सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। टीम ने मौके पर कड़ी निगरानी रखते हुए उक्त व्यक्तियों और मोटरसाइकिल की पहचान करने के बाद उन्हें कृषि विज्ञान केंद्र के पास रोक लिया। टीम ने मौके पर मोटरसाईकिल की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल से जुड़े एक बैग के अंदर रखे चार पॉलिथीन पैकेटों से 4.275 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की गई। टीम ने मौके पर बरामद अफीम और वाहन को जब्त कर लिया। टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, मामले में आगे की जांच प्रकिया जारी है।

टोंक : ट्रक की टक्कर लगने से तेल के टैंकर में छेद हुआ

टोंक, (निसं)। मेहंदवास थाना क्षेत्र स्थित नेशनल हाईवे 52 पर शनिवार को ट्रक की टक्कर से तेल से भरे टैंकर में एक बड़ा छेद हो गया, जिसके बाद टैंकर से तेल की धार बहने लगी। बाद में देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और सरसों का तेल भरने के लिए लोग प्लास्टिक की बाल्टियां और स्टील के पीपे लेकर आ पहुंचे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक की टक्कर से टैंकर के पीछे करीब 3 इंच का छेद हो गया, जिससे तेल की धार बहने लगी, जिसके बाद सरसों का तेल लूटने के लिए राहगीर और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बर्तनों में तेल भरने लगे।

टैंकर चालक धर्मेंद्र ने बताया कि शनिवार सुबह करीब दस बजे वह कोटा से टैंकर में सरसों का तेल भरकर जयपुर जा रहा था। इस दौरान नेशनल हाइवे 52 पर दाखिया गांव के पास सरसों के तेल से भरे टैंकर को पीछे से एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे टैंकर में करीब 2 से 3 इंच का छेद हो गया। इसके बाद सरसों के टैंकर से तेल की धार फूट पड़ी, ड्राइवर इस छेद को किसी कपड़ा ठूसकर या अन्य तरीके से रोकता, तब तक करीब डेढ़ हजार लीटर सरसों का तेल जमीन पर बह चुका था। इसकी सूचना जैसे ही राहगीरों को लगी तो वे और आसपास रहने वाले ग्रामीण प्लास्टिक की पिपियां, लोहे और स्टील के बर्तन लेकर घटना स्थल पर आ पहुंचे। इसके बाद तेल को भरकर घर ले जाने की होड़ मच गई। हालांकि करीब आधा घंटे बाद तेल की धार को कपड़ा ठूंसकर रोका गया। मेहंदवास थाना प्रभारी रामसिंह का कहना है कि मामले में अभी तक किसी भी पक्ष की तरफ से मामला दर्ज नहीं करवाया गया है, शुरुआती तौर पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पत्नी ने पति पर दूसरी शादी करने का आरोप लगाया

अलवर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति पर दूसरी शादी करने का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दी है। पीड़िता के अनुसार उसकी शादी 1 अप्रैल 2022 को हुई थी। उसके दो बेटियां हैं। महिला का आरोप है कि बेटियों के जन्म के बाद से उसका पति उसके साथ मारपीट करने लगा। उसके ससुराल पक्ष के अन्य लोग भी दहेज की मांग कर रहे हैं। महिला ने बताया कि उसे सूचना मिली कि उसका पति बिना बताए दूसरी शादी कर रहा है। इस पर वह पुलिस को लेकर मौके पर पहुंची। इस दौरान उसके पति को पुलिस के आने की भनक लगते ही मौके से फरार हो गया। वहीं दूसरी ओर ससुराल पक्ष ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि उनके बेटे की शादी नहीं हो रही थी, बल्कि परिवार में उसकी बहन की शादी का कार्यक्रम था।

बीकानेर में हिस्ट्रीशीटर के अवैध मकान को बुलडोजर से तोड़ा

बीकानेर, (निसं)। शहर में अपराधियों के खिलाफ पुलिस-प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए सर्वोदय बस्ती में हिस्ट्रीशीटर सीताराम पुत्र रामकिशन जाट उर्फ सीताराम कस्वां के अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया। बीडीए की मांग पर भारी पुलिस जाब्ते की मौजूदगी में 'पीला पंजा' मकान पर चला और अवैध हिस्सों को मलबे में तब्दील कर दिया गया।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, सीताराम कस्वां के खिलाफ बीकानेर के विभिन्न थानों में 11 से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। ऐसे में अपराधियों पर लगाम कसने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई। बुलडोजर की गड़गड़ाहट के साथ ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। कार्रवाई के दौरान सीओ सिटी अनुज डाल, थानाधिकारी बिजेंद्र शीला सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। वहीं बीडीए के तहसीलदार महेंद्र सिंह रत्नू मौके पर मौजूद रहकर पूरी कार्रवाई की निगरानी करते रहे। प्रशासन ने इस कार्रवाई के जरिए स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराध और अवैध कब्जे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

बीकानेर में चाइनीज मांझे से बच्चे का गला कटा, मौत

चाइनीज मांझे से गले में ब्लड सप्लाई करने वाली नस कट चुकी थी, इससे बच्चे की मौत हो गई

बीकानेर, (निसं)। चाइनीज मांझे से गला कटने के कारण आठ साल के बच्चे की मौत हो गई। मांझे से बच्चे की श्वांस नली तक कट चुकी थी। घटना देशनोक में ओवरब्रिज पर चढ़ते समय हुई।

■ **पिता के साथ बाइक पर शॉपिंग करने बाजार जा रहा था, बाइक पर आगे बैठा हुआ था बालक**

जानकारी के अनुसार कि उदासर गांव निवासी किशनलाल अपने बेटे विराट (8), पत्नी और बेटी को बाइक से बीकानेर ले जा रहा था। विराट बाइक पर आगे बैठा हुआ था। परिवार में शादी होने के कारण सभी लोग खरीदारी के लिए निकले थे। पोस्टमॉर्टम करने वाली मेडिकल टीम के अनुसार चाइनीज मांझे से गले में ब्लड सप्लाई करने वाली नस कट चुकी थी। इससे उसकी मौत हो गई। देशनोक ओवरब्रिज पर चढ़ते समय अचानक चाइनीज मांझा विराट की गले में उलझ गया। मांझे से बच्चे के गले पर गहरा घाव हो गया और वह लहूलुहान हो गया। अचानक बेटे के खून आता देख पिता घबरा गए और उसे देशनोक अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे के माता-पिता मजदूरी करते हैं। पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉ. विजयंत निर्वाण का कहना है कि विराट को अस्पताल लेकर आए, तब तक उसका काफी खून बह चुका था। गले में बहुत ज्यादा गहरा कट लगा था, जिससे ब्लड सप्लाई करने वाली नस कट चुकी थी। देशनोक थानाधिकारी सुमन शेखावत ने बताया कि चाइनीज मांझे का उपयोग कौन कर रहा है, इसका पता लगा रहे हैं।

अजमेर : अक्षय तृतीया पर बाल विवाह की रोकथाम के लिये रैली निकाली

रैली के माध्यम से लोगों को बाल विवाह के विरुद्ध शपथ दिलाई

अजमेर, (कासं)। बाल अधिकारों की सुरक्षा और बाल विवाह की रोकथाम के उद्देश्य से राजस्थान महिला कल्याण मंडल द्वारा अक्षय तृतीया के अवसर पर सतर्कता दिवस मनाते हुए जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। संस्था जिला प्रशासन, पंचायतों, विद्यालयों और धर्मगुरुओं के सहयोग से जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए लगातार अभियान चला रही है। इस दौरान लोगों को बाल विवाह के विरुद्ध शपथ भी दिलाई गई।

संस्था के संयुक्त निदेशक अनुराग सक्सेना ने कहा कि अक्षय तृतीया जैसे शुभ अवसर की आड़ में बाल विवाह जैसे अपराध को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि जागरूकता अभियानों के चलते ऐसे मामलों में कमी आई है, लेकिन इसे पूर्णत: समाप्त करने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत बाल विवाह दंडनीय अपराध है, जिसमें

राजस्थान महिला कल्याण मंडल द्वारा अजमेर जन जागरुकता रैली निकाली गई।

शामिल होने वाले सभी व्यक्तियों पर कार्रवाई हो सकती है। जागरूकता बढ़ने से अब लोग स्वयं ऐसी घटनाओं की सूचना प्रशासन को दे रहे हैं, जिससे समय रहते रोकथाम संभव हो रही है। रैली को अनुराग सक्सेना ने हरी झंडी दिखाकर किया। कार्यक्रम में नेमीचंद वैष्णव, दीपक जोरम, ज्योति मंडरावलिया, निशा रावत, मयंक रंगा, विक्रांत बोयत सहित सागर महाविद्यालय के विद्यार्थी और स्टाफ उपस्थित रहे।

झुंझुनूं में बेकाबू कार दुकान में घुसी, हादसा टला

सीसीटीवी में कैद हुआ हादसा, कार ने बाहर खड़ी बाइकों को मारी टक्कर

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के हाउसिंग बोर्ड इलाके में शुक्रवार शाम तेज रफ्तार एक कार का कहर देखने को मिला, जब एक बेकाबू कार सीधे बाइक गैरेज की दुकान में जा घुसी। हादसे में कई मोटरसाइकिलें क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि कार में सवार युवकों को मामूली चोटें आई। गनीमत रही कि घटना के समय दुकान के बाहर कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हुंडई कार चूरू बाईपास की ओर तेज गति से जा रही थी। अचानक चालक का संतुलन बिगड़ गया और कार लहराते हुए नियंत्रण से बाहर हो गई। इससे पहले कि चालक संभल पाता, कार सीधे बाइक गैरेज के बाहर खड़ी मोटरसाइकिलों से टकरा गई। कार की रफ्तार इतनी अधिक थी कि टक्कर के बाद दुकान का शीशा चकनाचूर हो गया। बाहर खड़ी दो से तीन मोटरसाइकिलों को भारी नुकसान पहुंचा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और स्थानीय लोगों ने तुरंत स्थिति को संभाला। पास के एक मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि कार किस तेजी से दुकान की ओर बढ़ती है और पल भर में टक्कर हो जाती है।

वीडियो सामने आने के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। कार में 3 से 4 युवक सवार थे, जिन्हें हल्की चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना में कार और बाइकों को काफी नुकसान हुआ है, लेकिन किसी प्रकार की जनहानि नहीं होने से लोगों ने राहत की सांस ली।

लालसोट में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दो चचेरे भाइयों को कुचला, मौत

हादसे के बाद आरोपी चालक कार मौके पर छोड़कर फरार हो गया

लालसोट, (निसं)। दौसा जिले के लालसोट में शनिवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। कोथून रोड स्थित लाडपुरा मोड़ पर तेज रफ्तार बेकाबू कार ने बाइक सवार दो चचेरे भाइयों को पीछे से ऐसी टक्कर मारी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों युवक सड़क पर ही तड़पते हुए दम तोड़ बैठे। हादसे के बाद आरोपी चालक कार मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में गुस्सा और दहशत का माहौल है।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान विराट मीणा (20) पुत्र शंकरलाल मीणा, श्रीराम मीणा (25) पुत्र रोशनलाल मीणा दोनों टोंक जिले के दतवास थाना क्षेत्र के जगसरा गांव निवासी और आपस में चचेरे भाई थे। दोनों के पिता सगे भाई हैं। श्रीराम मीणा के बड़े भाई की शादी 20 अप्रैल को होनी थी। घर में तैयारियां जोरों पर थी, लेकिन हादसे की खबर मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया। शादी के ठीक 2 दिन पहले घर से एक साथ दो जवान बेटों की अर्थियां उठने की नौबत आ गई। श्रीराम मीणा अपने पीछे 2 साल का मासूम बेटा छोड़ गया, जो अब पिता के साये से हमेशा के लिए वंचित हो गया। परिजनों ने बताया कि 16 अप्रैल को लगन समारोह में बांटने के लिए स्टील के बर्तन लाए गए थे। शनिवार को दोनों युवक बचे हुए बर्तनों को दुकानदार को लौटाने के लिए लालसोट आ रहे थे।

सूचना मिलते ही लालसोट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शव मोर्चरी च्चुरी में रखवाए गए। दोनों क्षतिग्रस्त वाहन जब्त कर फरार कार चालक की तलाश जारी है।

लालसोट में हुये हादसे के घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया।

■ मृतक श्रीराम मीणा के बड़े भाई की शादी 20 अप्रैल को होनी थी, घर में तैयारियां जोरों पर थी, हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया

चौमूं में तेज रफ्तार पिकअप और स्लीपर बस में भीषण टक्कर

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पिकअप में फंसे चालक को बाहर निकाला।

चौमूं/जयपुर। चौमूं थाना क्षेत्र में जयपुर-सीकर हाईवे स्थित राधा स्वामी बाग चौराहे पर शनिवार सुबह एक तेज रफ्तार पिकअप और स्लीपर बस के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसा इतना जोरदार था कि सब्जियों से लदी पिकअप के परखच्चे उड़ गए और चालक वाहन में ही बुरी तरह फंस गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चौराहे पर स्लीपर बस खड़ी थी और यात्री उतर रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही पिकअप अनियंत्रित होकर बस में जा घुसी। टक्कर की आवाज से आसपास के लोग सहम उठे। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पिकअप में फंसे चालक को बाहर निकालने के लिए कड़ी मशक्कत की और उसे गंभीर हालत में नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार घायल की स्थिति नाजुक बनी हुई है और उपचार जारी है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहन को हटाकर यातायात बहाल कराया। हादसे के कारण नेशनल हाईवे-52 पर लंबा जाम लग गया, जिससे कई किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लग गई और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। थाना प्रभारी हरबेन्द्र सिंह ने बताया कि घायल चालक की पहचान सतीश पुत्र सागरमल निवासी सीकर के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

■ हादसे में सब्जियों से लदी पिकअप के परखच्चे उड़ गए और चालक वाहन में ही फंस गया

■ पिकअप में फंसे चालक को बाहर निकाल गंभीर हालत में नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया

193 खेजड़ी काटने के मामले में तीन महीने बाद भी आरोपी गिरफ्तारी से दूर

बीकानेर, (निसं)। सरकार ने खेजड़ी को राज्य वृक्ष का दर्जा तो दिया, लेकिन उसकी रक्षा को लेकर शुरू से ही उदासीनता बरती गई है। पूगल में सोलर प्लांट पर जनवरी में 193 खेजड़ी के पेड़ काटे गए थे। पटवारी ने प्लांट के सुरक्षा गार्ड और कर्मचारियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा का केस दर्ज करवा दिया। हैरानी की बात है कि तीन महीने बाद भी इस केस में पुलिस किसी को गिरफ्तार नहीं कर पाई, जबकि खेजड़ी कटाई के मामलों में एसपी के तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश हैं।

यह घटना 16 जनवरी 2026 की है। पूगल में मैसर्स एनएचपीसी लिमिटेड के सोलर प्लांट पर खेजड़ी के 193 पेड़ काटे गए थे। पटवारी हंसराज और नायब तहसीलदार सुभाष मीणा मौके पर गए, लेकिन उन्हें प्लांट के बाहर ही रोक दिया गया। दोनों अधिकारी करीब एक घंटे तक बाहर ही खड़े रहे। इस संबंध में पटवारी ने सुरक्षा गार्ड और कर्मचारियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा का मुकदमा धारा 132 बीएनएस के तहत पूगल थाने में दर्ज कराया था। मुकदमे की जांच एसएचओ समरवीर सिंह खुद कर रहे हैं, लेकिन अब तक एक भी गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। एसएचओ का कहना है कि जांच चल रही है। यही नहीं, हाल ही में भानीपुरा में एक सोलर प्लांट पर राज्य वृक्ष खेजड़ी के 74 पेड़ काटने के मामले में कानूनी कार्यवाही के लिए तहसीलदार ने एसएचओ को परिवाद दिया। उस पर कोई एक्शन नहीं लिया जा सका है।

सोलर प्लांट लगाने के लिए राज्य वृक्ष खेजड़ी की कटाई बदस्तूर जारी है। एक अनुमान के अनुसार बीकानेर पांच साल में 60 हजार से ज्यादा खेजड़ी के पेड़ काटे जा चुके हैं। बिश्नोई समाज और ग्रामीणों के विरोध के दबाव में ही हर बार उपखंड प्रशासन और पुलिस को कार्यवाही करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। लगभग सभी मामलों में टेनेंसी एक्ट की धारा 86 के तहत जुर्माना लगाकर सोलर कंपनियों को छोड़ा जा रहा था, लेकिन पहली बार पूगल एसएडीएम ने भानीपुरा की सोलर कंपनी पर धारा 212 के तहत पेड़ों की कटाई पर ही रोक लगा दी है।

■ खेजड़ी कटाई के मामलों में एसपी ने तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दे रखे हैं

चेक अनादरण के आरोपी को सजा सुनाई

अजमेर/मसूदा, (कासं)। चेक अनादरण के एक महत्वपूर्ण मामले में न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी को दोषी करार दिया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट, मसूदा ने अभियुक्त गणपत सिंह पुत्र गम सिंह निवासी मानपुरा को एक वर्ष के कारावास तथा एक लाख सत्तर हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित करने के आदेश जारी किए हैं। प्रकरण के अनुसार परिवादी सुखदेव सिंह रावत ने अपने अधिवक्ता पवन कुमार जीनगर के माध्यम से न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया था। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए यह सजा सुनाई।

पॉक्सो के दोषी को 10 वर्ष का कारावास

मसूदा, (निसं)। ब्यावर अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने पॉक्सो एक्ट के एक गंभीर मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर 15 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। जुर्माना अदा नहीं करने पर अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहम्मद हारून ने अपने फैसले में आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 363 के तहत 4 वर्ष, धारा 376 के तहत 10 वर्ष तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 3/4 के तहत 10 वर्ष के कठोर कारावास से दंडित किया। सभी धाराओं में अलग-अलग अर्थदंड भी निर्धारित किया गया है। अपर लोक अभियोजक ईश्वरचंद सौलंकी के अनुसार, मामला जुलाई 2023 का है। मसूदा थाना क्षेत्र में एक नाबालिग पीड़िता के पिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि आरोपी ओमप्रकाश पुत्र मोहनलाल, निवासी मसूदा, ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने जांच पूरी कर आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। लगभग 33 माह तक चले इस मामले में अभियोजन पक्ष ने 15 गवाह और 31 दस्तावेज प्रस्तुत किए। सभी साक्ष्यों और तथ्यों पर विचार करने के बाद न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई, जिससे पीड़िता को न्याय मिला।

■ लगभग 33 माह तक चले इस मामले में अभियोजन पक्ष ने 15 गवाह और 31 दस्तावेज पेश किए

दीप्ति वर्मा का राजस्थान प्रशासनिक सेवा में भी चयन हुआ

दीप्ति वर्मा ने हाल ही में भारतीय प्रशासनिक सेवा की परीक्षा में 876वीं रैंक के साथ अपना स्थान बनाया था

जयपुर। विराटनगर के तेवड़ी गांव की बेटी दीप्ति वर्मा का हाल ही में भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन के बाद अब राजस्थान प्रशासनिक सेवा में भी चयन हुआ है।

■ आरएएस-2024 के परिणाम में भी दीप्ति वर्मा ने एससी महिला कैटेगरी में 27वीं रैंक के साथ जगह बनाई

जानकारी के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा की परीक्षा में दीप्ति वर्मा ने हाल ही में 876वीं रैंक के साथ अपना स्थान बनाया था। वहीं शनिवार को राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा जारी आरएएस-2024 के परिणाम में भी दीप्ति वर्मा ने एससी महिला कैटेगरी में 27वीं रैंक के साथ जगह बनाकर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

दीप्ति वर्मा

दीप्ति वर्मा कोटपुतली बहरोड़ जिले के तहसील विराटनगर में गांव तेवड़ी की रहने वाली है। वर्तमान में दीप्ति अपने परिवार के साथ न्यू लोहा मंडी रोड, 14 नम्बर जयपुर में रहती है। दीप्ति के पिता दौलतराम बुनकर प्रिंसिपल के पद से सेवानिवृत्त है और माता गृहणी है। दीप्ति वर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय संत रामपालजी महाराज के आशीर्वाद, माता-पिता के सहयोग और निरंतर पढ़ाई को दिया है। उनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही सरकारी स्कूल से शुरू हुई, 10वीं क्लास विराटनगर से, 12वीं कक्षा जयपुर के हरमाड़ा स्थित मेहता स्कूल से और ग्रेजुएशन जयपुर के महारानी कॉलेज से उत्तीर्ण हुई है।

चूरू में गर्मी के तेवर शुरू, 42.4 डिग्री पहुंचा पारा

चूरू, (निसं)। पश्चिमी विक्षोभ के कारण अप्रैल में ही गर्मी ने अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। शनिवार को दोपहर करीब ढ़ाई बजे चूरू का अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह 7 बजे से ही सूर्य की किरणें तेज हो गई। दिन चढ़ने के साथ-साथ गर्म हवाओं ने लोगों को परेशान कर दिया, हालांकि शाम चार बजे के बाद आसमान में हल्के बादल छाये। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग ठंडा पेय पदार्थ पी रहे हैं। गर्मी से बचाव के लिए छाते और तौलिये का सहारा लिया जा रहा है।

■ पश्चिमी विक्षोभ से मौसम में बदलाव हुआ

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि वर्तमान में राज्य के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है। पिछले 24 घंटों में बाड़मेर में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

शर्मा ने बताया कि राज्य के उत्तरी भागों में आज आंधी और बारिश के असर से तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। इसके बाद आगामी दिनों में तापमान में पुनः 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। बढ़ती गर्मी के कारण अस्पतालों में उल्टी-दस्त के मरीजों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है।

आरएएस परीक्षा का परिणाम जारी, बाड़मेर के दिनेश विश्नोई प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने शनिवार को राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024 के साक्षात्कार का परिणाम जारी कर दिया। इस परिणाम में कुल 2391 अभ्यर्थियों को वरीयता सूची में स्थान दिया गया है।

परीक्षा में बाड़मेर के दिनेश विश्नोई ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं, जैसलमेर के वीरेंद्र चारण दूसरे तथा भीलवाड़ा के नवनीत शर्मा तीसरे स्थान पर रहे हैं। आयोग द्वारा राज्य सेवाओं के 428 तथा अधीनस्थ सेवाओं के 668 पदों सहित कुल 1096 पदों के लिए 2461 अभ्यर्थियों के साक्षात्कार 1 दिसंबर 2025 से 17 अप्रैल 2026 तक चरणबद्ध रूप से आयोजित किए गए थे।

आयोग सचिव के अनुसार, इस परीक्षा के तहत प्रारंभिक परीक्षा 2 फरवरी 2025 को आयोजित हुई थी, जिसमें पंजीकृत 6 लाख 75 हजार 80 अभ्यर्थियों में से 3 लाख 75 हजार 665 अभ्यर्थी शामिल हुए। 20 फरवरी 2025 को जारी प्रारंभिक परीक्षा परिणाम के आधार पर 21 हजार 541 अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए सफल घोषित किया गया था। मुख्य परीक्षा 17 एवं 18 जून 2025 को आयोजित की गई, जिसमें 17964 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। मुख्य परीक्षा का परिणाम 8 अक्टूबर 2025 को घोषित किया गया था। परिणाम से संबंधित विस्तृत जानकारी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

■ जैसलमेर के वीरेंद्र चारण दूसरे तथा भीलवाड़ा के नवनीत शर्मा तीसरे स्थान पर रहे

महिला से दुष्कर्म

अलवर, (निसं)। अलवर में होटल मैनेजर पर महिला ने रेप करने का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि मैनेजर ने किसी को बताने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

महिला ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि वह 17 अप्रैल को सुबह करीब 8 बजे काम के लिए एक होटल में गई थी। दोपहर में होटल के मैनेजर ने रेप किया। इसके बाद धमकी दी। हिम्मत जुटाकर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट के आधार पर आरोपी होटल मैनेजर के खिलाफ मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पीड़िता का मेडिकल परीक्षण करवाया जाएगा और सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सूरजगढ़ में 11 केवी लाइन टूटी, 10 बीघा में गेहूं की फसल जली

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं जिले के सूरजगढ़ उपखंड के भावठडी गांव में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया, जब 11 केवी बिजली लाइन का तार टूटकर गेहूं की खड़ी फसल पर गिर गया। चंद ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया और करीब 10 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। आग लगते ही खेत में अफरा-तफरी मच गई। लपटें इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पूरा खेत आग की चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद किसानों ने बिना देर किए ट्रैक्टर लेकर आग की घेराबंदी शुरू कर दी, वहीं कई किसान झाड़ियां और पानी के टैंकर लेकर दौड़ पड़े। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

■ ट्रैक्टर लेकर आग बुझाने में जुटे किसान, बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया

जानकारी के अनुसार, किसान अनिल काजला के करीब 35 बीघा खेत में गेहूं की फसल कटाई के लिए तैयार खड़ी थी। अचानक ऊपर से गुजर रही जर्जर 11 केवी लाइन का तार टूटकर गिरा और फसल में आग लग गई। इस हादसे में करीब 10 बीघा फसल पूरी तरह जलकर खाक हो गई, जिससे किसान को भारी नुकसान हुआ है। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीण बड़ी संख्या में पावर हाउस पहुंच गए और धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र की बिजली लाइनें लंबे समय से जर्जर और खतरनाक हालत में हैं, बार-बार शिकायत के बावजूद कोई सुधार नहीं किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की लापरवाही ने एक किसान की सालभर की मेहनत को राख में बदल दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित किसान अनिल काजला को तुरंत उचित मुआवजा दिया जाए, क्षेत्र की सभी जर्जर बिजली लाइनों को तुरंत बदला जाए।

नोखा में सड़क पर युवक का शव मिला

नोखा, (निसं)। थाना क्षेत्र के बंधड़ा टांट गांव के कटनी सड़क मार्ग पर देर रात एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिला। राहगीर से सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। घटना की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। मृतक नागौर का रहने वाला था।

एएसआई जगदीश बिश्नोई ने बताया कि शव की शिनाख्त नागौर जिले के अलाय गांव निवासी मनीष जांगू के रूप में हुई। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर शव की पुष्टि की। युवक की उम्र करीब 22 साल है। परिजनों ने बताया कि मनीष मजदूरी करता है। अमावस्या की छुट्टी होने पर वह काम पर नहीं गया। वो घर से नजदीकी गांव श्रीबालाजी जाने के लिए कहकर निकला था। मृतक विवाहित था। पुलिस को आशंका है कि युवक की हत्या किसी अन्य स्थान पर कर शव को वाहन में डालकर यहां फेंका गया है।

घायल की उपचार के दौरान मौत : निवाई के बरोनी थाना क्षेत्र के पक्का बंधा क्षेत्र में 14 अप्रैल को हुई स्कूल बस मोटरसाइकिल भिड़ंत में घायल हुए व्यक्ति की उपचार के दौरान जयपुर में मौत हो गई।

पुलिस ने बस चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। थानाधिकारी कुसुम ने बताया कि 14 अप्रैल की सुबह पक्का बंधा कट के पास एक स्कूल बस ने मोटरसाइकिल के टक्कर मार दी थी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार गंगाधर गुर्जर व उसकी पत्नी घायल हो गए थे। जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

काटली नदी और सहायक जल स्त्रोतों को बचाने के लिए जन आंदोलन तेज

एनजीटी आदेश की पालना के लिए लोगों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा

उदयपुरवाटी, (निसं)। काटली नदी और उसके सहायक जल स्त्रोतों को बचाने के लिए अब जनआंदोलन तेज हो गया है। काटली नदी बचाओ जन अभियान के बैनर तले बड़ी संख्या में लोगों ने उपखण्ड अधिकारी और तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर नदी, नालों और जल स्त्रोतों के सीमांकन, अतिक्रमण हटाने और संरक्षण की मांग उठाई है। यह कार्रवाई राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के 7 अप्रैल के आदेश के अनुपालन को लेकर की गई, जिसमें जल स्त्रोतों की सुरक्षा को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

अभियान संयोजक सुभाष कश्यप के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में साफ कहा गया कि उदयपुरवाटी क्षेत्र में काटली नदी के सहायक जल स्त्रोत सुकली नदी, जहाज मावता, मोडिया नाला, सांका वाला नाला, जोधपुरा नाला, सोकली नदी सराय, सटिण्डा नाला सहित कई स्त्रोत-अतिक्रमण और उपेक्षा के कारण संकट में हैं। ज्ञापन में मांग की गई कि इन सभी जल स्त्रोतों का तत्काल सीमांकन कर अतिक्रमण हटाया जाए और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों को दुरुस्त किया जाए, ताकि क्षेत्र में जल संकट को रोका जा सके। ज्ञापन में प्रशासन से आग्रह किया गया कि सभी पटवारियों को निर्देशित कर जल स्त्रोतों की वर्तमान स्थिति की रिपोर्ट तैयार करवाई जाए। अवैध कब्जों की पहचान कर तुरंत कार्रवाई की जाए। इस दौरान बड़ी संख्या में बुद्धिजीवियों, अधिवक्ताओं और ग्रामीणों ने हस्ताक्षर कर इस मांग को जनसमर्थन दिया।

■ उपखण्ड अधिकारी और तहसीलदार को सौंपे ज्ञापन में नदी, नालों और जल स्त्रोतों के सीमांकन, अतिक्रमण हटाने और संरक्षण की मांग उठाई

ज्ञापन में मांग की गई कि सिंधु नदी का जल काटली में लाया जाए और नदी के समग्र विकास, संरक्षण और प्रभावितों के पुनर्वास की योजना बनाई जाए। अभियान संयोजक सुभाष कश्यप ने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा और जरूरत पड़ी तो प्रधानमंत्री से मुलाकात कर मांग रखी जाएगी। ज्ञापन के दौरान सतीश मिश्रा, धर्मवीर यादव, दीपक मीणा, करण तेतरवाल, धनसिंह कश्यप, मोहरसिंह, हरलाल सैनी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे, जिन्होंने काटली नदी बचाने के इस अभियान को जनआंदोलन का रूप देने का संकल्प लिया।

नाकाबंदी में कार से 46 लाख रुपये बरामद, दो गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कनवास पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई करते हुए एक कार से करीब 46 लाख रुपये बरामद कर दो जनों को गिरफ्तार किया। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिये ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा के निर्देशन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

■ कोटा ग्रामीण की कनवास पुलिस टीम ने की कार्रवाई

ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस उप अधीक्षक वृत सांगोद नरेन्द्र जैन के सुपरविजन व अंकित कुडी आरपीएस (प्रो.) कनवास थाने के थानाधिकारी अनूप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्ययोजना बनाकर कनवास तिराहा मोरूकला एनएच-52 पर नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान एक कार झालावाड़ की तरफ से आती हुई दिखी जिसे रूकवाया तो कार चालक द्वारा भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने चालक व कार में बैठे व्यक्ति को मौके पर डिटेन कर कार की तलाशी ली तो कार में 46,77,860 रुपये नकद बरामद किये गये। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने कार में बैठे दोनों से नकदी के बारे में पूछताछ की तो कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए कार से बरामद की गई नकदी को जब्त किया एवं शांतिभंग में जिला आगरा उत्तरप्रदेश के चन्दसोरा निवासी शैलेन्द्र शर्मा (27) एवं जिला झांसी के चौकरी निवासी अभयराज सिंह (21) को गिरफ्तार किया। बरामद की गई राशि के बारे में आयकर व जीएसटी विभाग को भी जानकारी दी गई, मामले में जांच की जा रही है।

सीकर में दो महिलायें लापता

सीकर, (निसं)। जिले में एक महिला और युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। युवती मजदूरी करने के लिए गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। वहीं महिला अपनी चार साल की बेटी को लेकर कहीं चली गई। वह भी वापस घर नहीं लौटी है। 28 साल की युवती के भाई ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनकी बहन मजदूरी करने जाती है। 16 अप्रैल को वह मजदूरी करने के लिए सुबह घर से निकल गई थी, लेकिन शाम को वापस नहीं लौटी। युवती जहां पर काम करने गई थी, वहां भी मालूम किया लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। आज तक युवती वापस नहीं लौटी। 27 साल की महिला के पति ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनकी पत्नी अपनी चार साल की बेटी को लेकर 17 अप्रैल की दोपहर को कहीं चली गई। काफी देर बाद तक जब वह वापस नहीं लौटी तो दोनों की तलाश की गई। दोनों ही मामलों में पुलिस जांच कर रही है।

17 देशों के 43 प्रतिभागियों ने देखी राजस्थान विधानसभा, विधायी मसौदे पर भी चर्चा

स्पष्ट और सरल भाषा में जनता की इच्छाएं प्रतिबिंबित करने वाला हो विधायी मसौदा : वासुदेव देवनानी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि कानून निर्माण में विधायी मसौदा महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि विधायी मसौदे में स्पष्ट व सरल भाषा में जनता की इच्छाएं प्रतिबिंबित होनी चाहिए। स्पीकर देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा में विधेयक को पारित कराने की प्रक्रिया अत्यन्त सावधानी पूर्वक और पारदर्शी तरीके से की जाती है। कानून में सर्वोत्तम गुणवत्ता के सभी पहलुओं का समावेश सुनिश्चित किया जाता है। स्पीकर देवनानी शनिवार को यहां राजस्थान विधान सभा में इन्टरनेशनल लेजिस्लेटिव ड्रॉफ्टिंग विषय पर विधायी मसौदा तैयार करने के लिए 37 वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने बांग्लादेश, भूटान, घाना, केन्या, श्रीलंका, तंजानिया, जाम्बिया सहित 17 देशों के 43 प्रतिभागियों से परिचय किया और उनके साथ सामूहिक चित्र भी कराया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग योजना के अंतर्गत लोकसभा सचिवालय के पार्लियामेन्ट्री रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसिस द्वारा आयोजित हुआ।

स्पीकर वासुदेव देवनानी शनिवार को राजस्थान विधानसभा में 17 देशों के 43 प्रतिभागियों से रूबरू हुए। उनके साथ नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग भी मौजूद थे।

स्पीकर देवनानी ने कहा कि किसी भी विधेयक का प्रस्ताव की प्रक्रिया तीन मुख्य चरणों से गुजरती है। उन्होंने कहा कि विधेयक सदन में प्रस्तुत किया जाता है। द्वितीय चरण में विधेयक पर गहन चर्चा के साथ मसौदे को बेहतर बनाने के लिए अक्सर विशेष समितियों की मदद से हर पहलू का बारीकी से विश्लेषण कराये जाने के पश्चात सदन मतदान के लिए एकत्रित होता है। कानून को सशक्त, समझने में आसान और वास्तव में जनता के हित में बनाने के लिए सम्पूर्ण प्रक्रिया को सावधानीपूर्वक सुनिश्चित किया जाता है। स्पष्ट और सरल भाषा का प्रयोग ही न्याय का सार होता है।

देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा लोकतंत्र का सच्चा मंदिर है। यहां सभी का एक साथ विकास करने और महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा कानून पारित कराये जाते है। विधान सभा अपने गौरवशाली स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मना रही है। राज्य के निर्माण के शुरुआती दिनों से लेकर आज के डिजिटल शासन के युग तक विधान सभा में लाखों लोगों के सपनों को कानून में तब्दील किये जाते है। 200 सदस्यों वाली राजस्थान विधानसभा का महत्वपूर्ण हिस्सा आधुनिक डिजिटल संग्रहालय है। यह संग्रहालय जनता विशेषकर युवाओं से जुड़ने का एक सेतु है। देवनानी ने विदेशी प्रतिभागियों से कहा कि राजस्थान विधान सभा के वरिष्ठ और अनुभवी विधायकों के साथ चर्चा विधायी ज्ञान को बढ़ाएगी। ऐसे कार्यक्रम किताबों से परे जाकर अनुभव जानने के दुर्लभ अवसर हैं और संसदीय प्रक्रिया का वास्तविक ज्ञान भी होते हैं। कानून बनाना शासन की वैश्विक भाषा है, जिसे साझा करके हम सभी दुनियाभर में लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सहभागी बनेंगे।

इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान, विधायक डॉ. गोपाल शर्मा, चन्द्रभान सिंह आक्या, कैलाश वर्मा, गुरवीर सिंह, डॉ. शिखा मील बराला मौजूद थे। राजस्थान विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, लोकसभा के प्राइड कार्यक्रम के निदेशक राजकुमार और कार्यक्रम निदेशक के. एम. चतुर्वेदी ने 37वें प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी। भूटान की नेशनल एसेम्बली सचिवालय की विधायी अधिकारी फूर्पा डेमा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। तंजानिया,

> ■ गुलाबी शहर के गुलाबी सदन में विधानसभाध्यक्ष ने विदेशी प्रतिभागियों को बताई जनहित में विधायिका की भूमिका

केन्या और मलेशिया के प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के दौरान केंद्र और राज्य के विषय, महिला आरक्षण, दल-बदल विरोध अधिनियम तथा प्राइवेट बिलों से संबंधित प्रश्न किए। प्रश्नों के उत्तर में सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग एवं प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान ने विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान करते हुए विधायी प्रक्रिया के व्यावहारिक पहलुओं को स्पष्ट किया। विदेशी प्रतिभागियों और विधायकों के मध्य सार्थक संवाद हुआ। लगभग एक घंटे चले संवाद में लोकतंत्र के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। विदेशी प्रतिभागियों ने राजस्थान विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय की सराहना की। उन्होंने संग्रहालय को ज्ञानवर्धक एवं आकर्षक बताते हुए कहा कि इस प्रकार के संग्रहालय लोकतांत्रिक परंपराओं को समझने का प्रभावी माध्यम हैं। प्रतिभागियों ने ऐसे संग्रहालय की सभी देशों में आवश्यकता जताई।

राज्य वित्त निगम को रीको प्रशासन देगा 50 करोड़ रु. अंश पूंजी का सहयोग

औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए इस रकम में से 20 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) द्वारा राजस्थान वित्त निगम को 50 करोड़ रुपये का अंश पूंजी सहयोग देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस योजना के तहत अब तक 20 करोड़ रुपये की राशि जारी भी कर दी गई है, जिससे निगम की वित्तीय स्थिति को मजबूती मिलने लगी है।

जानकारी के अनुसार, यह निर्णय राज्य सरकार की वित्तीय वर्ष 2024-25 की संशोधित बजट घोषणा के अनुरूप लिया गया है, जिसमें राजस्थान वित्त निगम के सुदृढ़ीकरण के लिए सरकार और रीको द्वारा 50-50 करोड़ रुपये देने का प्रावधान किया गया था।

> ■ इस अंश पूंजी सहयोग के बदले राजस्थान वित्त निगम द्वारा रीको को समान मूल्य के इक्विटी शेयर आवंटित किए जाएंगे।

रीको के निदेशक मंडल की स्वीकृति के बाद दोनों संस्थाओं के बीच शेयर सब्सक्रिप्शन एग्रीमेंट भी किया जा चुका है। इसके तहत चरणबद्ध तरीके से राशि जारी की जा रही है।

प्रथम किश्त के रूप में 10 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके थे, जबकि दूसरी किश्त के रूप में भी 10 करोड़ रुपये हस्तांतरित कर दिए गए हैं। इस अंश पूंजी सहयोग के बदले राजस्थान वित्त निगम द्वारा रीको को समान मूल्य के इक्विटी शेयर आवंटित किए जाएंगे। यह व्यवस्था न केवल वित्तीय संतुलन बनाए रखेगी, बल्कि संस्थागत सहयोग को भी मजबूत करेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, इस कदम से राजस्थान वित्त निगम की ऋण देने की क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। नए उद्योगों की स्थापना और विस्तार को प्रोत्साहन मिलने से राज्य में निवेश बढ़ेगा और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। राज्य सरकार का यह निर्णय औद्योगिक आधार को मजबूत करने के साथ-साथ आर्थिक विकास को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है।

निवेशकों से ठगी करने वाले आरोपी को जमानत नहीं

महंगी गाड़ियों और हाई रिटर्न का झांसा देकर करोड़ों रुपए ऐंठने का मामला

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने निवेशकों को महंगी गाडियों और हाई रिटर्न का लालच देकर करोड़ों रुपए की ठगी करने के आरोप में जेल में बंद आरोपी बंशीलाल को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया है।

इसके साथ ही अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका को भी खारिज कर दिया है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश बंशीलाल की ओर से दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

जमानत याचिका में कहा गया कि उसने डिजीटल करेंसी बनाने और लिस्टेड कराने के लिए नियमानुसार कार्रवाई की थी। इसके अलावा उसने किसी प्रकार की ठगी नहीं है।

रजिस्ट्रेशन कर व्यापार करना अपराध नहीं है। इस व्यापार से उसे करीब 2.20 करोड रुपए प्राप्त हुए थे, जिसे उसने खुर्दबुर्द नहीं किए हैं। इसके अलावा वह सात माह से जेल में बंद है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील विजय सिंह यादव ने कहा कि आरोपी ने भ्रामक विज्ञापन कर हर निवेशक को महंगी कार देने का आश्वासन दिया और करीब 250 लोगों से 15 करोड रुपए प्राप्त किए। वहीं भारत सरकार को सूचित किए बिना डिजीटल करेंसी बनाई और ऑनलाइन करीब पांच करोड रुपए प्राप्त किए। ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में राज्य सरकार ने 1150 करोड़ रु. जारी किए

खरीफ 2025 में किसानों के 2237 करोड़ के दावों का त्वरित वितरण सुनिश्चित : कृषि मंत्री

जयपुर। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल ने बताया कि राजस्थान सरकार ने किसानों के हित में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ 2025 सत्र के लिए पंजीकृत 2.17 करोड़ बीमाधारकों को 1150.04 करोड़ रुपये की राज्यांश अनुदान राशि का भुगतान कर दिया है। इस महत्वपूर्ण निर्णय से किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा का मजबूत कवच मिलेगा।कृषि मंत्री ने बताया कि योग्य फसल बीमा पॉलिसीधारक किसानों को खरीफ 2025 के तहत देय लगभग 2237 करोड़ रुपये के दावों का शीघ्र, त्वरित एवं प्राथमिकता आधार पर वितरण किया जाएगा। इससे प्रभावित किसान परिवारों को समय पर वित्तीय सहायता मिल सकेगी, जो उनकी आय सुरक्षा की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। यह योजना किसानों को असफल बुआई, बुआई से कटाई तक खड़ी फसलों में प्राकृतिक आपदाओं से क्षित तथा कटाई उपरांत 14 दिनों की अवधि में पोस्ट-हार्वेस्ट लॉस पर पूर्ण बीमा लाभ प्रदान करेगी। राज्य सरकार दावों के सत्यापन को पारदर्शी, त्वरित एवं तकनीकी आधारित बनाने के लिए कटिबद्ध है, ताकि कोई किसान विलंब का शिकार न हो।

बताया जा रहा है कि किसानों द्वारा 466.14 करोड़ रूपये का प्रीमियम जमा करवाया गया है। किसानों पर प्रीमियम कम पड़े इसके लिए राज्य सरकार द्वारा राज्यांश प्रीमियम अनुदान1150.04 करोड़ रूपये और केंद्र सरकार द्वारा राज्यांश प्रीमियम अनुदान 1150.04 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया हैं, जिससे किसानों पर आर्थिक बोझ कम पड़े। कृषि मंत्री ने कहा कि "राज्य सरकार किसानों की आय दोगुनी करने और जोखिमों से सुरक्षा के प्रति पूर्ण प्रतिबद्ध है। फसल बीमा योजना को और मजबूत बनाकर हर योग्य किसान तक लाभ पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।" यह कदम राजस्थान के किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने अक्षय तृतीया की बधाई दी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अक्षय तृतीया (19 अप्रेल) पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में अक्षय तृतीया का विशेष महत्व है। यह तिथि नए कार्यों की शुरुआत और मांगलिक आयोजनों के लिए अत्यंत शुभ और पुण्यफलदायी है।

शर्मा ने कहा कि प्रगतिशील और जागरूक समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आव्हान किया कि वे समाज में व्याप्त बाल-विवाह जैसी कुरीतियों को दूर करने में अपना योगदान दें।

होम लोन के बदले रखे गए मूल दस्तावेज खोने पर एलआईसी हाउसिंग पर हर्जाना

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-4 ने होम लोन के बदले रखे गए मकान के मूल दस्तावेज खोने को गंभीर सेवा दोष माना है। इसके साथ ही आयोग ने एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लि. 2.60 लाख रुपए का हर्जाना लगाया है।

आयोग ने कहा है कि विपक्षी बैंक मूल दस्तावेजों की प्रमाणित प्रति पर उसकी ओर से मूल दस्तावेज खोने अंकित करे। इसके साथ ही बैंक मूल दस्तावेज खाने का प्रमाण पत्र भी जारी करे। इसके साथ ही इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय समाचार पत्र में संपत्ति का विवरण देते हुए सूचना प्रकाशित कराए।

आयोग ने यह आदेश रविन्द्र नाथ पारीक व अन्य की ओर से दायर परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए। परिवाद में अधिवक्ता जगमोहन पारीक ने अदालत को बताया कि परिवादी ने मकान खरीदने के लिए विपक्षी से कुल 10.50 लाख रुपए का लोन लिया था और मकान के मूल दस्तावेज गिरवी रखे थे। लोक चुकता होने के बाद भी उसे कई दिनों तक मूल दस्तावेज नहीं लौटाए।

जब परिवादी की ओर से लीगल नोटिस दिया गया तो 18 सितंबर, 2020 को विपक्षी ने सब रजिस्ट्रार कार्यालय से मूल दस्तावेजों की सत्यापित कॉपी लेकर उसे दे दी। जबकि मूल दस्तावेजों के अभाव में सत्यापित कॉपी का कोई महत्व नहीं है। ऐसे में विपक्षी ने उसके मूल दस्तावेज खोकर गंभीर सेवा दोष किया है। इसलिए उसे मुआवजा दिलाया जाए।

बाघिन 'भक्ति' ने दो शावकों को जन्म दिया

जयपुर (कासं)। नाहरगढ़ जैविक उद्यान में मादा बाघिन 'भक्ति' ने 18 अप्रैल की शुक्रवार देर रात दो स्वस्थ शावकों को जन्म दिया। जन्म के बाद विशेष परिस्थितियों के चलते शावकों को चिकित्सकीय देखरेख में रखा गया है। उप वन संरक्षक (वन्यजीव) चिड़ियाघर जयपुर विजय पाल सिंह ने बताया कि जन्म के बाद लंबे समय तक बाघिन द्वारा शावकों को दूध नहीं पिलाने पर पशु चिकित्सकीय बोर्ड के निर्णय

> ■ नाहरगढ़ जैविक उद्यान की टीम देखभाल में जुटी

के अनुसार दोनों शावकों को मां से अलग किया गया। इसके बाद उन्हें तुरंत उद्यान के पशु चिकित्सालय में संचालित नियोनेटल केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया। शावकों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद पशु चिकित्सा दल द्वारा उनकी देखभाल शुरू की गई। उपनिदेशक डॉ. अरविंद कुमार माथुर स्वयं शावकों की फीडिंग और स्वास्थ्य की सतत निगरानी कर रहे हैं। उद्यान प्रशासन ने शावकों की देखभाल के लिए तीन कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई है, जो आठ-आठ घंटे की पारी में उनकी निगरानी और देखरेख सुनिश्चित कर रहे हैं। फिलहाल दोनों शावक चिकित्सकों की निगरानी में हैं और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

मुहाना मंडी में निरीक्षण

जयपुर। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने मुहाना फल मंडी में शनिवार को औचक निरीक्षण किया। सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। मित्तल ने बताया कि फलों को हानिकारक रसायनों से पकाने की रोकथाम के लिए चल रहे विशेष अभियान के तहत मंडी में बड़े व्यापारियों के गोदामों का निरीक्षण किया गया।

कृषि उपज मंडियों में 21 करोड़ के विकास कार्य होंगे

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा कृषि उपज मण्डी समितियों में सुविधा विस्तार एवं आधारभूत संरचना निर्माण के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश की विभिन्न कृषि उपज मण्डियों में 21 करोड़ 26 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है। कृषि उपज मण्डी समिति, चौमहला (झालावाड़), कुचामन सिटी, 'विशिष्ट श्रेणी' बारां, कोटा (अनाज) एवं प्रतापगढ़ में मण्डी यार्ड के निर्माण कार्य एवं विद्युत संबंधी कार्य करवाए जाएंगे।

इससे ना केवल कृषि उपज मण्डियों का आधारभूत ढांचा सुदृढ़ होगा बल्कि अन्नदाता एवं व्यापारियों को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

गृह सचिव और पुलिस प्रशासन बताए पदोन्नति छोडने के चलते रिक्त पदों को क्यों नहीं भरा गया?

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने गृह सचिव और पुलिस प्रशासन को नोटिस जारी कर पूछा है कि कांस्टेबल से हैड कांस्टेबल पदोन्नित के दौरान पद छोडने से रिक्त रहे पदों को उसकी साल की प्रतीक्षा सूची से क्यों नहीं भरा जा रहा है। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने यह आदेश नरेन्द्र कुमार मीणा की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि कांस्टेबल से हैड कांस्टेबल की साल 2025-26 की पदोन्नित के दौरान 13 पुलिसकर्मियों ने पदोन्नित को अस्वीकार कर दिया। ऐसे में नियमानुसार खाली रहे पदो को इसी साल की प्रतीक्षा सूची से भरा जाना चाहिए। इस संबंध में 8 मई, 2020 को जारी स्टैंडिंग ऑर्डर में भी कहा गया है कि स्क्रीनिंग प्रणाली से चयन के बाद रिक्त रहे पदों को उसी साल योग्यता परीक्षा के माध्यम से उसी साल की रिक्तियों में शामिल कर भरा जाएगा। इसके बावजूद भी इन पदों को आगामी साल के लिए कैरी फॉरवर्ड किया जा रहा है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए रिक्त पदों को अन्य अभ्यर्थियों से नहीं भरने को कहा है।

राजस्व अर्जन और मिनरल ब्लॉक के वार्षिक रोडमैप की कवायद में जुटा खनन विभाग

प्रदेश में बंद पड़ी खानों को पुनः चालू करके खनन कार्य शुरू करवाने के निर्देश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य के माइंस विभाग ने वर्ष 2026-27 के राजस्व लक्ष्य संग्रहण की कवायद शुरु की है। वित्तीय वर्ष के दौरान मेजर और माइनर मिनरल ब्लॉकों और प्लॉटों के तैयार करने से लेकर ऑक्शन तक का कलेण्डर बनाने के निर्देश दिए हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने अधिकारियों को राजस्व वसूली के सभी संभावित स्त्रोतों पर फोकस करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रदेश में वैध खनन को बढ़ावा और अवैध खनन पर कारगर रोक के लिए मिनरल क्षेत्रों में डेलिनियेशन, प्लॉट या ब्लॉक तैयार करने और ऑक्शन की टाइमलाईन बनाते हुए रोडमैप तैयार करने को कहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में बंद पड़ी खानों में उत्पादन आरंभ कराने की कवायद की जाएं ताकि बंद खानों में खनन आरंभ होने से आर्थिक विकास, रोजगार और राजस्व के अवसर विकसित हो सके। एसीएस माइंस अपर्णा अरोरा शनिवार को खनिज भवन में विशिष्ट सचिव नम्रता वृष्णि, निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रही थी।

खनन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोरा ने शनिवार को अधिकारियों की बैठक ली।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राज्य के माइनिंग सेक्टर को देश का अग्रणी सेक्टर बनाने, राजस्व संग्रहण के कारगर प्रयास और मिनरल ब्लॉकों की नीलामी पर जोर देते रहे हैं।

उन्होंने कहा कि माइंस विभाग राज्य के राजस्व में प्रमुखता से योगदान देने वाला विभाग है। हाल ही में समाप्त हुए वित वर्ष में 13 प्रतिशत विकास दर के साथ 10394 करोड़ रु. का रिकॉर्ड राजस्व संग्रहित किया है।

राज्य सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए 39 फीसदी बढ़ोतरी के साथ 14001 करोड़ रुपए का लक्ष्य दिया है। उन्होंने इसे चुनौती के रुप में लेते हुए राजस्व वसूली के सभी संभावित स्त्रोतों पर अभी से फोकस करते हुए राजस्व संग्रहण का कार्यालयबार मासिक रोडमैप बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्व छीजत के सभी संभावित क्षेत्रों पर प्रभावी रोक लगानी होगी।

अपर्णा अरोरा ने वैध खनन को बढ़ावा देने के लिए मिनरल खोज, डेलिनियेशन, मेजर और माइनर मिनरल्स के ऑक्शन के लिए प्लॉट और ब्लॉक तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्री एम्बेडेड प्लॉट और ब्लॉक तैयार करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे नीलाम किये जाने वाले मिनरल ब्लॉक व प्लॉट शीघ्र परिचालन में आ सकेंगे। अतिरिक्त निदेशक भूविज्ञान व मुख्यकार्यकारी आरएसएमईटी आलोक प्रकाश जैन को इसके लिए प्रभारी अधिकारी बनाते हुए टाइम लाइन तय करते हुए मासिक रोडमैप बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि टाइमलाइन व रोडमैप बनने से क्रियान्वयन में आसानी होने के साथ ही मोनेटरिंग व्यवस्था चाक चोबंद हो सकेगी।

विशिष्ट सचिव माइंस नम्रता वृष्णि ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद राजस्व संग्रहण के लिए वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही प्रयास जारी रखने होंगे। निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि हाल ही समाप्त हुए

> ■ सरकार ने वर्ष 2026-27 में 14001 करोड़ रुपए के राजस्व अर्जन का लक्ष्य रखा जाएंगे।

वित्तीय वर्ष में राजस्व संग्रहण का नया रिकॉर्ड बनाया गया है। अतिरिक्त निदेशक मुख्यालय महेश माथुर ने बताया कि राजस्व वसूली व मिनरल ब्लॉक तैयार करने का जल्द ही रोडमैप जारी कर क्रियान्वयन आरंभ किया जाएगा।

बैठक में संयुक्त सचिव माइंस अरविन्द सारस्वत, अतिरिक्त निदेशक वाईएस सहवाल, विशेषाधिकारी श्रीकृष्ण शर्मा, एसजी सुनील वर्मा, अधीक्षण खनि अभियंताओं में एनएस शक्तावत, डॉ. धर्मेन्द्र लोहार, प्रताप मीणा, जयगुरुबख्सानी, कमलेश्वर बारेगामा, एसपी शर्मा, ओपी काबरा, देवेन्द्र गौड, एनके बैरवा, सुनील शर्मा, अविनाश कुलदीप, सत्यनारायण कुमावत, एमई जयपुर श्याम कापड़ी, अधीक्षण भूविज्ञानी संजय सक्सैना, नितिन चौधरी, अतिरिक्त निदेशक आईटी शीतल अग्रवाल, एडीजी श्री गोपालाराम, एसजी नितिन चौधरी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

नारी शक्ति बिल पास नहीं होने पर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा ने नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम के लोकसभा में पारित नहीं हो पाने के मुद्दे को लेकर शनिवार को राजधानी जयपुर में विरोध प्रदर्शन किया।

बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता सड़कों पर उतरीं और विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए इसे महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ कदम बताया। भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता पहले पार्टी मुख्यालय पर एकत्र हुईं, जहां से चौमू सर्किल तक मार्च निकाला गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता तख्तियां लेकर नारे लगाते हुए आगे बढ़ीं। उनका कहना था कि यह विधेयक देश की आधी आबादी को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से लाया गया था, लेकिन विपक्ष ने इसका विरोध कर महिलाओं के हितों के प्रति अपनी नकारात्मक सोच उजागर की है। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश

> ■ भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने कहा कि संसद में इस बिल के खिलाफ मतदान करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

अध्यक्ष राखी राठौड़ ने कहा कि संसद में इस बिल के खिलाफ मतदान करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल महिलाओं को बराबरी का अधिकार देने के प्रति कभी गंभीर नहीं रहे और केवल राजनीतिक लाभ के लिए महिलाओं के मुद्दों का उपयोग करते हैं। प्रदेश मंत्री एकता अग्रवाल ने भी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि लगातार चुनावी हार के बाद भी पार्टी ने आत्ममंथन नहीं किया और महिला सशक्तिकरण उनके लिए केवल एक नारा बनकर रह गया है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता सुमन शर्मा ने विपक्ष के रवैये को अहंकार पूर्ण बताते हुए कहा कि सदन में बिल गिरने के बाद राहुल गांधी की प्रतिक्रिया आपत्तिजनक थी। उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं इस व्यवहार को नहीं भूलेंगी। साथ ही विपक्ष की महिला नेताओं प्रियंका गांधी और डिम्पल यादव के रुख को भी निराशाजनक बताया। प्रदेश उपाध्यक्ष सरिता गैना ने महिलाओं से एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि जब समाज की आधी आबादी संगठित होती है, तो कोई भी शक्ति उनके अधिकारों को दबा नहीं सकती। भाजपा नेताओं ने बताया कि 20 अप्रैल को जयपुर में प्रदेशभर से हजारों महिलाएं एकत्रित होकर इस मुद्दे पर बड़ा प्रदर्शन करेंगी। फिलहाल इस विरोध प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

उनकी ऊर्जा फुटबॉल कोच की तरह है और उन्होंने टीम में एकजुटता भरी है। हरभजन ने कहा कि खिलाड़ियों से नेहरा का लगातार संवाद और खेल की गहरी समझ ने गुजरात टाइटंस की सफलता में अहम भूमिका निभाई है। – **हरभजन सिंह**

पूर्व भारतीय गेंदबाज, आशीष नेहरा की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा द्वारा समर्थित एंटिल का आरोप है कि सिंह का आचरण एथलीटों के लिए हानिकारक रहा है।पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल ने भारतीय खेल प्राधिकरण को सौंपी शिकायत में द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच नवल सिंह पर मानसिक उत्पीड़न और मौखिक दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 पैरालिंपिक के स्वर्ण पदक विजेता एंटिल ने आरोप लगाया कि नवल ने उन्हें और नीरज चोपड़ा को बार-बार निशाना बनाया और दावा किया कि कोच ने उनके परिवारों के साथ दुर्व्यवहार करके पेशेवर सीमाएं पार की।

क्या आप जानते हैं ?... महेंद्र सिंह धोनी ने अपने करियर में 195 स्टंपिंग की हैं, जो एक विश्व रिकॉर्ड है।

सनराइजर्स हैदराबाद ने सीएसके को 10 रनों से हराया, अभिषेक और क्लासेन चमके

हैदराबाद, 18 अप्रैल। सनराइजर्स हैदराबाद ने शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को 10 रन से हराकर तीसरी जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (59 रन) की शानदार शुरूआत के बावजूद सनराइजर्स हैदराबाद की टीम चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन और अंशुल कंबोज की धारदार गेंदबाजी के सामने नौ विकेट पर 194 रन ही बना सकी। अभिषेक और हेनरिक क्लासेन (59 रन) के अर्धशतकों को छोड़ दें तो सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी इकाई ने सीएसके के गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए। जवाब में सीएसके की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 184 रन ही बना सकी और उसे चौथी हार का मुंह देखना पड़ा।

सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। अभिषेक (22 गेंद) ने 15 गेंद में अपना एक और अर्धशतक पूरा जिससे लग रहा था कि गायकवाड़ का फैसला उल्टा पड़ गया है। लेकिन आमतौर पर थोड़े महंगे साबित होने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी (दो ओवर में 21 रन देकर दो विकेट) ने पावरप्ले की आखिरी दो गेंदों पर ट्रेविस हेड (20 गेंद में 23 रन) और कप्तान ईशान किशन

(शून्य) को आउट कर करारे झटके दिए। सनराइजर्स हैदराबाद का स्कोर 5.4 ओवर में बिना किसी नुकसान के 75 रन से अचानक छह ओवर के बाद दो विकेट पर 75 रन हो गया। सीएसके को इसी मौके की तलाश थी। पावरप्ले के बाद के ओवर सनराइजर्स हैदराबाद के के बल्लेबाजों के लिए काफी मुश्किल भरे रहे जिसमें सिर्फ क्लासेन (39 गेंद) ने अपना एक और अर्धशतक पूरा कर टीम का स्कोर 200 के करीब पहुंचाने में मदद की। ओवरटन (37 रन देकर तीन विकेट) और कंबोज (22 रन देकर तीन विकेट) ने बीच के और आखिरी ओवरों में शानदार गेंदबाजी करते हुए मेजबान टीम पर पूरी तरह से नकेल कसकर रखी।

सनराइजर्स हैदराबाद ने साढ़े चार ओवरों के अंदर अपने चार विकेट नहीं गंवाए होते तो वे आसानी से 225 से 230 रन बना सकते थे। दस ओवर के बाद टीम का स्कोर चार विकेट पर 112 रन हो गया। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की क्रिकेट सूझबूझ भी टीम के काम आई। उन्होंने ओवरटन की एक शॉर्ट गेंद पर अभिषेक के खिलाफ रिव्यू की अपील की जो मैच का रुख बदलने वाले फैसलों से एक साबित हुआ। सीएसके के लिए ओवरटन की लेंथ और नूर अहमद (चार ओवर में 33 रन देकर कोई विकेट नहीं) की गेंदबाजी ने क्लासेन और दूसरे बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। नीतीश रेड्डी (12) जैसे भारतीय बल्लेबाज तथा अनकैप्ड खिलाड़ी जैसे अनिकेत वर्मा और सलिल अरोड़ा रन गति नहीं बढ़ा पाए जिससे सारा दबाव क्लासेन पर आ गया।

डेविड मिलर की आंधी में नहीं टिक पाई, रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की बेहतरीन जीत

बेंगलुरु, 18 अप्रैल। दिल्ली कैपिटल्स ने आरसीबी को रोमांचक मुकाबले में 4 विकेट से हरा दिया है। आरसीबी की टीम चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपना 100वां मैच खेल रही थी जिसे यादगार बनाने में वह नाकामयाब रही। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 175 रन बनाए। लेकिन डेथ ओवरों में आरसीबी बुरी तरह फेल हो गई। जवाब में केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर की बेहतरीन पारी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी तीसरी जीत दर्ज की। दिल्ली कैपिटल्स को अंतिम 2 ओवरों में 24 रन बनाने थे। 19वें ओवर में रसिख डार सलाम ने 10 रन दिए, जिससे दिल्ली को अंतिम ओवर में जीत के लिए महज 15 रन बनाने थे। वह जिम्मेदारी मिली रोमारियो शेफर्ड को जिन्होंने इससे पहले पूरे मैच में एक भी ओवर गेंदबाजी नहीं की थी। पहली 2 गेंदों पर सिर्फ 2 रन दिए, जिससे एक समय में तो लगा कि मुकाबला बेंगलुरु की तरफ जा रहा है। लेकिन क्रीज पर ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर की जोड़ी जमी थी। तीसरी गेंद पर मिलर ने गगनचुंबी छक्का लगाकर मैच का पासा दिल्ली की तरफ मोड़ दिया। अगली ही गेंद पर मिलर ने एक और छक्का जड़ दिया। यहां से दिल्ली की जीत लगभग पक्की हो चुकी थी। अब दिल्ली को 2 गेंद में सिर्फ एक रन बनाना था। पांचवीं गेंद पर चौका लगाकर मिलर ने दिल्ली को बेहतरीन जीत दिलाई।

जिन्दगी की जंग लड़ रहा अफगानिस्तानी क्रिकेटर, भारत में चल रहा मेडिकल ट्रीटमेंट

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। अफगानिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शापूर जादरान भारत में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। उनका लंबे समय से भारत में मेडिकल ट्रीटमेंट चल रहा है। शापूर की हालत फिलहाल नाजुक बनी हुई है। कई हफ्तों तक अस्पताल में भर्ती रहे शापूर की हालात में शुरुआत में सुधार के संकेत दिखे लेकिन बाद में फिर से भर्ती करना पड़ा। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इलाज के लिए उनकी आर्थिक मदद की है। वहीं राशिद खान ने भी कहा है कि, वह इस मुश्किल समय में शापूर की किसी भी मदद देते के लिए तैयार हैं। शापूर ने 2009 से 2020 के दौरान अफगानिस्तान के लिए 80 इंटरनेशनल मैच खेले। उन्होंने 44 वनडे में 43 और 36 टी20 में 27 विकेट चटकाए। राशिद के अलावा पाकिस्तान क्रिकेट जगत के लोगों ने शापूर के जल्दी ठीक होने की दुआ की है। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने अस्तपाल की शापूर की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। अकमल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि, शापूर जादरान भाई मेरे लिए दोस्त जैसा है। मैं उसके जल्दी ठीक होने की दुआ करता हूं। आमीन। वहीं पूर्व पाकिस्तान कप्तान शाहीद अफरीदी ने भी शापूर की तबीयत को लेकर गहरी चिंता जताई थी।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी डेम्पो स्पोर्ट्स क्लब के खिलाफ स्टेज 1 के अंतिम मुकाबले के लिए तैयार

जयपुर, 18 अप्रैल। राजस्थान यूनाइटेड एफसी भारतीय फुटबॉल लीग के स्टेज 1 के अंतिम मैच में डेम्पो स्पोर्ट्स क्लब का सामना करने के लिए तैयार है। यह महत्वपूर्ण मुकाबला 19 अप्रैल 2026 को फतोर्डा स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसका किकऑफ शाम 4:00 बजे निर्धारित है। इस निर्णायक मुकाबले से पहले टीम का पूरा ध्यान स्टेज 1 अभियान को मजबूत प्रदर्शन के साथ समाप्त करने और चैंपियंस राउंड में सकारात्मक गति के साथ प्रवेश करने पर है। मैच से पहले बोलते हुए, मुख्य कोच विक्रम शर्मा ने कहा कि यह मैच मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से खास महत्व रखता है, क्योंकि यह उस जगह पर खेला जा रहा है जिसे मैं अब अपना घर कहता हूं, जहां मेरा परिवार रहता है, और एक ऐसे क्लब के खिलाफ है जिससे मैं पहले जुड़ा रहा हूं। भावनाएं जुड़ी हुई हैं, लेकिन जैसे ही हम मैदान पर उतरते हैं, पूरा ध्यान टीम पर होता है। हमारी प्राथमिकता स्पष्ट है – अपना सर्वश्रेष्ठ देना और राजस्थान यूनाइटेड के लिए पूरे तीन अंक हासिल करना।

लक्ष्य क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 18 अप्रैल। अंडर-12 पिंकसिटी कप में लक्ष्य क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 287 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाएं। भव्य असवाल ने 74, विहान शर्मा ने 72 और प्रियंक जेफ ने 61 रनों का योगदान दिया। एक्सीलेंस क्रिकेट अकादमी की ओर से सोहेल और आयुष ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एक्सीलेंस क्रिकेट अकादमी 30 ओवर में 144 रन पर ऑल आउट हो गई। सोहेल ने 41 और लवेश शर्मा ने 31 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य क्रिकेट अकादमी की ओर से कान्हा शर्मा ने 4, हेमंत सैनी और नवदीप सिंह ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच कान्हा शर्मा को चुना गया।

भारतीय महिला हॉकी टीम की शानदार वापसी
अर्जेंटीना दौरे का समापन 2-2 की बराबरी से किया

ब्यूनस आयर्स, 18 अप्रैल। भारतीय महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना दौरे पर शानदार जुझारूपन दिखाते हुए चार मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। शुरुआती दो मुकाबलों में हार झेलने के बाद टीम ने जोरदार वापसी करते हुए अंतिम दोनों मैच जीतकर सीरीज को बराबरी पर समाप्त किया। सीरीज का पहला मैच 13 अप्रैल को खेला गया, जिसमें भारत की ओर से नवनीत कौर (22वां मिनट) और अन्नू (29वां मिनट) ने गोल किए। हालांकि अर्जेंटीना ने मारिया एमिलिया लार्सन, विक्टोरिया ग्रानाटो और जुलेटा जानकुनास (दो गोल) की बदौलत 4-2 से जीत दर्ज की। दूसरे मुकाबले (14 अप्रैल) में इशिका ने 22वें मिनट में भारत को बढ़त दिलाई, लेकिन अगुस्तिना गोर्जेलानी के दो गोल (34वें और 48वें मिनट) की मदद से अर्जेंटीना ने 2-1 से जीत हासिल कर सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। तीसरे मैच (16 अप्रैल) में भारतीय टीम ने शानदार वापसी की और 2-1 से जीत दर्ज की। नवनीत कौर (26वां मिनट) और नेहा (37वां मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। अर्जेंटीना की ओर से 52वें मिनट में एक गोल जरूर आया, लेकिन भारतीय टीम ने बढ़त बनाए रखी। 17 अप्रैल को खेले गए अंतिम मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला।

ऑरेंज कैप नहीं, आईपीएल ट्रॉफी चाहिए : शुभमन गिल

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ आईपीएल मैच में शुक्रवार को यहां टीम की पांच विकेट से जीत के बाद कहा कि उनके लिए व्यक्तिगत फॉर्म से ज्यादा टीम की जीत महत्वपूर्ण है और उनका अंतिम लक्ष्य आईपीएल खिताब जीतना है। गिल की 50 गेंदों में 86 रन की पारी से टाइटंस ने जीत के लिए मिले 181 रन के लक्ष्य को 19.4 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल किया।

'प्लेयर ऑफ द मैच' गिल ने पुरस्कार समारोह में प्रसारकों से 2023 जैसी बल्लेबाजी के बारे में पूछे जाने पर कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि यह मायने रखता है। सबसे जरूरी चीज जीत है और निश्चित रूप से फाइनल खेलकर कप जीतना ही मेरा लक्ष्य है। गिल ने आईपीएल 2023 में सबसे ज्यादा 890 रन बनाए थे और केकेआर के खिलाफ शानदार पारी के बाद वह मौजूदा सत्र में चार मैचों में 62.75 की औसत से 251 रन के साथ सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गये हैं।

गिल ने सिराज और रबाडा की तारीफ करते हुए कहा, हमने उन्हें एक-एक अतिरिक्त ओवर देने का फैसला

किया क्योंकि पिच पर गेंद थोड़ी रुक कर आ रही थी और गर्मी भी ज्यादा थी, इसलिए लगातार दो ओवर फेंकना आसान नहीं था। गिल ने कहा कि दोनों गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में मैच का रुख बदल दिया, लेकिन इसके बावजूद टीम की सोच विकेट लेने की बनी रही। उन्होंने कहा, सुनील नारायण नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के आये ऐसे में केकेआर की लंबी बल्लेबाजी क्रम को देखते हुए यह मानसिकता बेहद जरूरी थी।

एंड्रीवा ने स्वियातेक को चौंकाया, सेमीफाइनल में रयबाकिना से भिड़ंत तय

स्टटगार्ट, 18 अप्रैल। स्टटगार्ट ओपन टेनिस टूर्नामेंट में बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहां रूस की युवा खिलाड़ी मिर्रा एंड्रीवा ने दो बार की चैंपियन इगा स्वियातेक को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना शीर्ष वरीय एलेना रयबाकिना से होगा। 18 वर्षीय एंड्रीवा ने शानदार वापसी करते हुए स्वियातेक को 3-6, 6-4, 6-3 से हराया। पहले सेट में पिछड़ने के बाद एंड्रीवा ने जबरदस्त खेल दिखाया और निर्णायक सेट में दो बार सर्विस ब्रेक कर मुकाबला अपने नाम किया।

इससे पहले, शीर्ष वरीय रयबाकिना ने कनाडा की लेयला फर्नांडीज को कड़े मुकाबले में 6-7 (5/7), 6-4, 7-6 (8/6) से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह मैच करीब तीन घंटे तक चला, जिसमें रयबाकिना ने अंतिम सेट के टाईब्रेक में दो मैच प्वाइंट बचाकर शानदार जीत दर्ज की। मैच के बाद रयबाकिना ने कहा, शुरुआत में काफी निराशा थी और मेरी सर्विस काम नहीं कर रही थी। लेकिन धीरे-धीरे मैंने खुद को संभाला और लय हासिल की। स्वियातेक, जिन्होंने अपने छह ग्रैंड स्लैम खिताबों में से चार फ्रेंच ओपन की क्ले कोर्ट पर जीते हैं, इस मुकाबले में फेवरेट मानी जा रही थीं।

टिम डेविड ने एक ऐतिहासिक कीर्तिमान रचा, सहवाग सहित कई दिग्गज छूटे पीछे

बेंगलुरु, 18 अप्रैल। आरसीबी के खिलाड़ी टिम डेविड आईपीएल 2026 में बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलते हुए बड़ा कारनामा किया है और वीरेंद्र सहवाग जैसी दिग्गजों का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने सहवाग ही नहीं बल्कि हेनरिक क्लासेन और ट्रेविस हेड जैसे बल्लेबाजों को पीछे छोड़ा और खास लिस्ट में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।टिम डेविड ने आईपीएल में गेंदों के लिहाज से सबसे तेज 1000 रन पूरे करने के मामले में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। आईपीएल में सबसे तेज 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल के नाम पर दर्ज है। उन्होंने 545 गेंदों पर ये कारनामा किया था। लिस्ट में अब डेविड दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 560 गेंदों पर ये कमाल कर दिखाया है। उन्होंने दिल्ली के खिलाफ 17 गेंदों पर 26 रनों की पारी खेली, जिसमें 3 चौके और एक छक्का शामिल रहा। सूची में वीरेंद्र सहवाग, फिल साल्ट, ट्रेविस हेड और हेनरिक क्लासेन का भी नाम शामिल है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रचा इतिहास, आईपीएल में ऐसा करने वाली पहली टीम बनी – आज के मैच में उतरते ही विराट कोहली के स्टारडम वाली आरसीबी ने इतिहास रच दिया है। वे आईपीएल के इतिहास में किसी एक वेन्यू पर 100 मैच खेलने वाली पहली टीम बन गई है। चेन्नास्वामी के मैदान पर आरसीबी का ये 100वां मुकाबला है। इससे पहले किसी भी आईपीएल फ्रेंचाइजी ने एक वेन्यू पर 100 मैच नहीं खेले हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम एक वेन्यू पर सबसे ज्यादा खेलने वाली आरसीबी के बाद दूसरी टीम है। इस टीम ने अपने होम ग्राउंड ईडन गार्डन्स पर अब तक 98 मैच खेले हैं।

राजस्थान रॉयल्स आज से जयपुर मुकाबलों के लिए ऑफलाइन टिकट बिक्री शुरू करेगा

जयपुर, 18 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स ने आज घोषणा की कि इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के अपने जयपुर होम मुकाबलों के लिए ऑऑफलाइनटिकट बिक्री 19 अप्रैल से शुरू होगी। प्रशंसक सवाई मानसिंह स्टेडियम के ईस्ट, वेस्ट और नॉर्थ गेट्स पर स्थित निर्धारित बॉक्स ऑफिस काउंटरों से टिकट खरीद सकेंगे, जो रोजाना सुबह 11:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक खुले रहेंगे। यह पहल प्रशंसकों के लिए टिकट खरीद को अधिक सुलभ बनाने और उन्हें लाइव स्टेडियम अनुभव का हिस्सा बनने का एक अतिरिक्त माध्यम प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।

रॉयल्स ने राजस्थान रॉयल्स-सनराइजर्स हैदराबाद मुकाबले के लिए फेज 1 टिकट कुछ ही मिनटों में किए पूरी तरह से सेल आउट

राजस्थान रॉयल्स के आगामी मुकाबले, जो 25 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेला जाएगा, के लिए टिकट बिक्री को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। फेज 1 के 100 टिकट कुछ ही मिनटों में पूरी तरह से बिक गए। इस तेज़ी से हुए सेल-आउट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जयपुर में टीम की वापसी को लेकर फैंस के बीच भारी उत्साह है। यह भारी मांग फ्रेंचाइज़ी और उसके घरेलू समर्थकों के बीच मजबूत जुड़ाव को दर्शाती है, जहां फैंस राजस्थान रॉयल्स की बहुप्रतीक्षित जयपुर वापसी का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

गुवाहाटी में टीम के शानदार प्रदर्शन के बाद, जयपुर में होमकमिंग को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया है, जिससे स्टेडियम में एक भरे हुए और रोमांचक माहौल की पूरी उम्मीद है। जैसे ही राजस्थान रॉयल्स जयपुर में अपने किले में वापसी की तैयारी कर रही है, फ्रेंचाइज़ी चारों मुकाबलों में फुल हाउस के साथ एक यादगार मैच डे अनुभव देने के लिए उत्सुक है।

राजस्थान रॉयल्स जयपुर में अपने चार घरेलू मुकाबले खेलेगी :-

राजस्थान रॉयल्स बनाम एसआरएच – 25 अप्रैल 2026

राजस्थन रॉयल्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स – 1 मई 2026

राजस्थान रॉयल्स बनाम गुजरात टाइटंस – 9 मई 2026

राजस्थान रॉयल्स बनाम लखनऊ सुपर जाएंट्स – 19 मई 2026

सनराइजर्स हैदराबाद ने डेविड की जगह जेराल्ड कोएट्ज़ी को टीम में शामिल किया

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद ने चोटिल डेविड पेन के स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज जेराल्ड कोएट्ज़ी को टीम में शामिल किया है। पेन इस सीजन में दो मैच खेलने के बाद टखने की चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। 25 वर्षीय जेराल्ड कोएट्ज़ी इस साल की नीलामी में अनसोल्ड रहे थे, लेकिन अब उन्हें 2 करोड़ रुपये में सनराइजर्स हैदराबाद ने अपनी टीम में जोड़ा है। कोएट्ज़ी इससे पहले आईपीएल में मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस के लिए खेल चुके हैं, जहां उन्होंने 14 मैचों में 15 विकेट हासिल किए हैं। कोएट्ज़ी हाल ही में टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका की टीम का हिस्सा थे, हालांकि उन्हें कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज में हिस्सा लिया था। इस बीच, सनराइजर्स हैदराबाद को एक और बड़ी मजबूती कप्तान पैट कमिंस के टीम से जुड़ने से मिली है। कमिंस 17 अप्रैल को टीम के साथ जुड़े और 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे। फिलहाल सनराइजर्स हैदराबाद अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है और आज (18 अप्रैल) चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपना अगला मुकाबला खेलेगी।

आईपीएल 2026 में लगातार हार से निराश केकेआर के कप्तान
मुश्किल दिनों को अपनाना होगा : रहाणे

अहमदाबाद, 18 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की खराब फॉर्म जारी है। टीम अपने शुरुआती छह मुकाबलों में जीत दर्ज नहीं कर सकी है। टीम को शुक्रवार को गुजरात टाइटंस के 180 रन बनाने के बावजूद 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस बीच कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टीम की स्थिति पर खुलकर बात करते हुए खिलाड़ियों से सकारात्मक बने रहने और कठिन समय को स्वीकार करने की अपील की है। मैच के बाद रहाणे ने कहा कि टीम ने पहले बल्लेबाजी का फैसला इस सोच के साथ लिया था कि बल्लेबाज खुलकर खेल सकें। उन्होंने कहा, हम बतौर बल्लेबाजी टीम इस विकेट पर 200 रन का लक्ष्य सोच रहे थे, जो चुनौतीपूर्ण होता। हालांकि, उन्होंने कैमरन ग्रीन की पारी की जमकर तारीफ की। रहाणे ने कहा, कैमरन ग्रीन ने शानदार बल्लेबाजी की। आप विकेट गंवा सकते हैं,

लेकिन हम 180 रन तक पहुंचे, उसमें उनका बड़ा योगदान रहा। लगातार हार के बावजूद रहाणे ने टीम को सकारात्मक रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी के रूप में आपको कठिन दिनों को भी अपनाना पड़ता है। सिर ऊंचा रखें, हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करें। हमारे लिए जरूरी है कि हम सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरें और खुलकर खेलें। गेंदबाजी को लेकर रहाणे ने साफ तौर पर माना कि पावरप्ले में टीम की कमजोरी सामने आई है। उन्होंने कहा, सच यह है कि पावरप्ले में गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ी अनुभवहीन हैं। लेकिन वे पूरी कोशिश कर रहे हैं, विकेट लेने की कोशिश कर रहे हैं, भले ही अभी सफलता नहीं मिल रही। उन्होंने अनुकूल रॉय, कार्तिक त्यागी और वैभव अरोड़ा जैसे गेंदबाजों का समर्थन करते हुए कहा कि ये खिलाड़ी लगातार मेहनत कर रहे हैं। रहाणे ने यह भी बताया कि कैमरन ग्रीन गेंदबाजी नहीं कर सके क्योंकि उन्हें ऐंठन (क्रैम्प्स) की समस्या थी। कप्तान ने अंत में कहा, जब आप लगातार हारते हैं तो नकारात्मक सोच आना आसान होता है, लेकिन मैं टीम पर गर्व करता हूं। हमें एक-एक मैच पर ध्यान देना है और हर दिन बेहतर बनने की कोशिश करनी है। कोलकाता नाइट राइडर्स को अब ज्यादा समय नहीं मिलेगा, क्योंकि टीम को अगले 48 घंटों के भीतर अपने घरेलू मैदान पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उतरना है।

बांग्लादेश टेस्ट दौरे के लिए पाक टीम का ऐलान, सरफराज अहमद बने मुख्य कोच

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टीम की घोषणा कर दी है। इस दौरे के लिए पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को पाकिस्तान की सीनियर पुरुष टेस्ट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले सरफराज ने अंडर-19 टीम के साथ मेंटर-मैनेजर के रूप में एशिया कप जीत दिलाई थी। टीम के साथ पूर्व टेस्ट खिलाड़ी असद शफीक को बल्लेबाजी कोच और उमर गुल को गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कप्तानी की जिम्मेदारी एक बार फिर शान मसूद के पास रहेगी। यह सीरीज आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र का हिस्सा होगी।

पाकिस्तान टीम में चार नए खिलाड़ियों-अब्दुल्ला फजल, आमद बट, अजान अवैस और मोहम्मद गाजी घोरी को पहली बार मौका दिया गया है। टीम के पांच खिलाड़ी-अजान अवैस, इमाम-उल-हक, मोहम्मद गाजी घोरी, नोमान अली और साजिद खान इस समय लाहौर में रेड-बॉल ट्रेनिंग कैंप का हिस्सा हैं। दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 8 से 12 मई तक ढाका में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 16 से 20 मई तक सिलहट में आयोजित होगा।

पाकिस्तान टेस्ट टीम: शान मसूद (कप्तान), अब्दुल्ला फजल, आमद बट, अजान अवैस, बाबर आजम, हसन अली, इमाम-उल-हक, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मोहम्मद गाजी घोरी (विकेटकीपर), नोमान अली, साजिद खान, सलमान अली आगा, सऊद शकील और शाहीन शाह अफरीदी।

जोकोविच और एलीन गु लॉरियस विश्व खेल पुरस्कारों की करेंगे सह-मेजबानी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। अपने दौर के दो सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और एलीन गु इस वर्ष के लॉरियस विश्व खेल पुरस्कार की संयुक्त मेजबानी करेंगे। खेल कैलेंडर के सबसे बड़े पुरस्कार समारोह में पहली बार दो सक्रिय खिलाड़ी प्रस्तोता की भूमिका निभाएंगे। यह आयोजन 20 अप्रैल को मैड्रिड के प्रतिष्ठित पलासियो दे सिबेल्स में आयोजित किया जाएगा। यह समारोह खेल, मनोरंजन और सांस्कृतिक जगत की दिग्गज हस्तियों को एक मंच पर लाकर उत्कृष्टता, जुझारूपन और प्रेरणा का जश्न मनाता है। दुनिया भर में प्रसारित होने वाला यह आयोजन करोड़ों दर्शकों तक पहुंचता है और विजेताओं की घोषणा के दौरान सोशल मीडिया पर भी व्यापक चर्चा का केंद्र बनता है। जोकोविच रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए पांच बार 'लॉरियस साल के सर्वश्रेष्ठ वैश्विक खिलाड़ी' पुरस्कार जीत चुके हैं।

अमन की घातक गेंदबाजी से मोहन क्रिकेट अकादमी बनी चैम्पियन

अंडर-16 स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग

जयपुर, 18 अप्रैल। चंबल स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित अंडर 16 स्टेट लेवल भारती कंवर वन डे क्रिकेट लीग का फाइनल मुकाबला भदोरिया क्रिकेट अकादमी व मोहन क्रिकेट अकादमी के मध्य नेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया। जिसमें मोहन क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते

हुए 39.4 ओवर में 242 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें वशिष्ठ ने 92 रन व यश शर्मा ने 70 रन व मानवीर ने 28 रनों की पारी खेली। भदोरिया क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में तनिष खंडेलवाल ने तीन विकेट और निहाल टॉक, आदित्य शर्मा, कुश सोलंकी ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भदोरिया क्रिकेट एकेडमी 26.4 ओवर में 148 रनों पर ऑल आउट हो गई। जिसमें आदित्य ने 67 रन व नैतिक टाक ने नाबाद 36 रन व आदित्य शर्मा ने 30 रनों का योगदान दिया। मोहन क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में अमन तुरपानी ने पांच विकेट व मनीष हरितवाल ने तीन विकेट लिए। मोहन क्रिकेट अकादमी ने 94 रन से फाइनल मुकाबला जीता।

बंगाल में डबल इंज़न सरकार से तीव्र विकास होगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कोलकाता में प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन को संबोधित किया

कोलकाता/जयपुर, 18 अप्रेल। स्वाभिमान और देशभक्ति हर राजस्थानी के मन में समाहित है, यह बात राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पश्चिमी बंगाल में एक सभा को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा, राजस्थानी देश-दुनिया में कहीं भी चले जाएं, सामाजिक सरोकारों से अपना स्थान बना ही लेते हैं। उन्होंने अपनी

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल ने पहले कालीघाट मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। फिर बेलीगंज स्थित गोविन्दम इस्कॉन मंदिर में राधा-कृष्ण के दर्शन किए व पूजा की।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कोलकाता में आयोजित राजस्थान प्रवासी सम्मेलन का उद्घाटन किया।

कर्मभूमि और जन्मभूमि दोनों से गहरा जुड़ाव बनाए रखा है। वे दुनिया के हर हिस्से में अपनी मेहनत, संघर्ष और सफलता से राजस्थान का गौरव बढ़ा रहे हैं। शर्मा इस समय प.बंगाल के चुनावी दौरे पर हैं, जहां उन्होंने कोलकाता में प्रवासी राजस्थानियों की एक सभा में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा राजस्थान फाउंडेशन के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों के जुड़ाव को और मजबूत किया जा रहा है। वर्तमान में राजस्थान फाउंडेशन के 40 चैप्टर्स संचालित हैं।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम से पहले कालीघाट मंदिर और गोविंदम इस्कॉन मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने कालीघाट मंदिर में विधि-विधान से मां काली की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री कोलकाता के बेलीगंज स्थित गोविंदम इस्कॉन मंदिर पहुंचे और वहां श्री राधा कृष्ण के दर्शन और पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ चाय पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन होना सुनिश्चित है। हम सभी को मिलकर भारतीय जनता पार्टी को पश्चिम बंगाल में विजयी बनाना है। पश्चिम बंगाल की स्थिति किसी से छुपी हुई नहीं है। अगर पश्चिम बंगाल में भी राजस्थान जैसा विकास चाहते हैं, तो भारतीय जनता पार्टी को ज्यादा से ज्यादा वोट दिलाने के लिए जुट जाएं। पश्चिम बंगाल में भी डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में तीव्र विकास होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास, ऊर्जा, पर्यटन और सामाजिक क्षेत्र में राजस्थान तेजी से उभर रहा है और यह प्रवासी व स्थानीय उद्योगों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा प्रदेश में कृषि, बिजली, पानी सहित, विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्य किए जा रहे हैं। विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से हर जिले में सुचारू आपूर्ति के लिए कार्य किया जा रहा है। राइज़िंग राजस्थान इंवेस्टमेंट समिट के माध्यम से भी युवाओं के लिए रोजगार के भरपूर अवसर सृजित किए गए हैं।

इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्षङ राजेन्द्र राठौड़, संयोजक राजस्थान प्रवासी प्रकोष्ठ कुमार लखोटिया, अध्यक्ष राजस्थान फाउंडेशन पश्चिम बंगाल संतोष कुमार पुरोहित, राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव लघु उद्योग भारती नरेश पारीक सहित, बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी एवं भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राहुल गांधी पर आदेश बदला

लखनऊ , 18 अप्रैल। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दोहरी नागरिकता मामले में एफआईआर दर्ज करने संबंधी अपने ही आदेश को बदल दिया है। कोर्ट ने शनिवार को अपनी वेबसाइट पर संशोधित आदेश जारी किया।

शुक्रवार (17 अप्रैल 2026) को न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकलपीठ

■ **संशोधित आदेश में दोहरी नागरिकता पर एफआईआर से पहले नोटिस देना जरुरी बताया।**

ने याचिका की सुनवाई की। याचिकाकर्ता समेत, केन्द्र और राज्य सरकार के वकीलों से कोर्ट ने पूछा कि क्या राहुल गांधी को नोटिस जारी करने की जरूरत है? सभी पक्षों ने नोटिस की कोई आवश्यकता नहीं बताई। इसके बाद कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश पारित कर दिया था।

हालांकि, आदेश के टाइप होने से पहले न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने फैसले की फिर से समीक्षा की।

'विपक्ष ने देश की महिलाओं के सपनों को कुचल दिया'

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में महिला आरक्षण विधेयक पारित नहीं होने का दोषी विपक्ष को ठहराया

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। महिला आरक्षण के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने आज (शनिवार को) देश को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने इस अहम मुद्दे पर अपना पक्ष रखा। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण, उनकी सियासत में भागीदारी और विपक्ष द्वारा महिला आरक्षण बिल के समर्थन न किये जाने का जिक्र किया। साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सही वक्त का इंतजार कीजिए, आधी आबादी को उनका हक दिलाने का संकल्प जरूर पूरा होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज मैं अपनी बहनों और बेटियों से बात करने के लिए आया हूं। आज भारत का हर नागरिक देख रहा है कि कैसे भारत की नारी शक्ति की उड़ान को रोक दिया गया। उनके सपनों को बेरहमी से कुचल दिया गया। हमारे भरसक प्रयास के बावजूद हम सफल नहीं हो पाए। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद में पास नहीं हो पाया। मैं इसके लिए सभी माताओं-बहनों से क्षमाप्रार्थी हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि विपक्ष ने नारी हित का प्रस्ताव गिरा दिया। विपक्ष

■ **प्र.मंत्री मोदी ने कहा कि उनका इरादा पक्का है और महिला आरक्षण की राह में आने वाली हर अड़चन वे दूर करेंगे।**

ने महिलाओं के सपनों को कुचल दिया। मैं देश की महिलाओं से माफी मांगता हूं। नारी सबकुछ भूल जाती हैं, लेकिन अपना अपमान नहीं भूलती है। विपक्ष को मैं कहना चाहता हूं कि 21वीं सदी की नारी हर घटना पर नज़र रख रही है और सच्चाई भी भली-भांति जान रही है।

पीएम मोदी ने आगे कहा, हमारे लिए देशहित सर्वोपरि है। लेकिन जब कुछ लोगों के लिए दलहित सब कुछ हो जाता है, दलहित देशहित से बड़ा हो जाता है तो नारी शक्ति को, देशहित को, इसका खामियाजा उठाना पड़ता है। इस बार भी यही हुआ है। कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और समाजवादी पार्टी जैसे दलों की स्वार्थी राजनीति का नुकसान देश की नारी शक्ति को उठाना पड़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस, डीएमके, टीएमसी और सपा जैसी परिवारवादी पार्टियां खुशी से तालियां बजा रही थीं। महिलाओं से उनके अधिकार छीनकर ये लोग मेजें थपथपा रहे थे। उन्होंने जो किया, वो केवल टेबल पर थाप नहीं थी, वो नारी के स्वाभिमान पर, उसके आत्मसम्मान पर चोट थी।

मोदी ने कहा, नारी सब भूल जाती है, लेकिन अपना अपमान कभी नहीं भूलती। इसलिए संसद में कांग्रेस और उसके सहयोगियों के व्यवहार की कसक हर नारी के मन में हमेशा रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि परिसीमन को लेकर कांग्रेस ने झूठ फैलाया। परिसीमन होता तो सभी राज्यों की सीटें एक अनुपात में बढ़ तीं। वहीं, समाजवादी पार्टी महिला आरक्षण विरोधी पार्टी है। सपा ने राममनोहर लोहिया को भुला दिया है। सपा ने लोहिया के सपनों को अपने पैरों तले रौंद दिया। साथ ही, कांग्रेस एंटी-रिफॉर्म पार्टी है। कांग्रेस निगेटिव पॉलिटिक्स करती है।

विपक्ष की एकता ने लोकतंत्र को बचाया

प्रियंका गांधी ने प्रैस वार्ता में यह भी कहा कि महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने की साजिश विपक्ष की एकता से नाकाम हुई है।

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। महिला आरक्षण विधेयक संसद में पारित न होने के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने केन्द्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष ने लोकतंत्र की रक्षा की है और परिसीमन से जुड़ी साजिश को विफल कर दिया है।

कांग्रेस मुख्यालय में शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में प्रियंका गांधी ने कहा कि केन्द्र सरकार ने महिला आरक्षण कानून पर तीन साल तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया और हाल ही में जल्दबाजी में अधिसूचना जारी की। उन्होंने मांग की कि पहले के स्वरूप में महिला आरक्षण बिल को तुरंत लागू किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, शुक्रवार को लोकतंत्र की बड़ी जीत हुई है। केन्द्र सरकार ने लोकतंत्र को कमजोर करने और संघीय ढ ांचे में बदलाव की कोशिश की, जिसे

■ **प्रियंका गांधी ने कहा महिला आरक्षण की आड़ में सरकार परिसीमन में मनमानी करना चाहती थी।**

विपक्ष ने मिलकर नाकाम कर दिया। यह संविधान और देश की जीत है।

प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार महिला आरक्षण के नाम पर बिल पास करवाकर परिसीमन में मनमानी करना चाहती थी और जातिगत जनगणना से बचना चाहती थी। उनके अनुसार, यदि बिल पारित होता तो सरकार इसे अपनी उपलब्धि बताती और यदि नहीं होता तो विपक्ष को महिला विरोधी करार देती।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि महिलाओं से जुड़े कई गंभीर मामलों, उन्नाव, हाथरस, महिला खिलाड़ियों और मणिपुर की घटनाओं में सरकार का रवैया उदासीन रहा है। अब वही सरकार खुद को महिलाओं का हितैषी दिखाने की कोशिश कर रही है।

प्रियंका गांधी ने स्पष्ट किया कि यह केवल महिला आरक्षण का मुद्दा नहीं था, बल्कि परिसीमन और राजनीतिक संतुलन से भी जुड़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस तरह के प्रस्ताव का समर्थन नहीं कर सकता था, जिसमें सरकार को बिना पारदर्शिता के फैसले लेने की छूट मिलती हो।

उन्होंने यह भी कहा कि देश ने देख लिया है कि जब विपक्ष एकजुट होता है, तो केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार को चुनौती दी जा सकती है। यही कारण है कि सरकार इस दिन को 'ब्लैक डे' बता रही है, जबकि विपक्ष इसे लोकतंत्र की जीत मानता है।

कांग्रेस महासचिव ने अंत में कहा कि देश की महिलाएं अब जागरूक हैं और सरकार की पीआर और मीडियाबाजी को समझ रही हैं।

डीएमके ने अपने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तुरंत लागू हो, कुल सीटों की संख्या बढ़ाए बिना और किसी जनगणना या परिसीमन की प्रतीक्षा किए बिना। सरकार के 2023 के नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विपरीत, जिसने आरक्षण को 15 वर्षों तक सीमित किया था, द्रमुक का बिल आरक्षण को स्थायी बनाने का प्रस्ताव करता है।

द्रमुक ने शुक्रवार को राज्यसभा अध्यक्ष को नियम 267 के तहत नोटिस दिया, जिसमें उस दिन के सत्र को स्थगित कर महिला आरक्षण पर तुरंत चर्चा कराने का अनुरोध किया गया। हालांकि, शुक्रवार को दोनों सदन स्थगित हो जाने के कारण बिल पर चर्चा नहीं हो सकी। सरकार ने अभी तक द्रमुक के बिल पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। इसके पहले यह तर्क दिया गया था कि सदन की संख्या बढ़ाने से वर्तमान राजनीतिक नेताओं के हित संरक्षित रहेंगे और महिलाओं को अधिक अवसर भी मिलेंगे। विपक्ष के दलों का तर्क है कि परिसीमन के बड़े सवाल हैं, जो राजनीतिक मानचित्र को फिर से आकार देंगे। द्रमुक का दावा है कि विशेष रुप से दक्षिणी राज्य परिसीमन प्रक्रिया में नुकसान में रहेंगे।

'करौली जिला क्रिकेट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नीरज के.पवन के समक्ष पहले से ही लंबित थी। परंतु सचिव द्वारा बेहद ही अस्पष्ट और तर्कहीन आदेश पारित किया, जिसके तहत गैरकानूनी तरीके और जल्दबाजी से एसोसिएशन के चुनाव आयोजित कराए जा सके। याचिकाकर्ता का कहना है कि तत्कालीन खेल सचिव ने करौली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्यों के पक्ष को भी सुनना भी उचित नहीं समझा।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि एडहॉक कमेटी द्वारा दिए गए इलेक्शन आयोजित करने के नोटिस और 6 जून 2025 को खेल सचिव के तर्कहीन आदेश से बचाव करते हुए हाईकोर्ट ने 11 जून को एसोसिएशन को अंतरिम राहत भी दी थी और सचिव के फैसले पर अंतरिम रोक भी लगाई थी।

शनिवार को हाईकोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए युवा मामलात और खेल विभाग के नए सचिव को आदेश दिए हैं कि इस मामले पर 60 दिन में तर्कसंगत आदेश पारित करे, परंतु उससे पूर्व सभी पक्षकारों को सुना जाए।

एसआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सजा सभी को देना उचित नहीं है। याचिका में कहा गया कि चयनित एसआई ने कठोर मेहनत से इस परीक्षा को पास किया है और अब इस स्तर पर उन्हें भर्ती से बाहर करना सही नहीं है। चयनित एसआई की एसएलपी पर आगामी दिनों में सुनवाई होने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर भर्ती में चयन से वंचित रहे और भर्ती रद्द करवाने वाले अभ्यर्थियों ने पहले ही सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर कर दी है, जिससे कि चयनित अभ्यर्थियों की एसएलपी में कोई भी आदेश देने से पहले सुप्रीम कोर्ट उनका पक्ष भी सुनेगा।

सम्राट चौधरी 24 अप्रैल को विधानसभा में बहुमत साबित करेंगे

पटना, 18 अप्रैल। बिहार विधानसभा का दूसरा सत्र आगामी 24 अप्रैल 2026 को बुलाया गया है। इस संबंध में विधानसभा सचिवालय ने आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। यह सत्र केवल एक दिन का होगा

■ **एक दिन के सत्र के लिये अधिसूचना जारी।**

और सुबह 11 बजे विधानसभा परिसर में आयोजित किया जाएगा। राजनीतिक दृष्टि से यह सत्र बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि नई सरकार को इसी दिन सदन में अपना बहुमत साबित करना होगा।

लोकसभा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया, और राष्ट्रपति के संबोधन पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा 2 घंटे 46 मिनट चली।

सोमवार को हो सकती है अमेरिका -ईरान में अगले दौर की वार्ता

पाकिस्तानी सूत्रों ने बताया इस्लामाबाद में हो रही वार्ता के कवरेज के लिए दुनिया भर से मीडियाकर्मी आ रहे हैं।

इस्लामाबाद, 18 अप्रैल। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को खत्म करने के लिए अहम बातचीत का दूसरा दौर इस्लामाबाद में सोमवार को शुरू हो सकता है। दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के आगमन की तैयारियां भी तेज हो गई हैं।

यह घटनाक्रम ऐसे समय पर सामने आया है, जब पाकिस्तान सक्रिय मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए शांति बहाली की कोशिशों में जुटा है और हाल ही में सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने तेहरान में उच्चस्तरीय बैठकों के जरिए कूटनीतिक प्रयासों को नई दिशा दी है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या यह बातचीत लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष को खत्म करने की दिशा में कोई ठोस परिणाम दे पाएगी।

तुर्किए की सरकारी संवाद समिति अनादोलू एजेंसी ने पाकिस्तानी सूत्रों के हवाले से बताया कि अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडलों के आने के

■ **अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा है कि अगर वार्ता सफल रही तो वे भी पाकिस्तान आएंगे।**

लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, क्योंकि युद्ध खत्म करने की कोशिशें जारी हैं।

यह खबर तब आई, जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने इस हफ़्ते तेहरान में ईरान के प्रमुख अधिकारियों के साथ आमने-सामने बैठकें कीं।

पाकिस्तानी सरकारी सूत्रों ने शनिवार को अनादोलू को बताया कि अमेरिका और ईरान की टीमें सोमवार को ही पाकिस्तान की राजधानी में अपने तकनीकी-स्तर के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत का दूसरा दौर शुरू कर सकती हैं।

सूत्रों ने बताया कि दोनों विरोधी पक्षों के वार्ताकार 11-12 अप्रैल को इस्लामाबाद में बातचीत का पहला दौर खत्म होने के बाद से ही, इस्लामाबाद के जरिए एक-दूसरे को संदेश भेज रहे हैं, ताकि बहुप्रतीक्षित बातचीत के अगले चरण की शुरुआत से पहले "अधिकतम सहमति" तक पहुंचा जा सके।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर ने इस हफ़्ते तेहरान में ईरान के नागरिक और सैन्य नेतृत्व के साथ आमने-सामने बातचीत की, जिसके दौरान ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को वाणिज्यिक जहाजों के लिए खुला घोषित कर दिया।

एक पाकिस्तानी सरकारी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधिमंडलों के साथ-साथ इस कार्यक्रम को कवर करने वाले मीडियाकर्मियों के आने के लिए लॉजिस्टिक इंतज़ाम पहले ही शुरू हो चुके हैं।

'कैसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाथियों की संख्या भी बढती गई। याचिका में कहा गया कि स्पष्ट नियम होने के बावजूद, अनाधिकृत और बाहरी लोग आमेर किले और हाथी गांव के बाहर हाथी सवारी करा रहे हैं। इसके बदले पर्यटकों से पांच हजार से दस हजार रुपए से वसूले जा रहे हैं। याचिका में कहा गया कि उनकी ओर से संबंधित अधिकारियों को कई बार लिखित शिकायत दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिसके चलते निर्धारित क्षेत्रों के बाहर हाथी सवारी कराई जा रही है। याचिका में गुहार की गई है कि अवैध हाथी सवारी पर पाबंदी लगाई जाए और अनाधिकृत लोगों को हाथी सवारी कराने से रोका जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

केन्द्रीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिशत में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। यह वृद्धि एक जनवरी 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। इस फैसले से लगभग 50.46 लाख केन्द्रीय कर्मचारियों और 68.27 लाख पेंशनभोगियों को सीधा लाभ मिलेगा। डीए और डीआर में इस बढ़ोतरी से सरकारी खजाने पर सालाना 6791.24 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। यह निर्णय सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा सुझाए गए स्वीकृत फॉर्मूले के अनुरूप है।

मोजतबा खामनेई ने सेना के नाम संदेश प्रसारित किया

ईरान के सुप्रीम लीटर ने कहा बिजली की तरह हमला करो

तेहरान, 18 अप्रैल। ईरान में आर्मी डे के मौके पर सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने सेना को लेकर बड़ा और सख्त संदेश दिया है। उन्होंने हाल ही में हुए 40 दिन के युद्ध के दौरान सेना की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि ईरान की सेना ने दुश्मनों के खिलाफ साहसिक रक्षा की और उन्हें करारा जवाब दिया। सुप्रीम लीडर बनने के बाद यह उनका पहला आर्मी डे संबोधन था, जिससे इस बयान को और ज्यादा अहम माना जा रहा है।

मोजतबा खामेनेई ने अपने संदेश में कहा कि ईरान की सेना को अब और मजबूत बनाना जरूरी है और उसे बिजली की तरह वार करने की क्षमता हासिल करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हालिया युद्ध ने दुश्मनों की कमजोरी और हार को उजागर कर दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि सेना की ताकत बढ़ाने के लिए जल्द ही नए कदम उठाए जाएंगे।

सुप्रीम लीडर ने खास तौर पर सेना की तकनीकी ताकत, ड्रोन क्षमता और नौसेना की भूमिका को सराहा। उन्होंने कहा कि ईरान के ड्रोन दुश्मनों पर बिजली की तरह हमला करते हैं और नौसेना किसी भी समय दुश्मनों को हराने के लिए तैयार है। उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले

■ **उन्होंने ईरान -अमेरिका वॉर, जिसमें अभी युद्ध विराम है, पर कहा, हमने दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया है यह युद्ध हमारी सेना की ताकत को साबित करता है।**

समय में इन क्षेत्रों को और मजबूत किया जाएगा।

उन्होंने हाल ही में खत्म हुए 40 दिन के युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान की सेना और रिवोल्यूशनरी गार्ड ने मिलकर दुश्मनों को भारी नुकसान पहुंचाया। यह युद्ध 8 अप्रैल को युद्धविराम के साथ खत्म हुआ था। उन्होंने इसे एक बड़ी जीत बताते हुए कहा कि इसने ईरान की सैन्य ताकत को साबित किया है।

मोजतबा खामेनेई ने इस मौके पर युद्ध में जान गंवाने वाले कमांडरों और सैनिकों को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि इन सैनिकों के बलिदान की वजह से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कई पुराने और हालिया सैन्य नेताओं का नाम लेकर उन्हें याद किया और उनके योगदान को देश के लिए अहम बताया।

बी-टू-बाईपास पर बसी श्रीराम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथ्यों से आदेश प्राप्त किया गया था, ऐसे में उसे रद्द किया जाता है। अदालत ने साल 1986 की ऑडिट रिपोर्ट और 25 जुलाई, 2019 की जांच समिति रिपोर्ट के आधार पर माना की अधिग्रहण से पूर्व ऐसी कोई योजना अस्तित्व में ही नहीं थी और समिति ने मूल खातेदारों को भी पक्षकार नहीं बनाया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि खातेदार सिविल कोर्ट में जमा मुआवजे के लिए आवेदन कर सकते हैं और आवासन मंडल भी विधि सम्मत कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है।

प्रकरण से जुडे अधिवक्ता दिनेश यादव ने बताया कि साल 1981 में जवाहरपुरी भवन निर्माण सहकारी समिति ने खातेदारों से समझौता विक्रय के आधार पर भूमि खरीदने का दावा करते हुए श्रीराम कॉलोनी-बी योजना बनाई। साल 1990 में इस भूमि का अधिग्रहण कर आवासन मंडल को सौंपी गई।

इस दौरान समिति ने जेडीए से नियमितिकरण कराया। इसके बाद पहले चरण का विवाद हाईकोर्ट आने पर अदालत ने साल 2002 में जेडीए को पट्टे जारी करने को कहा और मामला साल 2018 में सुप्रीम कोर्ट से तय हुआ। इस दौरान साल 2019 में आवासन मंडल ने नई याचिका दायर कर कहा कि साल 2002 का आदेश गलत तथ्यों पर आधारित था।

उधर राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ से अपने पक्ष में फैसला आने के बाद राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड ने अवाप्तशुदा जमीन का पुनः कब्जा लेने की तैयारियां शुरू कर दी। गत 16 अप्रैल को आवासन मंडल की टीम मौके पर जे.सी.बी. मशीनें और भारी पुलिस जाप्ता लेकर तोड़फोड़ शुरू की। यहां जेसीबी मशीन से जमीन पर बनी बाउंड्री वॉल, कोठरियां और अन्य अतिक्रमणों के निर्माण को तोडऩा शुरू किया तो वहां रहने वाले कुछ लोगों ने विरोध जताया और हंगामा कर दिया। इस बीच वहां मौजूद कुछ महिलाओं ने जेसीबी पर पत्थर फेंक दिए। इससे घबराए हाउसिंग बोर्ड अधिकारियों ने कुछ समय के लिए कार्रवाई रोक दी थी।

अब श्रीराम कॉलोनी विकास समिति की ओर से दायर अपील पर राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा तथा जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ के समक्ष सोमवार को होगी। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी।

'प्र.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीधे पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के मतदाताओं से सीधे बात करने का अवसर दिया गया।

प्रश्न उठता है कि क्या यह मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट है या मोदी कंडक्ट ऑफ कंडक्ट?

क्या विपक्ष को जवाब देने का ऐसा ही अवसर मिलेगा?

बहुत कम संभावना है, क्योंकि यह पूरी तरह मोदी शो है।

यह भाषण झूठ, असत्य, अतिशयोक्ति और भाजपा को "पवित्र" और विपक्ष को "दुष्ट" के रूप में पेश करने के प्रयास से भरा था। आम धारणा यह है कि संसद में पहली बड़ी पराजय मिलने के बाद मोदी फिसल रहे हैं।

और उनके भाषण में सबसे ज्यादा ज़हर कांग्रेस पार्टी के लिए आरक्षित है।

ईरान में भी नेतृत्व में "पावर स्ट्रगल" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ये मतभेद शायद कठोर रुख वाले आईआरजीसी और अयातुल्लाह के कट्टर समर्थकों तथा अधिक प्रगतिशील वरिष्ठ राजनीतिज्ञों के बीच चल रहे सत्ता संघर्ष को दर्शाते हैं।

शुक्रवार को, विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने घोषणा की थी कि युद्धविराम अवधि के दौरान स्ट्रेट पूरी तरह से वाणिज्यिक जहाजों के लिए खुला है।

हालांकि, इसके बाद, अर्ध-सरकारी फ़ारे न्यूज़ एजेंसी ने रिपोर्ट किया कि अमेरिकी नाकेबंदी जारी रहने के कारण स्ट्रेट बंद किया जा रहा है।

ईरानी कमांड संरचना में स्पष्ट रूप से मतभेद हैं और एक पक्ष को नहीं पता कि दूसरा क्या योजना बना रहा है या कर रहा है। इसका परिणाम यह हुआ कि परमाणु रणनीति से लेकर होर्मुज़ स्ट्रेट तक के महत्वपूर्ण मुद्दों पर ईरानी रुख अस्पष्ट हो गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भ्रमित करने वाले बयानों और प्रमुख मुद्दों पर बार-बार रुख बदलने से भी स्थिति जटिल हो गई है।

बढ़ते भ्रम में, मैदान पर तैनात सैन्य बल शायद स्थिति की अपनी समझ के अनुसार कार्य कर रहे हैं। स्थिति और गंभीर हो गई है, क्योंकि पूरी ईरानी कमांड संरचना अत्यंत विविधतापूर्ण है और ज़मीनी स्तर के कमांडरों को कार्य करने की बहुत स्वतंत्रता है।

इस प्रकार, ज़मीनी स्तर पर, सैन्य बलों और आईआरजीसी ने अपनी कार्यवाही जारी रखी, जबकि उच्च स्तर पर नेता सैन्य कार्रवाई को धीमा करने या पूरी तरह रोकने पर सहमत हो गए थे।

जहाँ ईरानियों ने पहले होर्मुज़ स्ट्रेट को वाणिज्यिक यातायात के लिए खुला घोषित किया था, वहीं, जब रिवोल्यूशनरी गाड्‌र्स द्वारा यह खुलासा किया गया कि अमेरिकी अभी भी ईरानी बंदरगाहों से आने-जाने वाले जहाजों को रोक रहे हैं, तो रुख बदल गया और होर्मुज़ को बंद कर दिया गया।

इन जलमार्गों पर गश्त करने वाले ईरानी गनबोट्स ने उन जहाजों पर गोलीबारी की, जो स्ट्रेट से गुजरने और ओमान की खाड़ी की ओर बढ़ने का प्रयास कर रहे थे। इनमें से एक सुपर-टैंकर भारतीय झंडे वाला था और उस पर भी गोलीबारी हुई, जिसके बाद जहाज वापस मुड़ गया।

भारतीय जहाज, सैनमार हेराल्ड, तेल लेकर, भारत की ओर जा रहा था और अचानक गोलीबारी से चौंक गया। अब तक, भारतीय जहाजों को युद्धविराम के चरम समय में भी स्ट्रेट से सुरक्षित गुजरने की सुविधा मिली हुई थी। एक अन्य भारतीय जहाज, जग अर्नब, को भी आईआरजीसी गाड्‌र्स द्वारा वापस लौटने का आदेश दिया गया था।

घटना के बाद, यह खबर आई कि भारत के विदेश कार्यालय ने ईरान के भारत स्थित राजदूत को तलब किया और कड़ा विरोध दर्ज कराया। यह नहीं पता कि ईरानी विदेश मंत्रालय और सरकार ने क्या प्रतिक्रिया दी।

टी.एस. एलियट ने 1923 में यह लिखा था, अप्रैल साल का सबसे क्रूर महीना होता है। यह बात अप्रैल 2026 में अत्यधिक साकार हो रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908